Page 11

खेल

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

देश

Page 10

नीरज चौपड़ा जापानी जेनकी डीन और श्रीलंकाई पथिरेज भी होंगे शामिल

ओडिशा में रह रहे घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगी सरकार मंत्री

कृष्ण पक्ष, रेवती, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • शनिवार • 26 अप्रैल 2025 • वर्ष 27 • अंक 135 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 98,240	₹ 1,00,900

आज का इतिहास

2007 : जापानी कंपनी सोनी ने भारत में वर्ष 2010 तक 2 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य रखा।

1920 : प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का चेन्नई में निधन।

न्यूज बाइट्स

विदेश सेवा के चार अधिकारियों ने प्रशासनिक सुधार के बारे में जाना

पटना (नि.सं.) । भारतीय विदेश सेवा के चार पदाधिकारियों की टीम ने मध्य सेवाकालीन प्रशिक्षण चरण-2 कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसायटी का भ्रमण किया। इस टीम में निदेशक, एमईए अमित कुमार मिश्र, ई/आई. दोहा मिशन के उप प्रमुख संदीप कुमार, मेलबर्न के सीजीआई के काउंसल जनरल डॉ. सुशील कुमार और राजदूत ई./आई.मोनरोविया मनोज बिहारी वर्मा शामिल है। इन पदाधिकारियों को प्रशासनिक सुधार कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से अवगत कराया गया। इस मौके पर बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसायटी में बैठक हुई। इसमें सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंदर एवं सोसायटी की अपर मिशन निदेशक डॉ. प्रतिमा ने इन पदाधिकारियों को प्रशासनिक सुधार के क्षेत्र में संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी।

दरभंगा हवाईअड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा बनाने की कवायद तेज

दरभंगा (नि.सं.) । दरभंगा 25 अप्रैल (वार्ता) बिहार में उड़ान योजना के तहत बने दरभंगा हवाईअड्डे को अब अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा बनाने की कवायद तेज हो गई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा दरभंगा हवाईअड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा बनाने के लिए रनवे के विस्तार को आवश्यक बताते हुए 90 एकड़ भूमि मांगी गई थी जिसके अधिग्रहण की प्रक्रिया राज्य सरकार ने शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने इसके लिए स्वीकृत 245 करोड़ रुपये की राशि जिला प्रशासन दरभंगा को हस्तांतरित कर दी है।

पटना व्यवहार न्यायालय में बम के ईमेल से सनसनी

पटना (नि.सं.) । पटना व्यवहार न्यायालय परिसर में आरडीएक्स जैसे शक्तिशाली बम के प्लांट होने की बात वाला ईमेल मिलने के बाद आज प्रशासन ने न्यायालय को पुलिस छावनी में तब्दील कर सघन तलाशी ली। व्यवहार न्यायालय के ईमेल पर शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजकर 46 मिनट पर प्राप्त मैसेज के बाद प्रशासन को सूचना दी गई। न्यायालय प्रशासन ने इस संबंध में बार एसोसिएशन को भी सूचना भेजी। सूचना मिलने के बाद नगर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी)-2 दीक्षा स्वयं मौके पर पहुंची। साथ ही एन्टी टेररिस्ट स्क्वाड और बम निरोधक दस्ता को भी बुलाया गया। भारी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किए गए।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 34 एजेंडों पर लगी मुहर

आठ जिलों में खुलेंगे कॉलेज, छह जिलों में एयरपोर्ट के लिए होगा सर्वे : सीएम

• अयोध्या की तरह विकसित होगा पुनौरा धाम

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई थी, जिसमें 34 एजेंडों पर मुहर लगी है। सीतामढ़ी जिले में स्थित मां सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या की तरह पूरी तरह से विकसित किया जाएगा। इसके लिए उसी डिज़ाइन कंसल्टेंट को चुना गया है। जिसने अयोध्या में राम मंदिर बनवाया था। इसके लिए नोएडा की कंपनी मेसर्स डिजाईन एसोसिएट्स इन्कॉरपोरेटेड को चुना गया है। बैठक में 3 हजार 837 पदों पर बहाली की स्वीकृती मिली है। इसमें खेल में 244, नगर विकास में 663, विधि में 40, पशुपालन में 2159, गन्ना में 19, शिक्षा में 526, राजस्व में 185, स्वास्थ्य में 1 पद शामिल हैं।

मधुबनी, वीरपुर, मुंगेर, वाल्मिकीनगर, भागलपुर और सहरसा में हवाई अड्डा बन सकता या नहीं इसके लिए अध्ययन कराया जाएगा। इस काम के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (ए एआई), नई दिल्ली को चुना गया है। इस लिए कुल 2 करोड़ 43 लाख 17 हजार 676 रुपए की राशि दी गई है।

मुख्यमंत्री की यात्रा के दौरान जो वादे किए गए थे, उनके अनुसार बिहार के 8 जिलों (मधुबनी, गोरौल, शाम्हों, इमामगंज, अधौरा, कटोरिया, असरगंज और चकाई) में नए डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे। इन कॉलेजों के लिए कुल 526 पदों को मंजूरी दी गई है। इनमें से 422 पद शिक्षक वर्ग के होंगे। इसमें हर कॉलेज में एक प्रिंसिपल यानी प्रधानाचार्य भी शामिल हैं। वहीं 104 पद गैर-शिक्षक (शिक्षकेत्तर) स्टाफ के होंगे। इससे पहले 8 अप्रैल को हुई पिछली कैबिनेट बैठक में 27,000 से अधिक नई नियुक्तियों को मंजूरी दी गई थी। नगर विकास विभाग में एकीकृत शहरी अभियंत्रण संगठन के 71 कार्यालयों के संचालन के लिए 663 विभिन्न कोटि के गैर तकनीकी पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। इस पर हर साल 35 करोड़ 27 लाख 48 हजार 344 रुपए खर्च होंगे। पश्चिम चंपारण के सिकटा अंचल के तत्कालीन अंचल अधिकारी रमन राय जो वर्तमान में किशनगंज में सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी हैं, उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त संशोधन नियमावली 2025 की स्वीकृति दी गई है। महाधिवक्ता कार्यालय में 34 स्थायी पद और संविदा आधारित 6 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है। दंत चिकित्सकों की स्वीकृत डायनेमिक एसीपी को एक अप्रैल 2017 के प्रभाव से स्वीकृत किया गया है। राजस्व भूमि सुधार विभाग में 104 पदों पर बहाली की अनुमति दी गई है। वही भू- अर्जन विभाग में 81 पदों की अनुमति दी गई है। वहीं शिक्षा विभाग में 526 पदों की अनुमति दी गई है।

राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना' के अंतर्गत बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बड़ा फैसला लिया है। इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणियों के उपभोक्ताओं को बिजली खपत पर प्रति यूनिट अनुदान दिया जाएगा। सरकार ने इसके लिए कुल 15 हजार 995 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। यह राशि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक हर महीने 1 हजार 332 करोड़ रुपये की दर से दी जाएगी। यह भुगतान भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से सीधे एनटीपसी लिमिटेड को किया जाएगा, ताकि बिजली आपूर्ति में कोई बाधा न हो और उपभोक्ताओं को तय दर पर बिजली मिलती रहे।

बैठक में बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब यह है कि अब राज्य में जमीन की नई रसीद (खतियान) और नक्शा तैयार किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को और ज्यादा सही, पारदर्शी और तेजी से पूरा करने के लिए नियमों में कुछ बदलाव किए गए हैं। अब जमीन के सर्वे के समय, अगर किसी जमीन का बंटवारा पहले से मौखिक सहमति (बातों-बातों में आपसी समझ) से हो चुका है, और वह बंटवारा जमीन पर लागू हो चुका है, तो उसे भी मान्यता दी जाएगी। पहले यह सुविधा नहीं थी। सरकार का मानना है कि इससे सर्वेक्षण का काम आसान, तेज और सही तरीके से पूरा किया जा सकेगा। कैबिनेट की यह बैठक मुख्य सचिवालय स्थित कैबिनेट हॉल में आयोजित हुई। पहले यह बैठक शाम 4 बजे प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसका समय बदलकर सुबह 11 बजे कर दिया गया है। सभी संबंधित विभागों को बैठक की तैयारी के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके थे।

चुनाव से पहले सरकार ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

बिहार के सभी जिलों को मिले नए प्रभारी मंत्री

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए सभी जिलों में नए प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति कर दी है। आज मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा अधिसूचना जारी कर एनडीए सरकार के सभी मंत्रियों को अलग-अलग जिलों का प्रभार सौंपा गया। इससे पहले जारी प्रभारी मंत्रियों की सूची को रद्द कर दिया गया है और पूरी तरह से नई सूची जारी की गई है।

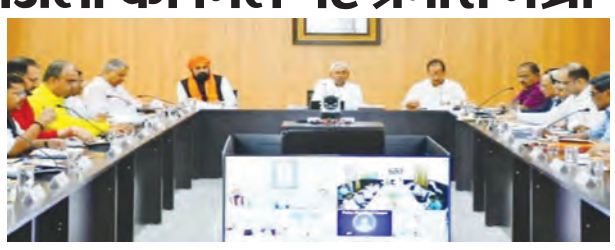

इस नई व्यवस्था के तहत, हर जिले में अब एक अलग प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है जो न केवल जिले में विकास कार्यों की निगरानी करेंगे, बल्कि आगामी चुनाव की तैयारियों को भी मजबूत करेंगे। खास बात यह है कि जिन मंत्रियों को जिन जिलों की जिम्मेदारी दी गई है, वे आमतौर पर उस जिले से बाहर के हैं ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी तरह के राजनीतिक प्रभाव से बचा जा सके।

इस नई अधिसूचना के जरिए बिहार सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सभी मंत्रियों को निर्देश दिया गया है कि वे संबंधित जिलों में जाकर कैंप करें, जनता से जुड़ें और प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी करें। इसके साथ ही सरकार ने यह संदेश भी देने की कोशिश की है कि पारदर्शिता के साथ चुनाव की तैयारी होगी। प्रभारी मंत्रियों को उनके अपने गृह जिले से हटाकर अन्य जिलों की जिम्मेदारी दी गई है।

कौन मंत्री किस जिले के बनाए गए प्रभारी?

सम्राट चौधरी (उपमुख्यमंत्री) – पटना, विजय कुमार सिन्हा (उपमुख्यमंत्री) – मुजफ्फरपुर, विजय चौधरी – पूर्णिया और नालंदा, बृजेंद्र प्रसाद यादव – वैशाली, डॉ. प्रेम कुमार – कैमूर, श्रवण कुमार – समस्तीपुर और मधेपुरा, संतोष सुमन – औरंगाबाद, सुमित सिंह – सारण, रेणु देवी – सिवान, मंगल पांडे – दरभंगा, नीरज कुमार सिंह – कटिहार, अशोक चौधरी – सीतामढ़ी और जहानाबाद, लेसी सिंह – मधुबनी, मदन सहनी – सुपौल, नीतीश मिश्रा – अररिया, नितिन नवीन – बक्सर, महेश्वर हजारी – खगड़िया, शीला कुमारी – लखीसराय, सुनील कुमार – पूर्वी चंपारण, जनक राम – पश्चिमी चंपारण, हरि सहनी – अरवल, कृष्ण नंदन पासवान – गोपालगंज, जयंत राज – रोहतास, जमा खान – किशनगंज, रत्नेश सदा – जमुई, केदार गुप्ता – भोजपुर, सुरेंद्र मेहता – बांका, संतोष सिंह – भागलपुर, संजय सरावगी – बेगूसराय, डॉ. सुनील कुमार – गया, जीवेश कुमार – नवादा, राजू सिंह – शेखपुरा, मोतीलाल प्रसाद – शिवहर, विजय कुमार मंडल – सहरसा, कृष्ण कुमार पिंटू – मुंगेर जिलों के प्रभारी मंत्रियों की सूची जारी कर दी गई है।

डाकघर में लगेगी चौपाल और कर्मी पहनेंगे आईकार्ड

पटना (नि.सं.)। डाक कर्मी अब आईकार्ड में नजर आएंगे। डाक कर्मियों का ग्राहक के साथ व्यवहार कैसा रहा, इसपर फीडबैक भी ली जाएगी। इसकी शुरुआत पूरे बिहार में पटना साहिब डिविजन से की जा रही है। पटना साहिब डिविजन के अंदर आने वाले सभी मुख्य डाकघर, उप डाकघर और शाखा डाकघर के कर्मियों को निर्देश दिया गया है। सभी डाक कर्मी आईकार्ड पहन कर काउंटर पर रहेंगे। इसके साथ ही डाक चौपाल मेले का आयोजन किया जाएगा। डाक चौपाल मेले के माध्यम से आम लोगों को डाक विभाग की ओर से चलाई जा रही तमाम योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों को तमाम योजनाओं की जानकारी मिल सकेगी। चौपाल साप्ताहिक लगाई जाएगी। साप्ताहिक चौपाल का आयोजन शाखा डाकघर के माध्यम से होगा। आम लोगों की सुविधा के लिए चौपाल में खाता खुलवाने की सुविधा भी दी जाएगी।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जारी की अंचल कार्यालयों की रैंकिंग

• मार्च में जमुई के लक्ष्मीपुर अंचल का काम सबसे अच्छा

• औरंगाबाद के हसपुरा को दूसरा तथा बांका के बाराहाट को तीसरा स्थान

• नवादा के अकबरपुर अंचल को मिला आखिरी स्थान

निज संवाददाता | पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा नियमित रूप से मुख्यालय स्तर से, अंचल कार्यालयों से लेकर जिलों तक किये जा रहे राजस्व कार्यों की समीक्षा की जाती है ताकि आमजनता को राजस्व विभाग की सेवाओं का लाभ समुचित रूप से मिल सके । इसी क्रम में विभाग द्वारा राज्य के सभी 534 अंचल कार्यालयों की समीक्षा कर उनकी मार्च माह की रैंकिंग जारी की गई है। अंचल कार्यालयों की रैंकिंग जारी होने और उनके कार्यों की लगातार समीक्षा से कार्यप्रणाली में क्रमवार सुधार जारी है। कार्यालय को पहला, औरंगाबाद के हसपुरा को दूसरा तथा बांका के बाराहाट को तीसरा स्थान मिला है। फरवरी में पहले स्थान पर सिवान का नगरा और दूसरे स्थान पर औरंगाबाद के हसपुरा अंचल कार्यालय था। टॉपर लक्ष्मीपुर को 100 में 91.61 अंक मिले हैं तो दूसरे नंबर पर रहे हसपुरा को 91.39 अंक और तीसरे नंबर पर रहे बाराहाट को 90.07 अंक मिले हैं। टॉप टेन में बांका के चार तथा शेखपुरा के दो अंचल कार्यालय स्थान बना पाये हैं। बांका के बाराहाट, अमरपुर, बौंसी तथा फुल्लीडुमर को क्रमशः तीसरा, चैथा, छठा तथा सातवां स्थान प्राप्त हुआ है।

टॉप 10 अंचल कार्यालय	अंतिम 10 अंचल कार्यालय
1. लक्ष्मीपुर(जमुई)- 91.61 अंक	1. वजीरगंज(गया)- 55.87 अंक
2. हसपुरा (औरंगाबाद)-91.39 अंक	2. चैगाई (बक्सर)- 55.83 अंक
3. बाराहाट (बांका)- 90.07 अंक	3. रहिका(मधुबनी)- 55.69 अंक
4. अमरपुर (बांका)- 88.35 अंक	4. पुनपुन (पटना)- 55.16 अंक
5. घाट कुसुम्भा(शेखपुरा)-88.13 अंक	5. बिहटा (पटना)- 54.19 अंक
6. बौंसी (बांका)-88.10 अंक	6. बोधगया (गया)- 52.39 अंक
7. फुल्लीडुमर (बांका)- 88.06 अंक	7. संपतचक (पटना)- 50.84 अंक
8. बैरगनिया (सीतामढ़ी)- 87.12 अंक	8. सदर गया (गया)- 50.80 अंक
9. शेखोपुर सराई(शेखपुरा)- 86.97 अंक	9. औरंगाबाद सदर (औरंगाबाद)- 49.27 अंक
10. खुदाबंदपुर (बेगूसराय)- 86.58 अंक	10. अकबरपुर (नवादा)- 49.13 अंक

रैंकिंग का आधार

अंचल कार्यालयों की रैंकिंग परिमार्जन प्लस, म्यूटेशन, अभियान बसेरा-2, आधार सीडिंग की स्तिथि इत्यादि के आधार पर की जाती है। रैंकिंग में अंचल कार्यालयों को म्यूटेशन पर 20 अंक, परिमार्जन प्लस पर 25 अंक, अभियान बसेरा-2 पर 15 अंक, आधार सीडिंग पर 2.5 अंक, ऑनलाइन एलपीसी पर 2.5 अंक, ई मापी पर 15 अंक, अतिक्रमणवाद निबटारे पर पांच अंक, जमाबंदी पर पांच अंक और सरकारी जमीन की इंट्री और वेरीफिकेशन पर 10 अंक दिये जाते हैं। इनमें सबसे अधिक अंक परिमार्जन प्लस पर मिलते हैं।

प्रत्येक पंचायत में स्थापित होंगे कस्टम हायरिंग सेन्टर : विजय कुमार सिन्हा

• लघु एवं सीमांत किसानों को मिलेगा आधुनिक कृषि यंत्रों का लाभ

• आधुनिक यंत्रीकरण से बढ़ेगी कृषि उत्पादकता

• सरकार दे रही है 40 प्रतिशत तक अनुदान

• विभिन्न समूह और संगठन उठा सकते हैं योजना का लाभ

निज संवाददाता | पटना

उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि सरकार के कृषि रोड मैप के तहत अब हर पंचायत में कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) खोलने की तैयारी है, जिससे छोटे और सीमांत किसान बिना भारी खर्च के ट्रैक्टर चलित या स्वचालित यंत्र किराए पर ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि इन केन्द्रों के माध्यम से जुताई, बुआई, हार्वेस्टिंग और थ्रेसिंग जैसे सभी जरूरी काम समय पर हो जाएंगे, जिससे खेती की लागत कम होगी, श्रम की बचत होगी और उत्पादकता में बढ़ोतरी आएगी।

विनियोग की बात करते हुए उप मुख्य मंत्री ने बताया कि एक कस्टम हायरिंग सेंटर की अधिकतम स्थापना पर खर्च 10 लाख रुपये निर्धारित किया गया है, जिसमें राज्य सरकार 40 प्रतिशत या अधिकतम 4 लाख रुपये तक का अनुदान देगी। बाकी की धनराशि किसान समूह, ग्राम संगठन या एफपीओ जैसे संस्थान स्वयं उठा सकेंगे। केन्द्रों में कम-से-कम एक यंत्र हर महत्वपूर्ण कृषि क्रिया के लिए रखा जाएगा, ताकि स्थानीय फसल चक्र का पूरा ध्यान रखा जा सके।

विजय कुमार सिन्हा ने यह भी बताया कि प्रगतिशील कृषक, जीविका समूह, आत्मा से जुड़े फार्मर इंटरेस्ट ग्रुप, बैंक से जुड़े किसान क्लब, किसान उत्पादक संगठन, स्वयं सहायता समूह और पैक्स इन केन्द्रों का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने गर्व से साझा किया कि अब तक राज्य भर में 950 कस्टम हायरिंग सेंटर सफलतापूर्वक स्थापित हो चुके हैं और अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 में 267 और केन्द्र स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस पहल से बिहार के ग्रामीण इलाकों में खेती के आधुनिक यंत्र सुलभ होने से किसान आत्मनिर्भर बनेंगे तथा समय पर काम न होने से होने वाले नुकसान से बचेंगे।

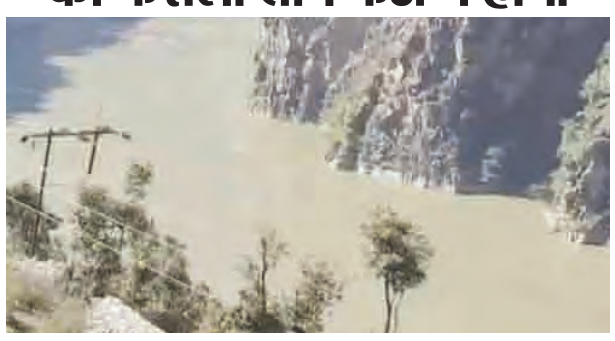

केंद्र ने कहा- पाकिस्तान को नहीं देंगे एक बूंद पानी

सिंधु जल समझौता स्थगित करने का फैसला तीन फेज में होगा

एजेंसी | नई दिल्ली

पाकिस्तान के साथ 'सिंधु जल समझौता स्थगित' करने पर शुक्रवार को जल शक्ति मंत्रालय की बैठक हुई। इसे 3 चरणों में पूरा करने का फैसला लिया। बैठक के बाद केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि इसे लेकर 3 तरह की रणनीति बना रहे हैं। पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। मीटिंग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर पर हुई। इसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर और जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल शामिल हुए थे। हालांकि, 3 चरणों और 3 तरह की रणनीति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद 23 अप्रैल को केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला लिया था। गुरुवार देर रात भारत की तरफ से पाकिस्तान को चिठ्ठी भेजकर इसकी आधिकारिक जानकारी दे दी गई। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले 26 लोगों की मौत हो गई थी। भारत में जलशक्ति सचिव देवश्री मुखर्जी ने गुरुवार देर रात पाकिस्तानी जल संसाधन मंत्रालय के सचिव मुर्तजा को पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि यह संधि अच्छे संदर्भ में की गई थी, लेकिन अच्छे रिश्तों के बिना इसे बनाए नहीं रखा जा सकता।

वहीं, पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि के खत्म होने को एक्ट ऑफ वॉर बताया है। पाकिस्तानी सरकार ने कहा- अगर भारत सिंधु जल समझौते को रोकता है तो इसे एक्ट ऑफ वॉर यानी जंग की तरह माना जाएगा।

आखिर पकड़ा गया तीन लाख का इनामी

नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया गिरफ्तार

• लंबे समय से फरार चल रहा था। उस पर 3 लाख रुपये का इनाम भी रखा गया है।

निज संवाददाता | पटना

नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया आखिरकार पकड़ा गया। बिहार पुलिस की एसटीएफ ने उसे पटना से गुरुवार देर रात गिरफ्तार किया। वह बीते कई महीनों से फरार चल रहा था। उस पर बिहार पुलिस ने पिछले दिनों 3 लाख रुपये का इनाम भी रखा था। इससे पहले पेपर लीक केस में मुखिया के बेटे समेत 36 अन्य लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बिहार एसटीएफ और ईओयू की टीम संजीव मुखिया से पूछताछ कर रही है। वह पेपर लीक की मुख्य कड़ी है, इससे पूछताछ के बाद कई अहम खुलासे हो सकते हैं। देश के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए 5 मई 2024 को आयोजित की गई नीट पीजी का पेपर परीक्षा से पहले ही लीक हो गया था। पटना के एक निजी स्कूल में में सॉल्वर गैंग द्वारा कुछ नीट अभ्यर्थियों को परीक्षा से एक दिन पहले पेपर रटवाते हुए पकड़ा गया था। इसके बाद अन्य राज्यों में भी पेपर लीक के मामले सामने आए। बिहार पुलिस की ईओयू ने इस मामले की जांच शुरू की। इसमें कई सॉल्वर और बिचौलियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि संजीव मुखिया नीट पेपर लीक का मुख्य साजिशकर्ता है। मामला उजागर होने के बाद वह फरार हो गया। इस केस की जांच बाद में सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई ने कई लोगों को गिरफ्तार किया, लेकिन मास्टरमाइंड संजीव मुखिया का पता नहीं चल पाया।

बताया जा रहा है कि संजीव मुखिया के पास ही एक प्रोफेसर के जरिए सबसे पहले नीट का पेपर आया था और फिर उसने बिचौलियों के जरिए नीट अभ्यर्थियों से 40-40 लाख रुपये में पेपर की डील की थी। नीट पेपर लीक का किंगपिन संजीव मुखिया मूलरूप से नालंदा जिले के नगरनौसा का रहने वाला है। उसका दूसरा नाम लूटन मुखिया भी है। वह नालंदा के नूरसराय स्थित हॉर्टिकल्चर कॉलेज में तकनीकी सहायक के पद पर तैनात था। नौकरी छोड़कर उसने राजनीति में कदम रखा और पंचायत का मुखिया बन गया। वह बीते कई सालों से परीक्षा में धांधली और पेपर लीक गिरोह से जुड़ा हुआ है। 2016 की सिपाही भर्ती परीक्षा के पेपर लीक में सबसे पहले उसका नाम आया था। इसके बाद वह बीपीएससी शिक्षक बहाली पेपर लीक मामले में जेल भी गया। संजीव मुखिया की पत्नी ममता कुमारी हरनौत विधानसभा से लोजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुकी हैं। उसका बेटा शिव कुमार डॉक्टर है, वो भी पेपर लीक गिरोह से जुड़ा हुआ है। बीपीएससी पेपर लीक मामले में वह जेल में बंद है। बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत अन्य राज्यों में भी पेपर लीक के तार संजीव मुखिया से जुड़े।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने सभी मुख्यमंत्रियों से पाकिस्तानी नागरिकों की सूचना देने को कहा

एजेंसी | नयी दिल्ली

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ चौतरफा कदम उठा रही केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों से उनके यहां पाकिस्तानी नागरिकों की जल्द से जल्द पहचान करने को कहा है जिससे कि उन्हें वापस भेजा जा सके। सूत्रों के अनुसार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात कर उनसे अपने राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करने को कहा है। श्री शाह ने इन लोगों की पहचान कर इन्हें वापस भेजने की कार्रवाई शुरू करने को भी कहा है।

उन्होंने राज्यों से इसकी जानकारी केन्द्र सरकार को भी देने को कहा है जिससे कि पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द किये जा सकें और उन्हें जल्द वापस भेजा जा सके। श्री शाह ने पहलगाम हमले के दिन ही श्रीनगर जाकर हालात का जायजा लिया था और स्थिति की समीक्षा की थी। इसके बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कई स्तर पर कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया था। भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ राजनयिक तथा अन्य स्तर पर कई कदम उठाये हैं। एक बड़े फैसले में भारत ने सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी है और भारत पाकिस्तान सीमा पर स्थित अटारी चौकी को भी बंद कर दिया है। आतंकवादियों ने इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी थी और कई अन्य हमले में घायल हो गये थे।

पाकिस्तानी नागरिकों को जारी वीजा 27 अप्रैल से रद्द

नयी दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले के मद्देनज़र पाकिस्तान के खिलाफ व्यापक निर्णय लेते हुए 27 अप्रैल से सभी मेडिकल वीजा को छोड़कर अन्य श्रेणियों के वीजा रद्द करने का आदेश जारी किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार पाकिस्तानी नागरिकों को दीर्घकालिक, राजनयिक और आधिकारिक वीजा रद्द नहीं किए गए हैं, जबकि मेडिकल वीजा को 29 अप्रैल तक वैध रखते हुए उसे अस्थायी राहत दी गई है। इस कदम की घोषणा ऐसे समय में आई है जब 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले में 26 पर्यटकों की हत्या और दर्जनों यात्री घायल हुए थे।

नालंदा जिले विश्वविद्यालय के भग्नावशेषों का होगा कायापलट

निज संवाददाता। नालंदा

विश्व धरोहर में शामिल प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेषों के संरक्षण और नवीनीकरण कार्यों का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक केके मुहम्मद ने जायजा लिया। इस मौके पर अधीक्षण पुरातत्वविद सुजीत नयन ने उन्हें परिसर में चल रहे नवीनीकरण काम की विस्तृत जानकारी दी। नालंदा विश्वविद्यालय से गहरा भावनात्मक जुड़ाव व्यक्त करते हुए केके मुहम्मद ने कहा की नालंदा की धरती से मेरा पुराना लगाव है। ऐसा लगता है कि यह मेरी जन्मस्थली है। उन्होंने इस प्राचीन शिक्षा केंद्र के इतिहास को याद करते हुए बताया कि यहां विश्वभर के छात्र अध्ययन के लिए आते थे और यह एक आवासीय परिसर था।

उचित मुआवजा और वैकल्पिक व्यवस्था होगी: मुहम्मद ने चिंता व्यक्त की कि अभी तक मात्र 10 प्रतिशत हिस्से का ही उत्खनन हो पाया है, जबकि अधिकांश भाग अभी भी जमीन के नीचे दबा हुआ है। उन्होंने आसपास के क्षेत्रों, विशेषकर बेगमपुर में मिले विश्वविद्यालय के अवशेषों तक खुदाई का विस्तार करने की सिफारिश की। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इससे पहले वहां रहने वाली आबादी को उचित मुआवजा और वैकल्पिक

व्यवस्था प्रदान की जानी चाहिए। पर्यटन सुविधाओं के संबंध में मुहम्मद ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा की प्रवेश और निकास द्वार अलग होने चाहिए। प्रवेश द्वार के पास ही एक व्याख्या केंद्र होना चाहिए जहां पर्यटकों को प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के इतिहास की जानकारी मिले। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि गाइड का पारिश्रमिक टिकट के मूल्य में ही शामिल किया जाए, ताकि हर पर्यटक को पूरी जानकारी मिल सके। अधीक्षण पुरातत्वविद सुजीत नयन ने परियोजना के वित्तीय पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि खंडहर परिसर का विस्तार करने के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु जिला प्रशासन के पास 16 करोड़ रुपये जमा किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए विभाग प्रयासरत है।

दुकानदारों के लिए एक विशेष वेंडिंग जोन बनाने की चल रही है बात: वर्तमान में, विश्व धरोहर देखने आने वाले पर्यटक अपने वाहन सड़क किनारे ही पार्क करते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए, संग्रहालय परिसर के खाली मैदान में बिना स्थाई निर्माण किए पार्किंग व्यवस्था और पुराने टिकट घर परिसर में आधुनिक शौचालय बनाने की योजना विचाराधीन है। इसके अतिरिक्त, दुकानदारों के लिए एक विशेष वेंडिंग जोन बनाने के संबंध में जिला प्रशासन से बातचीत चल रही है। नालंदा विश्वविद्यालय, जिसे 5वीं शताब्दी में स्थापित माना जाता है और जो 12वीं शताब्दी तक कार्यरत था, अपने समय का विश्व का सबसे पुराना आवासीय विश्वविद्यालय था। यह प्राचीन भारत के ज्ञान और शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। विश्व धरोहर सूची में शामिल होने के बाद से, इसके संरक्षण और पुनरुद्धार के प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता और समर्थन मिला है। इन नवीनीकरण कार्यों से न केवल इस ऐतिहासिक स्थल का संरक्षण होगा, बल्कि इससे स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी योगदान होगा।

नालंदा में गोलीबारी, महिला समेत 2 लोग घायल

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में गुरुवार की शाम गोलीबारी हो गई। जिसमें एक युवक और महिला घायल हो गई। घायलों में अवधेश प्रसाद का बेटा संजीत कुमार और किशोर यादव की बेटी फुलवा देवी है। संजीत कुमार को चार गोलियां लगी, जबकि फुलवा देवी को एक गोली लगी है। घायल युवक संजीत कुमार ने कहा कि बड़े भाई की तालाब में कुछ लोग जबरन मछली मार रहे थे। मना करने पर बदमाश उनसे उलझ पड़े। इसी बीच मैं जब गांव की ओर जा रहा था, तभी बदमाशों ने पहले मेरे साथ मारपीट की फिर गोलियां चला दी। मेरे सीने में एक, बाएं हाथ में 2 गोलियां और दाहिने हाथ में एक बुलेट लगी है। मामला मानपुर थाना क्षेत्र के भोजपुर गांव का है।

गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है: फुलवा देवी के परिजन ने बताया कि उनकी जमीन से जबरन बालू उठाव किया जा रहा था। विरोध करने पर गांव के ही बदमाशों ने गोली चला दी। जिसके कारण फुलवा देवी के पैर में गोली लगी।मानपुर थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि तालाब से मछली मारने की विवाद को लेकर गोलीबारी की घटना हुई है। 2 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। जख्मी से पुलिस फर्द बयान लेने के प्रयास में जुट गई है।

सीयूएसबी में औषधि खोज, विकास और वितरण में प्रगति

गया। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस के फार्मेसी विभाग में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत हुई। विषय है—"औषधि खोज, विकास और वितरण में प्रगतिः चुनौतियां और अवसर (एनसीएडी4-2025)"। सम्मेलन का उद्देश्य फार्मास्युटिकल विज्ञान में प्रगति को बढ़ावा देना है। इसमें देशभर से फार्मेसी उद्योग के पेशेवर, शिक्षक, शोधकर्ता और विद्यार्थी शामिल हुए। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। उन्होंने आयोजक विभाग की सराहना की। प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि औषधि खोज और विकास में वैश्विक चुनौतियों का समाधान शिक्षाविदों, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से ही संभव है। इसके बाद विशेषज्ञ सत्र शुरू हुए।

नालंदा में युवक की बेरहमी से पिटाई, पुलिस पर आरोप

नालंदा। नालंदा में चोरी के आरोप में एक युवक की बेरहमी से पिटाई की गई है। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोप दीपनगर पुलिस पर लगा है। पीड़ित शादी समारोह में वीडियोग्राफी का काम करता है। पीड़ित के चाचा के घर 3 दिन पहले चोरी हुई थी। उन्होंने थाने में अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। पीड़ित युवक की पहचान सिपाह निवासी भारत सिंह भारती के पुत्र पंकज कुमार(32) के तौर पर हुई है। पंकज ने बताया कि गुरुवार को सुबह 11 बजे के करीब दीपनगर पुलिस घर पर पहुंची। पूछताछ के बहाने अपने साथ ले गई। इस दौरान मेरा मोबाइल और पासबुक ले लिया।

शरीर पर जख्म के निशान: युवक के साथ मारपीट की घटना से भले ही पुलिस इनकार कर रही है। लेकिन उसके शरीर पर कई जगह जख्म के निशान मिले हैं। दोनों पैर के तलवे सूजे हुए हैं। ब्लड का थक्का भी जमा हुआ है। वहीं, इस संबंध में दीपनगर थानाध्यक्ष जितेंद्र राम का कहना है कि चोरी के संदेह पर युवक को पूछताछ के लिए लाया गया था। पुलिस पर युवक के साथ मारपीट करने का आरोप बेबुनियाद है।

अज्ञात के खिलाफ हुआ था मामला दर्ज: पंकज के चाचा संतोष प्रसाद के बंद घर से 21 अप्रैल की देर रात 10 लाख की चोरी हुई थी। चोरी की जनकारी परिजनों को 22 अप्रैल को मिली थी। संतोष पेश से ड्राइवर है। काम के सिलसिले में बाहर गए थे, जबकि उनकी पत्नी अंजू देवी अपने पिता की पुण्यतिथि पर बच्चे को साथ मायके गई थी। थाने में अंजू ने अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे इंकलाबी छात्र

गया। मगध विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अराजकता और विश्वविद्यालय में छात्र समस्याओं को लेकर इंकलाबी छात्र संगठन ने मगध विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे है। छात्रों का कहना है कि मगध विश्वविद्यालय में छात्र समस्याएं चरम पर पहुंच गई है । आज विश्वविद्यालय में छात्र अपना एक छोटा से काम के लिए महीनो चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोई निवारण नहीं होता है । धरना का संचालन कर रहे हैं इंक़लाब छात्र के संयोजक दीपक कुमार दांगी ने कहा कि मगध विश्वविद्यालय के छात्र अपनी छोटी समस्या को ले कर महीनों चक्कर लगाते हैं। लेकिन समस्या है कि खत्म ही नहीं हो रहा हैं। छात्र अपना अंक प्रमाण पत्र में भी एक छोटा सा सुधार के लिए महीनो का चक्कर लगा रहे हैं, फिर भी उनका अंक प्रमाण पत्र नहीं मिल रहा हैं। न्यू एजुकेशन पॉलिसी के नाम पर शिक्षा में लूट मची हुई है । कॉलेज और विश्वविद्यालय अपनी मनमर्जी अनुसार छात्रों से पैसा वसूल रही है। इंकलाबी छात्र के संरक्षक कमलेश यादव ने छात्रों शिक्षको और आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि उनके आंदोलन का उद्देश्य शांति और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ उठाना है। अनिश्चितकालीन धरना में अनेक छात्र उपस्थित हैं और उनका कहना है कि जब तक हम छात्रों की तमाम मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा, तब तक हम अपना धरना प्रदर्शन जारी रखेंगे।

बिहारशरीफ जिले में मेडिकल शॉप में चोरी

नालंदा। बिहारशरीफ के लहेरी थाना क्षेत्र में चोरों ने मेडिकल शॉप को निशाना बनाया है। वेंटिलेशन तोड़कर देर रात चोर दुकान के अंदर घुसे और काउंटर से 40 हजार कैश ले भागे। लैपटॉप, सीसीटीवी कैमरे का हार्ड डिस्क भी अपने साथ ले गए। पीड़ित संचालक रितेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार सुबह दुकान खोला तो अंदर पूरा सामान बिखरा पड़ा था। हार्ड डिस्क का तार कटा हुआ था। काउंटर से रुपए गायब थे। एक बाई डेढ़ फीट की वेंटिलेशन से दुकान के अंदर चोर घुसे थे।

पुलिस की विफलता से चोरी: चोरी की वारदात रांची रोड और मेहरपर मोहल्ले के मुख्य गेट पर हुआ है।

कार्यालय जिला पशुपालन पदाधिकारी, पलामू।

—: निःशुल्क रैबीज कैम्प का आयोजन :—

सभी कुत्ता पशुलकों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 26.04.2025 को World Veterinary Day के उपलक्ष्य में पशु शल्य चिकित्सालय, सदर मेदिनीनगर के प्रांगण में स्थित पेट क्लीनिक में पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक एक दिवसीय निःशुल्क रैंबीज टीकाकरण कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 3 माह से अधिक उम्र के कुत्तो को रैंबीज टीका दिया जाना है।

अतः आप सभी वैसे इच्छुक पशुपालक जिनके कुत्तों को अभी तक रैंबीज का टीका नहीं दिया गया है उनसे अनुरोध है कि इस निःशुल्क कैम्प में अपने–अपने 3 माह से अधिक उम्र के कुत्तों को रैबीज का टीका दिलाने हेतु पशु शल्य चिकित्सालय के प्रांगण में स्थित पेट क्लीनिक में लाना सुनिश्चित करना चाहेंगे।

निवेदक –
जिला पशुपालन पदाधिकारी,
पलामू।

PR 351041 (Animal Husbandry) 25-26 (D)

कार्यालय नगर परिषद, बिश्रामपुर (पलामू)।

Email Id – nagarpanchayatbishrampur2010@gmail.com

आम–सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 का होल्डिंग टैक्स 30 जून 2025 के पहले जमा करने पर नगर परिषद्, बिश्रामपुर द्वारा करदाताओं को कर (वर्तमान वित्तीय वर्श) में अधिकतम 15% तक की छूट देय है, जो निम्न प्रकार है :–

- ❖ सभी करदाताओं को 5% की छूट।

इसके अतिरिक्त

- ❖ होल्डिंग महिला के नाम होने से 05% की छूट।
- ❖ वरिश्ट नागरिक होने से 05% की छूट।
- ❖ स्वयं कार्यालय में आकर जमा करने पर 2.5% की छूट।
- ❖ भारतीय सेना में काम करने वाले को 05% की छूट।
- ❖ ट्रांसजेन्डर होने पर 05% की छूट।
- ❖ दिव्यांग होने पर 05% की छूट।
- ❖ online (https://udhd.jharkhand.gov.in) जमा करने पर 05% की छूट।

नोट – यह छूट केवल आवासीय धृतियों पर लागू होगी।

साथ ही वैसे लोग नगर परिषद्, बिश्रामपुर अंतर्गत नए/पुराने/प्लॉट/व्यापारी वर्ग/गैर व्यापारी वर्ग जिन्होने अबतक अपने आवासीय/गैर आवासीय भवनों का Holding Tax जमा नही किया है या गलत तरीके से अपने आवासीय/व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का Assessment कराया है या कई वर्षो से Holding Tax की बकाया राशि अबतक जमा नही किया है। वैसे सभी धृतिधारकों निदेशित किया जाता है कि आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 20 दिनों के अंदर गलत तरीके से किये गये Assessment को Reassessment करा लें एवं Trade Licenece/Holding Tax का बकाया नगर परिशद्, बिश्रामपुर के कार्यालय में स्वतः जमा करें, अन्यथा उक्त तिथि बीत जाने के उपरांत स्थलीय निरीक्षण के क्रम में जाँचोपरांत दोशी पाये जाने पर होल्डिंग धारकों पर नियमानुसार अर्थ दण्ड शुल्क की वसूली एवं झारखण्ड अधिनियम 2011 के सुसंगत धाराओं के तहत नगर परिषद्, बिश्रामपुर द्वारा कार्रवाई की जायेगी, जिसके लिए नए/पुराने/प्लॉट/व्यापारी वर्ग/गैर व्यापारी वर्ग/आवासीय एवं गैर आवासीय मकान मालिक स्वयं जिम्मेवार या दोशी माने जायेगें।

प्रशासक,
नगर परिषद, विश्रामपुर

PR 351070 District(25-26)D

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14.

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(आई.टी.आई.सी.ए.टी.)-2025/05 दिनांक- 25.04.2025

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा (ITICAT)-2025
Industrial Training Institute Competitive Admission Test (I.T.I.C.A.T.)-2025

Online आवेदन-पत्र भरने से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

सर्व साधारण एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा-2025 से सम्बन्धित सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(आई.टी.आई.सी.ए.टी.)- 2025/04 दिनांक- 17.04.2025 के अनुसार ITICAT-2025 की परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये Online आवेदन प्राप्त करने हेतु Registration करने की अंतिम तिथि 25.04.2025 निर्धारित है। **छात्रहित में ITICAT-2025 से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियाँ निम्नवत् विस्तारित किया जाता है;**

(i) Online Registration Closing Date : **17.05.2025**
(ii) Last date of payment through Net Banking/ Debit Card/ Credit Card/ UPI after submission of the Online Application Form of Registered Candidate : **18.05.2025**
(iii) Online Editing of Application Form : **19.05.2025 to 20.05.2025**
(iv) Uploading of Online Admit Card : **05.06.2025**
(v) Proposed Date of Examination : **15.06.2025**

(2) दिनांक 18.05.2025 तक पूर्णरूपेण भरे गये आवेदन में यदि किसी अभ्यर्थी के आवेदन के डाटा में कोई त्रुटि रह जाती है तो वे अपने भरे हुए Data को दिये गये उपरोक्त कार्यक्रम अनुसार Edit कर त्रुटि सुधार कर सकते हैं। इसके बाद त्रुटि सुधार का मौका नहीं दिया जायेगा।

(3) उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व प्रकाशित विज्ञापनों की अन्य सभी सूचनाएँ / शर्त्तें यथावत रहेंगी।

(4) सभी सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि परीक्षा से सम्बन्धित अद्यतन जानकारी हेतु पर्षद के website **bceceboard.bihar.gov.in** के सम्पर्क में रहें।

परीक्षा नियंत्रक

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) (कार्यालय, जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा।)

निबंधक, सहयोग समितियाँ, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 825 (6) राँची दिनांक 22.04.2025 के आलोक में क्षेत्राधिकार अंतर्गत MPCS में सदस्यता वृद्धि हेतु गढ़वा जिला में सदस्यता वृद्धि अभियान दिनांक 25.04.2025 से 24.05.2025 तक शिविर आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक परिवार से मात्र एक व्यस्क व्यक्ति को सदस्यता प्रदान किया जाना है।

शिविर के आयोजन से संबंधित कार्यक्रम निम्न प्रकार है:–

क0	शिविर की तिथि	प्रखण्ड का नाम	लेम्पस/पैक्स का नाम	शिविर का स्थान	शिविर में भाग लेने वाले प्रभारी सहकारिता प्रसार पदाधिकारी/वरीय अंकेक्षण पदाधिकारी का नाम	जिला स्तरीय पदाधिकारी
1		2	3	5	6	7
1	25-04-2025	गढ़वा	अंचला पैक्स, बिरबंधा पैक्स, भदुमा पैक्स,	अंचला पैक्स	श्री संजय मिंज	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
2		कांडी	कांडी पैक्स, डुमरसोता पैक्स, लमारीकला पैक्स,	डुमरसोता पैक्स	श्री उदय कमल	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
3		कांडी	राणाडीह पैक्स, शिवपुर पैक्स, खरसोता पैक्स,	राणाडीह पैक्स	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
4		मेराल	विकताम पैक्स, , ओखरगाड़ा पू0 पैक्स, ओखगाड़ा प0 पैक्स,	ओखरगढा पश्चिम पैक्स	मो0 हासिम अंसारी	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
5		मेराल	गोंदा पैक्स, गेरूआ पैक्स, हसनदाग (रेजो पैक्स)	गोंदा पैक्स	मो0 हासिम अंसारी	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
6		मेराल	तेनार पैक्स, पडुआ पैक्स, लोआदाग पैक्स,	तेनार पैक्स	श्रीमती संज्ञा आनन्द	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
7	26-04-2025	डंडई	जरही पैक्स, तसरार पैक्स, झोतर पैक्स, पचौर पैक्स, रारो पैक्स,	जरही पैक्स	काशी प्रसाद	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
8		धुरकी	धुरकी पैक्स, खुटिया पैक्स, खाला पैक्स	धुरकी	श्री परमानन्द सिंह	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
9		गढ़वा	बाना मंशुरिया पैक्स, करूआकला पैक्स	बाना मंसुरिया पैक्स	श्री पासक्ल डुंगडुंग	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
10	28-04-2025	केतार	लोहरगड़ा पैक्स, परसोडीह पैक्स, मुकुन्दपुर पैक्स, पाचाडुमर पैक्स	मुकुन्दपुर पैक्स	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
11		कांडी	चटनिया पैक्स, गरदाहा पैक्स, मझिमॉवा पैक्स,	मझिगावाँ पैक्स	श्री उदय कमल	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
12	29-04-2025	चिनियाँ	चिनियाँ पैक्स, डोल पैक्स, बरवाडीह पैक्स,	चिनियाँ पैक्स	मो0 हासिम अंसारी	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
13		रंका	बाहाहारा पैक्स, माणपुर पैक्स, खपरो पैक्स,	बहाहारा पैक्स	श्री संजय मिंज	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
14		गढ़वा	दुबे मरहटिया, परिहारा पैक्स, मध्या, तिलदाग,	दुबे मरहटिया पैक्स	श्री पासक्ल डुंगडुंग	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
15		धुरकी	टाटीदीरी पैक्स, अम्बाखोरिया पैक्स, गनियारी कला पैक्स	टाटीदीरी पैक्स	श्री परमानन्द सिंह	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
16		खरौंधी	अमरोरा पैक्स, सिसरी पैक्स, आरंगी पैक्स, कृपा पैक्स,	आरंगी पैक्स	श्री काशी प्रसाद	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
17	30-04-2025	केतार	केतार पैक्स, बालीगढ़ पैक्स, परतीकुशवाणी पैक्स	बालीगढ़ पैक्स	श्री उदय कमल	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
18		मेराल	पेशका पैक्स, गेरूआसोती पैक्स, चामा पैक्स	पेशका पैक्स	श्रीमती संज्ञा आनन्द	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
19		रमना	टण्डवा पैक्स, करनपुरा पैक्स, गम्हरिया पैक्स,	करनपुरा पैक्स	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
20	2/5/2025	रमना	रमना पैक्स, सिलिदाग पैक्स, मण्डवानियाँ पैक्स,,	सिलिदाग पैक्स	मो0 हासिम अंसारी	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
21		खरौंधी	खरौंधी पैक्स, सुण्डी पैक्स, राजी पैक्स,	खरौंधी	श्री उदय कमल	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
22		बरडीहा	ओबरा पैक्स, बरडीहा पैक्स, सलगा पैक्स	बरडीहा पैक्स,योगेन्द मेहता का दूकान	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
23		सगमा	सगमा पैक्स, बीरबल पैक्स,	सगमा	श्री काशी प्रसाद	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
24	3/5/2025	भवनाथपुर	अरसली द0 पैक्स, भवनाथपुर पैक्स, चपरी पैक्स	भवनाथपुर पैक्स	श्री परमानन्द सिंह	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
25	6/5/2025	खरौंधी	चॉदनी पैक्स, करवाडीह पैक्स, सिसरी पैक्स	खरौंधी	श्री काशी प्रसाद	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
26		मेराल	करकोमा पैक्स, बाना पैक्स, आरंगी पैक्स, चचरिया पैक्स	करकोमा पैक्स	मो0 हासिम अंसारी	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
27		मेराल	मेराल पू0 पैक्स, मेराल प0 पैक्स, संगबरिया पैक्स	संगबरिया पैक्स	श्रीमती संज्ञा आनन्द	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
28		रमकंडा	चेटे पैक्स, विराजपुर पैक्स, बलिगढ़ पैक्स, हरहे पैक्स	बलिगढ पैक्स	श्री पासक्ल डुंगडुंग	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
29	6/5/2025	बड़गड़	बड़गड़ लैम्पस, टेहरी लैम्पस, परसवार लैम्पस, मदगड़ी (च) लैम्पस	टेहरी लैम्पस	श्री संजय मिंज	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
30		कांडी	पतरिया पैक्स, पतिला पैक्स, बलियारी पैक्स	पतिला पैक्स	श्री उदय कमल	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
31		विशुनपुरा	विशुनपुरा पैक्स, अमहरखास पैक्स	विशुनपुरा पैक्स	श्री परमानन्द सिंह	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
32	7/5/2025	मझिआंव	पुरहे पैक्स, करूई पैक्स, सोनपुरवा पैक्स, बोदरा पैक्स	टडहे पंचायत भवन	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
33	8/5/2025	विशुनपुरा	पिपरी कला पैक्स, पतिहारी पैक्स, सारंग पैक्स	पिपरी कला पैक्स	श्री परमानन्द सिंह	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
34		चिनियाँ	हेताड़कला पैक्स, रणपुरा पैक्स, बिलैतीखैर पैक्स,	बिलैतीखैर पैक्स	श्रीमती संज्ञा आनन्द	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
35		कांडी	हरिहरपुर पैक्स, घटहुआ पैक्स,	घटहुआ पैक्स	श्री उदय कमल	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
36		सगमा	सोनडीहा पैक्स, कटहरकला पैक्स,	सोनडीहा पैक्स	श्री काशी प्रसाद	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
37		गढ़वा	संग्रकला पैक्स, प्रतापपुर पैक्स	संग्रहकला पैक्स	श्री संजय मिंज	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
38	9/5/2025	मेराल	पेशका पैक्स, गेरूआसोती पैक्स, चामा पैक्स	पेशका पैक्स	मो0 हासिम अंसारी	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
39	13/5/2025	नगरउटारी	नगरउटारी पैक्स, अघौरा भोजपुर पैक्स,	अघौरा भोजपुर पैक्स	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
40		नगरउटारी	पिपरडीह पैक्स, चितविश्रामपुर पैक्स,	चितविश्राम पैक्स	श्री परमानन्द सिंह	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
41		रंका	भौरी पैक्स, चुतरू पैक्स, बेलमादामर पैक्स,	भौंरी पैक्स (गोदरमाना हाई स्कूल के पास समुदायिक भवन में)	श्री काशी प्रसाद	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
42	14-05-2025	रमना	हरदागकला पैक्स, भागोडीह पैक्स	भागोडीह पैक्स	मो0 हासिम अंसारी	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
43		रंका	तमगेकला पैक्स, कंचनपुर पैक्स, रंका पैक्स, खरडीहा पैक्स	रंका पैक्स	श्री संजय मिंज	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
44		धुरकी	भण्डार पैक्स, रक्सी पैक्स	रकसी	श्री परमानन्द सिंह	जिला सहकारिता
45		बरडीहा	जतरो बंजारी पैक्स,सुखनदी पैक्स एवं आदर एम0पी0सी0एस0	आदर पंचायत भवन	श्री काशी प्रसाद	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
46	15-05-2025	गढ़वा	फरहटिया पैक्स, उड़सुंगी पैक्स, बेलचम्पा पैक्स,	फरहटिया पैक्स	श्रीमती संज्ञा आनन्द	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
47		भवनाथपुर	सिंदुरिया पैक्स, मकरी पैक्स	मकरी पैक्स	श्री उदय कमल	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
48	16-05-2025	रमकंडा	रमकंडा पैक्स, रक्सी पैक्स, उदयपुर पैक्स,	रमकंडा पैक्स	श्री संजय मिंज	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
49		मझिआंव	खरसोता पैक्स,मोरवे पैक्स	मोरवे पंचायत भवन	श्री काशी प्रसाद	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
50		भण्डरिया	बिजका लैम्पस, मदगड़ी क लैम्पस, पार्ट लैम्पस	मदगड़ी (क) लैम्पस	श्री पासक्ल डुंगडुंग	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
51		नगरउटारी	गरबांध पैक्स जंगीपुर पैक्स, पाल्हेकला पैक्स	गरबांध पैक्स	श्री परमानन्द सिंह	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
52		नगरउटारी	हलिवंता पैक्स, कुम्बाखुर्द पैक्स, पुरैनी पैक्स, विलासपुर पैक्स	हलिवंता पैक्स	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
53	17-05-2025	गढ़वा	कल्याणपुर पैक्स, छतरपुर पैक्स, चिरौंजिया पैक्स,	कल्याणपुर पैक्स	श्रीमती संज्ञा आनन्द	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
54		रंका	विश्रामपुर पैक्स,कटरा पैक्स, सेवाडीह पैक्स	सेवाडीह पैक्स	मो0 हासिम अंसारी	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
55	20-05-2025	भण्डरिया	भण्डरिया लैम्पस, जनेवा लैम्पस,करचाली लैम्पस,	भण्डरिया लैम्पस	श्री संजय मिंज	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
56		डण्डा	डण्डा पैक्स, भिखही पैक्स, छपरदगा पैक्स	भिखही पैक्स	श्री काशी प्रसाद	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
57		कांडी	गाड़ाखुर्द पैक्स, खरौंधा पैक्स	गाडाखुर्द पैक्स	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
58		नगरउटारी	कुशदण्ड पैक्स, अहिरपुरवा पैक्स	अहिरपुरवा पैक्स	श्री परमानन्द सिंह	जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा
59	22-05-2025	मझिआंव	रामपुर पैक्स,करमडीह पैक्स ,मझिआंव कला पैक्स, तलसबरिया पैक्स	करमडीह पैक्स	श्री संजय मिंज	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
60		रमना	बाहियारकला पैक्स, बाहियारखुर्द पैक्स,बुल्का एम0पी0सी0एस0	बाहियारकला पैक्स	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
61	24-05-2025	गढ़वा	जाटा पैक्स, ओबरा पैक्स	जाटा पैक्स	श्री संजय मिंज	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा
62		डंडई	सोनेहरा पैक्स, डंडई पैक्स, करके पैक्स, लवाहीकला पैक्स,	डंडई पैक्स	श्री अनमोल भेंगरा	अनुमण्डल अंकेक्षण पदाधिकारी, गढ़वा

सदस्यता ग्रहण करने हेतु समिति के अध्यक्ष/प्रबंधकारिणी को (प्रपत्र–v) में आवेदन करते हुए 10 रूपये सदस्यता शूल्क तथा 100 रूपये हिस्सा पुंजी मद में कुल–110 रूपये जमा करना होगा। समिति के द्वारा 15 दिनों के अन्दर नये सदस्यों को सदस्यता प्रदान कर दी जायेगी। यदि समिति के अध्यक्ष द्वारा सदस्य बनाने में कोताही बरती जाती है तो योग्य व्यक्ति जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा/सहायक निबंधक, सहयोग समिति, गढ़वा अंचल, गढ़वा के कार्यालय में आवेदन पत्र (प्रपत्र–v) तथा अपने फोटोयुक्त पहचान पत्र (आधार कार्ड) छायाप्रति समर्पित करेंगे।

जिला सहकारिता पदाधिकारी,
गढ़वा।

PR 351071 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 25-26 (D)

डीएम की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की अहम बैठक कानून-व्यवस्था से लेकर शराबबंदी तक हुई चर्चा

निज संवाददाता | नवादा

समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिले से संबंधित कई गंभीर और जरूरी मसलों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से विधि-व्यवस्था, मद्य निषेध, अवैध खनन, भूमि विवादों का समाधान, बाल श्रम का उन्मूलन और किशोर श्रमिकों पर रोकथाम जैसे विषयों पर गहन समीक्षा की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में शांति, व्यवस्था और विकास की गति को बेहतर बनाए रखना था। बैठक के दौरान जिला खनन पदाधिकारी ने वर्ष 2024-25 में खनन मद से हुए राजस्व की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 11,174.18 लाख था, जिसके विरुद्ध अब तक 11,034.72 लाख की राजस्व प्राप्ति दर्ज की जा चुकी है। इस आंकड़े को देखते हुए जिलाधिकारी ने संतोष तो जताया, लेकिन साथ ही उन्होंने खनन क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने का सख्त निर्देश भी अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन, अवैध परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी और कार्रवाई जरूरी है, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और राजस्व की क्षति भी न हो। बैठक में मद्य निषेध के मुद्दे पर भी गंभीरता से विचार किया गया। जिलाधिकारी ने मोटरयान निरीक्षक मोहम्मद यूसुफ को यह निर्देश दिया कि जब्त वाहनों के मूल्यांकन की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने 1190 वाहनों के नीलामी के लिए लंबित रहने पर नाराज़गी जताई और जल्द से जल्द इस दिशा में ठोस कदम उठाने को कहा। मोटरयान निरीक्षक ने जानकारी दी कि संबंधित थानाध्यक्षों को आवश्यक पत्र भेज दिए गए हैं, ताकि वाहन निरीक्षण की प्रक्रिया को गति मिल सके। जिलाधिकारी ने सीमा पार से हो रही शराब तस्करी को लेकर विशेष चिंता व्यक्त की और उत्पाद अधीक्षक को निर्देशित किया कि तस्करी की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संवेदनशील मार्गों की विशेष निगरानी की जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि जब्त की गई 24,491 लीटर शराब, जो अब तक नष्ट नहीं की गई है, उसके विनष्टीकरण की प्रक्रिया को जल्द पूरा किया जाए ताकि अदालतों और पुलिस थानों पर बोझ कम हो और अवैध शराब से जुड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। इस बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। इनमें नवादा सदर के अनुमंडल पदाधिकारी अखिलेश कुमार, यातायात के पुलिस उपाधीक्षक ऋषभ शिवरंजन, उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा और जिला खनन पदाधिकारी प्रत्यय अमन प्रमुख रूप से शामिल थे। सभी अधिकारियों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी और जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन भी दिया। बैठक की समाप्ति पर जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने और प्रत्येक विभागीय गतिविधि पर सतत निगरानी रखने का निर्देश दिया, ताकि नवादा जिले में कानून व्यवस्था के साथ-साथ विकास की गति भी निरंतर बनी रहे।

डीएम ने बस मालिकों और संचालकों के साथ की अहम बैठक, परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने पर दिया जोर

निज संवाददाता | नवादा

जिला समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिलाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जिले के समस्त बस मालिकों एवं बस संचालकों के साथ की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य जिले में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाना था। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नवादा जिले में संचालित सभी बसें अब केवल बुधौल स्थित अधिकृत बस स्टैंड से ही चलेंगी। यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि यातायात व्यवस्था को अनावश्यक भीड़भाड़ और अराजकता से मुक्त किया जा सके और यात्रियों को एक सुरक्षित, सुविधाजनक तथा नियमबद्ध यात्रा अनुभव मिल सके। बैठक में बस संचालकों ने भी कई जरूरी मुद्दे जिला प्रशासन के समक्ष रखे। उनका प्रमुख आग्रह था कि ई-रिक्शा और ऑटो चालकों पर सख्त नियंत्रण लगाया जाए। बस संचालकों ने बताया कि जिले में बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक बिना लाइसेंस या वैध परमिट के चल रहे हैं। वे ना केवल यातायात नियमों की अनदेखी करते हैं, बल्कि एक प्रखंड से दूसरे प्रखंड तक 30 से 40 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करते हुए यात्रियों को अनधिकृत रूप से ले जाते हैं, जिससे न केवल बस सेवा पर असर पड़ता है, बल्कि सड़क सुरक्षा की दृष्टि से भी यह गंभीर विषय बन चुका है। संचालकों द्वारा यह भी बताया गया कि बीएसआरटीसी की बसों को संचालित करने के लिए उपयुक्त स्थान निर्धारित नहीं है, जिससे उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, बस पार्किंग शुल्क को लेकर भी शिकायतें सामने आईं। संचालकों का कहना था कि तय दर से अधिक शुल्क वसूला जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से नुकसान झेलना पड़ता है। इन सभी शिकायतों और सुझावों को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। अनुमंडल पदाधिकारी, नवादा सदर और जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे संबंधित थानों के माध्यम से जिले में चल रहे सभी ई-रिक्शा और ऑटो चालकों का पंजीकरण कराएं और उनके परिचालन की निश्चित सीमा निर्धारित करें, ताकि वे बस सेवाओं के कार्यक्षेत्र में अनावश्यक हस्तक्षेप न कर सकें।

साथ ही नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि जिले के सभी बस स्टैंडों पर विभिन्न श्रेणियों की बसों के लिए निर्धारित पार्किंग शुल्क का चार्ट सार्वजनिक रूप से चस्पा किया जाए और उसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि प्रत्येक बस स्टैंड पर सुलभ शौचालय, स्वच्छता और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके लिए अपर जिला परिवहन पदाधिकारी को विशेष रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है। जिलाधिकारी ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि कोई भी बस मालिक या संचालक इन निर्देशों का उल्लंघन करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इसमें बस का परमिट रद्द करना, भारी जुर्माना लगाना तथा आवश्यकता पड़ने पर कानूनी कार्रवाई भी शामिल होगी। अंत में सभी बस संचालकों से यह अपील की गई कि वे सरकारी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करें और बसों का संचालन केवल निर्धारित स्थल यानी बुधौल बस स्टैंड से ही करें। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी अखिलेश कुमार, यातायात पुलिस उपाधीक्षक ऋषभ शिवरंजन, अपर जिला परिवहन पदाधिकारी नवेंदू शेखर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने की बात दोहराई गई और परिवहन व्यवस्था में सुधार की दिशा में इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

आवास सहायक के आकस्मिक मौत पर बीडीओ की अध्यक्षता में शोक सभा का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

रजौली प्रखंड के सवैयाटांड़ पंचायत में कार्यरत आवास सहायक कुंदन कुमार की आकस्मिक मृत्यु के बाद शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव झा ने की। पूरे माहौल में गमगीन चुप्पी और संवेदनाओं की बयार महसूस की गई। इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि रविन्द्र कुमार उर्फ बब्लू यादव, आवास पर्यवेक्षक चंदन कुमार समेत कई अन्य कर्मी और अधिकारीगण उपस्थित थे। बीडीओ संजीव झा ने बताया कि दिवंगत कुंदन कुमार ने लगभग एक वर्ष पूर्व प्रखंड में आवास सहायक के रूप में योगदान दिया था। नियुक्ति के बाद उन्हें सवैयाटांड़ पंचायत में आवंटित किया गया, जहाँ वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कुंदन कुमार कुछ समय पूर्व अस्वस्थ हो गए थे और गंभीर बीमारी से ग्रसित होने के बाद उत्तर प्रदेश के वाराणसी और दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में उनका इलाज चल रहा था। चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद बुधवार की संध्या को उन्होंने अंतिम सांस ली, जिससे प्रखंड प्रशासन और कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत कुंदन कुमार अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं, जिनका भविष्य अब असहाय प्रतीत हो रहा है। बीडीओ ने बताया कि प्रखंड परिवार इस असमय मृत्यु से स्तब्ध है और सभी कर्मी उनके निधन को व्यक्तिगत क्षति मानते हैं।

शोक सभा के दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया और समवेत स्वर में ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वह उनके परिवार को इस असीम दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। बीडीओ ने यह भी आश्वस्त किया कि दिवंगत कर्मी के परिजनों को विभागीय स्तर पर जो भी सहायता और लाभ मिल सकते हैं, उसकी प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी और पीड़ित परिवार को यथासंभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्रवाई के तहत अनुकंपा के आधार पर नियोजन या अन्य लाभों को सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि कुंदन कुमार के परिवार को जीवन यापन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। इस पूरे मौके पर प्रखंड कार्यालय का माहौल अत्यंत भावुक रहा और सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने साथी की इस असमय विदाई से बेहद दुखी नजर आए। दिवंगत आवास सहायक के कर्मठता, सज्जनता और समर्पण को याद करते हुए सभी ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया और यह संकल्प लिया कि उनकी स्मृति को हमेशा सम्मानपूर्वक जीवित रखा जाएगा।

घर से भगाई गई युवती को पुलिस ने पांच दिनों में किया बरामद

नवादा (नि.सं.)। नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र से एक युवती के लापता होने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पांच दिनों तक सतत प्रयास और सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने युवती को गया जिले के गुरपा थाना क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया। युवती की बरामदगी के बाद परिजनों में राहत की भावना देखी गई, वहीं पुलिस की सक्रियता की भी सराहना हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रजौली थाना अंतर्गत खुशियाली भित्ता गांव की रहने वाली एक युवती 15 अप्रैल की सुबह करीब 7:30 बजे घर से यह कहकर निकली थी कि वह टेस्ट देने जा रही है। परंतु दिन भर बीत जाने के बाद जब वह वापस घर नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता सताने लगी। उन्होंने खुद से खोजबीन शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अंततः 20 अप्रैल को युवती की मां ने रजौली थाने में एक लिखित आवेदन देकर बेटी के गायब होने की सूचना दी। लिखित शिकायत में युवती की मां ने आशंका जताई कि उनकी बेटी का संपर्क गया जिले के गुरपा थाना क्षेत्र के बसुआ गांव निवासी कुलेशर यादव के बेटे राजेश कुमार उर्फ रॉकी कुमार से मोबाइल के माध्यम से था और उसी ने उसे बहला-फुसलाकर भगाया है। मां की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के क्रम में रजौली थाना पुलिस ने जब गुरपा थाना से संपर्क साधा तो वहां से सूचना मिली कि युवती को गुरपा पुलिस ने बरामद कर लिया है। इसके बाद रजौली थाना में पदस्थापित एएसआई पवन कुमार पुलिस बल के साथ गुरपा पहुंचे और युवती को अपने कब्जे में लेकर रजौली थाने वापस लाया गया। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने जानकारी दी कि युवती को बरामद कर उससे पूछताछ की गई है और स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे शुक्रवार को न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेजा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि युवती के बयान दर्ज होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आरोपी युवक के खिलाफ भी जांच तेज कर दी गई है। इस पूरी घटना में पुलिस की तत्परता और सजगता ने एक संभावित गंभीर अपराध को समय रहते रोकने में सफलता हासिल की है। युवती की सकुशल बरामदगी के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली है और पुलिस का आभार भी जताया है।

महादलित टोलों में आज लगेगा एससी-एसटी विशेष विकास शिविर, 22 योजनाओं से जुड़ेंगे ग्रामीण

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

रजौली में शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के आठ पंचायतों के आठ महादलित टोलों में विशेष एससी-एसटी विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव झा कर रहे हैं, जिसमें ग्रामीणों को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे तौर पर दिलाना है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें और उनका सामाजिक तथा आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सके। बीडीओ संजीव झा ने बताया कि माइक्रो प्लान के तहत प्रत्येक पंचायत में एक विशेष टीम का गठन किया गया है, जो शिविर के संचालन और लाभुकों के पंजीकरण का कार्य देखेगी। शिविर के तहत जिन महादलित टोलों में यह आयोजन किया जा रहा है, उनमें फरका बुजुर्ग पंचायत के चमर बिगहा गांव, अमावां पूर्वी के बंधन छपरा, लेंगुरा के धमौल, अंधरवारी के करहरा, बहादुरपुर के करिगांव, अमावां पश्चिमी के कैरिखाप, धमनी के धमनी टांड़पर और मुरहेना पंचायत के चमोथा गांव शामिल हैं।

सभी जगहों पर शिविर आंगनबाड़ी केंद्र या प्राथमिक विद्यालयों में आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक शिविर स्थल पर अलग-अलग विभागों के पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। फरका बुजुर्ग में बीसीओ राजकमल भारती, अमावां पूर्वी में बीसीओ राकेश कुमार, लेंगुरा में आवास पर्यवेक्षक चंदन कुमार, अंधरवारी में जीविका बीपीएम मनीष कुमार, बहादुरपुर में एमओ राजेश कुमार गुप्ता, अमावां पश्चिमी में मनरेगा पीओ नीरज कुमार त्रिवेदी, धमनी में प्रखंड उद्यान पदाधिकारी नवीन कुमार और मुरहेना में पंचायतीराज के कनीय अभियंता शंकर कुमार उपस्थित रहेंगे। बीडीओ ने बताया कि शिविर में ग्रामीण महिलाएं एवं पुरुष अपने आधार कार्ड के साथ पहुंचकर लाभ ले सकेंगे। शिविर में कुल 22 योजनाओं के तहत पात्र लाभुकों को जागरूक किया जाएगा और उन्हें योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इन योजनाओं में राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना, आधार पंजीकरण, नल-जल योजना, मनरेगा, शिक्षा, आंगनबाड़ी, जीविका, आवास योजना सहित अन्य प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाएं शामिल हैं।

पाली पंचायत में पूर्व विधायक का जनसम्पर्क अभियान जारी

कौआकोल (नवादा) (नि. सं.)। पूर्व विधायक पूर्णिमा यादव के समर्थन में चुनावी मैदान में उतरे उनके पति व पूर्व विधायक कौशल यादव का गोविंदपुर विधानसभा सभा के कौआकोल प्रखण्ड में तूफानी दौरा लगातार चौथे दिन जारी रहा। जनसम्पर्क अभियान के चौथे दिन पूर्व विधायक कौशल यादव ने प्रखण्ड के पाली पंचायत के पाली,गोला बाजार,ओखरिया,कटनी आदि विभिन्न गांवों में डोर टू डोर सम्पर्क अभियान चलाकर लोगों से पूर्णिमा यादव के समर्थन में अगले चुनाव में मतदान करने की अपील की। पूर्व विधायक ने कहा कि गोविंदपुर विधानसभा के लोगों का मैं और मेरा पूरा परिवार शुरु से ऋणी रहा हूँ। यहां के एक-एक व्यक्ति के साथ उनका पारिवारिक सम्बन्ध हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ गलतियों के वजह से उन्हें पिछले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट में मशाल के तहत खेलकूद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

कौआकोल प्रखंड अंतर्गत बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट में शुक्रवार को मशाल कार्यक्रम के तहत खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुशील कुमार, एमडीएम प्रभारी संजय कुमार पासवान एवं विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम को लेकर विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और छात्र-छात्राओं में गजब का उत्साह देखा गया। शुभारंभ के अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि मशाल कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं की छुपी हुई प्रतिभा को उजागर करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों में आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है, साथ ही राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले खिलाड़ियों की पहचान भी होती है। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार ने जानकारी दी कि शुक्रवार को कबड्डी, दौड़ और ऊंची कूद जैसी खेल प्रतियोगिताएं कराई गईं, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकगणों ने भरपूर सहयोग किया। इस दौरान सहायक शिक्षक सुरेंद्र नारायण, संदीप कुमार, आराधना कुमारी, नसीम कौसर, राजीव रंजन, ओमप्रकाश कुमार, आरती कुमारी समेत अन्य शिक्षकों की उपस्थिति सराहनीय रही। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बीईओ सुशील कुमार ने बताया कि मशाल कार्यक्रम के तहत प्रखंड के 15 माध्यमिक एवं 50 मध्य विद्यालयों में खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को खेल के क्षेत्र में आगे लाना और उन्हें एक बड़ा मंच देना है। विद्यालय परिसर में बच्चों के चेहरे पर उत्साह और मुस्कान यह दर्शा रही थी कि इस तरह के आयोजनों से उन्हें नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के अंत में विजयी खिलाड़ियों को आगामी स्तर पर चयनित करने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई।

लू से बचने हेतु कला जत्था के द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

नारदीगंज में जहां रौशनी ग्रुप कला जत्था बिहटा, पटना के कलाकारों ने शुक्रवार को लू से बचाव के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया और लोगों को जागरूक किया। यह कार्यक्रम आपदा विभाग के माध्यम से चलाया जा रहा है, और इसके तहत विभिन्न क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लू के खतरे और उससे बचाव के उपायों पर जानकारी दी गई। कला जत्था की टीम लीडर मो. नसीम उद्दिन के नेतृत्व में कलाकारों ने नारदीगंज के अस्थायी बस स्टैंड, वनगंगा और बस्ती बिगहा बाजार में नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इस कार्यक्रम में कलाकार अजीत, श्रीनाथ, अमजद, अर्जुन, शहजाद, अमृता, जाह्न्वी, संतोष समेत अन्य कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और नाटक के माध्यम से लोगों को लू से बचने के उपायों की जानकारी दी। कलाकारों ने यह संदेश दिया कि गर्मी और लू से बचने के लिए कुछ खास एहतियात बरतना जरूरी है। उन्होंने लोगों से कहा कि गर्मी और लू के बीच दोपहरी में बाहर जाने से बचें। साथ ही, बाहर निकलने से पहले हमेशा माथे पर तौलिया या गमछा रखें और खूब पानी पियें। खाली पेट बाहर न जाएं और दही, मठ्ठा, खीरा, तरबूज, गन्ने का जूस, लस्सी जैसे ठंडे और तरल पदार्थों का सेवन करें। नुक्कड़ नाटक के दौरान कलाकारों ने लू लगने की पहचान के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि लू लगने की स्थिति में शरीर का तापमान बढ़ जाता है, पेट में दर्द, चक्कर और उल्टी की समस्या शुरू हो जाती है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को ठंडी जगह पर लिटाकर, उसके शरीर और माथे को पानी से पोंछना चाहिए। यदि तापमान में कमी नहीं आती है तो तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए जाना चाहिए। यह कार्यक्रम सीओ के निर्देशानुसार आयोजित किया गया और इसका उद्देश्य लोगों को लू जैसी प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए सही जानकारी देना था। कला जत्था के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से न केवल मनोरंजन किया, बल्कि समाज में जागरूकता भी फैलाई। इस अभियान का उद्देश्य गर्मी के मौसम में नागरिकों को लू से बचने के सही तरीके बताना और उन्हें सतर्क करना था, ताकि वे इस मौसम में स्वस्थ रह सकें।

बियर के साथ युवक गिरफ्तार

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद बलों ने एक यात्री बस पर सवार युवक को तीन केन बियर के साथ गिरफ्तार किया। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि बिहार मद्यनिषेध को लेकर जांच चौकी पर झारखंड की ओर से प्रत्येक वाहनों की सघन जांच उत्पाद बलों के द्वारा की जाती है, जिसका नेतृत्व उत्पाद एसआई राजेश कुमार पटेल के द्वारा किया जा रहा है। बस संख्या बीआर06पीई8151 पर सवार एक युवक के पास से 500 एमएल वाले तीन केन बियर बरामद किया।

आतंकी हमले में मृत पर्यटको को दी गयी श्रद्धांजलि

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

नवादा जिले के नारदीगंज स्थित पेंशनर भवन में शुक्रवार को एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए 28 पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक सभा की अध्यक्षता पेंशनर समाज के प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद ने की। इस अवसर पर सभा में उपस्थित सभी पेंशनरों ने दो मिनट का मौन रखकर उन पर्यटकों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सभा में मौजूद लोगों की आंखों में गहरा दुख था और उन्होंने इस दुखद घटना को लेकर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। इसके अलावा, जिन पर्यटकों को इस हमले में चोटें आई हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की गई। पेंशनरों ने इस हमले को कड़ी निंदा करते हुए भारत सरकार से पाकिस्तान के आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सभा में यह भी कहा गया कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में देश की नागरिकों को इस तरह के हमलों का सामना न करना पड़े। शोक सभा में पेंशनर समाज के सचिव श्रीकांत सिंह, यमुना सिंह, कमाता प्रसाद सिंह, रामशरण सिंह, दशरथ प्रसाद, छोटे लाल प्रसाद, रामाधीन सिंह, रघुनंदन प्रसाद सहित अन्य पेंशनर भी उपस्थित थे। सभी ने दुख प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने का संकल्प लिया।

नवादा के युवाओं को 10-12 हजार की नौकरी के लिए घर-परिवार छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा : प्रशांत किशोर

निज संवाददाता | नवादा

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जन सुराज उद्घोष यात्रा के तहत नवादा पहुंचे। इस दौरान उनका स्वागत विभिन्न स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों ने किया, जिसमें पकड़ी बरवा चौक, बाघी बरडीहा मोड़, रोह मोड़, प्रजातंत्र चौक, भगत सिंह चौक, धर्मशिला मोड़, सद्भावना चौक और हिसुआ मोड़ प्रमुख थे। नवादा पहुंचने के बाद प्रशांत किशोर ने हिसुआ प्रखंड के जीवन पब्लिक स्कूल मैदान में आयोजित एक जनसभा को संबोधित किया, जहां हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। जनसभा में प्रशांत किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में इस बार छठ के बाद युवाओं को रोजगार के लिए घर-परिवार छोड़कर बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्हें राज्य में ही 10-12 हजार रुपये तक की नौकरी मिलेगी, जिससे वे अपने घर पर रहकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में अभी जो स्थिति है, उसमें युवाओं को रोजगार के लिए राज्य छोड़कर अन्य राज्यों का रुख करना पड़ता है, लेकिन अब यह स्थिति बदलने वाली है। प्रशांत किशोर ने जनसभा में बिहार के वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिकारी और नेता राशन कार्ड बनाने से लेकर जमीन की रसीद कटाने तक के लिए रिश्वत ले रहे हैं, जिससे आम लोग काफी परेशान हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि अगली बार वोट लालू, नीतीश और मोदी के चेहरों पर नहीं, बल्कि अपने बच्चों के चेहरे को देखकर दें। उन्होंने हिसुआ की जनता से यह भी अपील की कि वे उन नेताओं को वोट न दें, जो सिर्फ उनका शोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगली बार जब चुनाव हो, तो वोट अपने बच्चों के भविष्य के लिए दें और बिहार में सचमुच जनता का राज स्थापित करें। प्रशांत किशोर ने अपनी योजनाओं और दृष्टिकोण से नवादा की जनता को एक नई उम्मीद देने की कोशिश की और यह संदेश दिया कि बदलाव संभव है, यदि जनता एकजुट होकर सही दिशा में काम करे।

अज्ञात बदमाशों ने वृद्ध को पीट-पीटकर किया अधमरा

कौआकोल (नवादा) (नि. सं.)। कौआकोल थाना क्षेत्र के जोरावरडीह गांव में गुरुवार की देर रात्रि एक वृद्ध व्यक्ति की अज्ञात बदमाशों द्वारा पीट-पीटकर अधमरा कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय ग्रामीण व पंचायत समिति सदस्य सह कौआकोल उप प्रमुख अनन्त कुमार उर्फ नवीन यादव ने बताया कि गुरुवार की रात्रि अज्ञात बदमाशों ने सुप्तावस्था में लगभग 70 वर्षीय गंगा यादव उर्फ गोनी यादव की जबरदस्त पिटाई कर दिया। जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। गंभीर हालत में वृद्ध को ईलाज के लिए स्वजनों द्वारा कौआकोल पीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद वृद्ध को नवादा रेफर कर दिया गया। स्वजनों के अनुसार समाचार प्रेषण तक वृद्ध व्यक्ति का ईलाज पटना में चल रहा है।

नारदीगंज के विद्यालयों में खेल प्रतियोगिता का आयोजन

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

नवादा जिले के नारदीगंज में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्देशानुसार मसाला कार्यक्रम के तहत विभिन्न विद्यालयों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 25 से 27 अप्रैल 2025 तक चलेगा, जिसमें प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में खेल के प्रति रुचि बढ़ाना और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहन देना है। इस प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर चयनित बच्चों को पहले संकुल स्तर पर भेजा जाएगा, जहां से पुनः चयन होने के बाद प्रखंड स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रखंड स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को जिला स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इस प्रक्रिया में जो भी खिलाड़ी हर स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करेंगे, उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा। बीईओ दीपक सक्सेना और प्रखंड लेखापाल संजीव रंजन ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि इस खेल कार्यक्रम से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और उन्हें राज्यस्तरीय खेलों में भाग लेने की प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। इसी क्रम में नारदीगंज प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में उत्साहपूर्वक खेल आयोजन किया गया। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कहुआरा में प्राचार्य सुमन कुमार और शारीरिक शिक्षक शाहिल कुमार की देखरेख में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहीं नेहरू स्मारक इंटर विद्यालय नारपुर पकड़िया में प्राचार्य शत्रुघ्न कुमार और शारीरिक शिक्षक हरेन्द्र प्रसाद के मार्गदर्शन में खेल हुए। इंटर विद्यालय नारदीगंज में प्रभारी प्राचार्य कृष्णकांत ईचा उर्फ गुड्डू की निगरानी में और उच्च माध्यमिक विद्यालय हंडिया में प्राचार्य मनोज कुमार झा समेत अन्य शिक्षकों की देखरेख में खेल कार्यक्रम संपन्न हुआ। खेल आयोजन के दौरान विद्यालयों के खेल मैदानों में कबड्डी, साइकिल रेस, 100 मीटर दौड़, गोला फेंक, रस्सी कूद सहित अन्य खेलों का आयोजन किया गया। इन खेलों में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कहुआरा विद्यालय के छात्र अभिराज, आशीष, सुमित, अनीश, शिवानी, सलोनी, अन्नू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा को निखारा। वहीं नारपुर पकड़िया विद्यालय के सिमरन, अंशु, सोहित, रानी, मधु, प्रिंस समेत कई अन्य बच्चों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और शिक्षकों ने भी बच्चों को उत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस आयोजन से यह स्पष्ट हो गया कि नारदीगंज प्रखंड के विद्यालयों में न सिर्फ शैक्षणिक विकास बल्कि खेल गतिविधियों को भी बराबर महत्व दिया जा रहा है, जिससे बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ रहकर सामाजिक और मानसिक रूप से भी सशक्त बन सकें।

संक्षिप्त समाचार

पाक हमले के विरोध सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग

आरा। कश्मीर के पहलगाम में हिंदू श्रद्धालुओं पर हुए आतंकी हमले के विरोध में हिंदू जागरण मंच भोजपुर ने गोपाली चौक पर पाकिस्तान और उसकी सरकार का पुतला जलाया। कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा। मंच ने भारत सरकार के फैसलों की सराहना की और मांग की कि ऐसी कार्रवाई हो जिससे पाकिस्तान दोबारा ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे। हिंदू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिन्हा के आवास पर बैठक हुई। इसमें मंच के प्रदेश सह संयोजक सोना लाल, सह संयोजक अरुण कुमार, दिलीप सिन्हा, विशाल सिंह, विजय हिंदू, आकाश सोनी, विक्की सिंह आजाद, नगर संयोजक मोहन समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। सुरेंद्र सिन्हा ने कहा कि सरकार की पहली योजना से साफ है कि पाकिस्तान को पहले ही चेतावनी मिल चुकी है। उन्होंने मांग की कि जिन पाकिस्तानी नागरिकों को वीजा दिया गया है, उन्हें 48 घंटे में भारत छोड़ने का आदेश दिया जाए। हॉलीवुड और बॉलीवुड में काम करने वाले, पढ़ाई करने वाले और रिश्तेदारों से मिलने आए पाकिस्तानी नागरिकों को भी जल्द वापस भेजा जाए। उन्होंने कहा कि सिंधु जल समझौते पर भी अब विराम लगाया जाए। इस समझौते से पाकिस्तान को 70 प्रतिशत पानी मिलता है। पानी रोकने से पाकिस्तान की जनता और सरकार की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। इससे पाकिस्तान को आतंकवाद को समर्थन देने की सोच पर लगाम लगेगी। सोना लाल ने कहा कि पहले एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक से पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा था। अब अगर युद्ध की स्थिति बनती है तो पूरा देश मोदी सरकार के साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है, जो घर में घुसकर मारेगा।

फूलों और अबीर की होली में झूमे श्रद्धालु

आरा। रामलीला मैदान में चल रही पांच दिवसीय डिजिटल श्रीकृष्ण लीला के चौथे दिन मुरादाबाद की वैष्णवी कला मंच की टीम ने शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, आरती और पूजन से हुई। उद्घाटन समाजसेवी अजय सिंह, डॉ. विकास, अभिषेक कुमार सिंह उर्फ बबलू ने किया। संचालन आनंद कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राजीव रंजन ने दिया। कलाकारों ने महापर्व छठ की झांकी प्रस्तुत की। छठी मैया के गीतों से माहौल भक्तिमय हो गया। इसके बाद तिरुपति बालाजी की झांकी दिखाई गई। फिर आरा की अधिष्ठात्री देवी मां आरण्य देवी की झांकी प्रस्तुत की गई। जयकारों से पूरा मैदान गूंज उठा। राधा-कृष्ण की भव्य आरती हुई। इसके बाद श्रीकृष्ण लीला के प्रेम प्रसंग, कालिया नाग मर्दन, गोवर्धन लीला और फूलों व अबीर की होली का मंचन किया गया। फूलों की होली में करीब 100 किलो गेंदा के फूलों का इस्तेमाल हुआ। कलाकारों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को सम्मानित किया गया। श्रीकृष्ण लीला समिति के अध्यक्ष प्रेम पंकज उर्फ ललन ने बताया कि प्रतिदिन भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। लीला का समापन आज शुक्रवार को होगा। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष प्रेम पंकज उर्फ ललन,महासचिव आदित्य विजय जैन, संरक्षक पद्मश्री भीम सिंह भवेश, अजय प्रसाद, सत्यनारायण व्याहुत, सलाहकार डॉ. कृष्ण कुमार, संतोष सोनी, अमीत कुमार उर्फ भोलू, रतन प्रताप सिंह, आशुतोष जलान, आलोक अंजन, उपाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार गुड्डू, मुन्नू सिंह, विशाल सिंह, उमाशंकर सिंह उर्फ मिठाई लाल, विभु जैन, प्रिंस सिंह, सन्नी शाहाबादी, राहुल बदलानी, अजय कुमार, सचिव जितेंद्र व्याहूत, पर्यावरण प्रेमी आनंद कुमार, राहुल चौरसिया, राजीव रंजन, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार समेत कई कार्यकर्ता शामिल थे।

प्रभावी ढंग से होगी मशाल प्रतियोगिता

बक्सर। जिला समग्र शिक्षा कार्यालय में गुरुवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार पांडेय की अध्यक्षता में मशाल खेल प्रतियोगिता को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला खेल समिति के सदस्य, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समेत कई वरीय अधिकारी और खेल प्रशिक्षक उपस्थित रहे। इसमें विद्यालय स्तर पर प्रतियोगिता को प्रभावी तरीके से आयोजित करने के स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि मशाल खेल प्रतियोगिता केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक अपने स्तर से प्रतियोगिता के आयोजन को गंभीरता से लें और इसे पूरी सक्रियता से सफल बनाएं। पांडेय ने निर्देश दिया कि पंजीयन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए और अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए विद्यालय प्रशासन को विशेष प्रयास करने होंगे। उन्होंने कम पंजीयन पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि खेल के प्रति रुचि और सहभागिता बढ़ाने हेतु प्रचार-प्रसार भी जरूरी है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने सीआरसी, प्रखंड और जिला स्तर पर खिलाड़ियों की पहचान और चयन की प्रक्रिया को निष्पक्ष तथा पारदर्शी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रशासन, खेल समिति और प्रशिक्षकों की संयुक्त भूमिका से ही खिलाड़ियों का उज्ज्वल भविष्य संभव है। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा मोहम्मद शारिक अशरफ, स्थापना प्रभारी विष्णु कांत शर्मा, योजना प्रभारी चंदन कुमार द्विवेदी, माध्यमिक शिक्षा प्रभारी रजनीश कुमार उपाध्याय सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। उन्होंने भी बैठक में अपने विचार रखे और प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु सुझाव दिए।

चौसा में बनेगा स्टेडियम, युवाओं को सुविधा

बक्सर। नवसृजित नगर पंचायत चौसा के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को संवारने और युवाओं को सुनहरा मंच देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। नगर पंचायत क्षेत्रान्तर्गत वार्ड संख्या 11 के मौजा कनक नारायणपुर, अखौरीपुर गोला स्थित 2.81 एकड़ भूमि को स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाएगा। यह निर्णय नगर पंचायत की सशक्त स्थायी समिति और सामान्य बोर्ड की संयुक्त बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य पार्षद किरण देवी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि उक्त जमीन, जो पहले से ही खेल मैदान के रूप में चिन्हित है, उसे अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्टेडियम में बदला जाएगा। इस प्रस्ताव को खेलो इंडिया योजना के तहत बिहार सरकार के खेल विभाग को भेजा गया है। इसके साथ ही ओपन जिम, रनिंग ट्रैक और विभिन्न खेलों की आधारभूत संरचनाएं विकसित करने की दिशा में भी सहमति बनी है। निर्माण कार्य को सरकारी मान्यता और तकनीकी प्रक्रिया से जोड़ने हेतु कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार द्वारा खेल निदेशक, जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं जिला खेल पदाधिकारी आदित्य कुमार को पत्र भेजा गया है। पत्र में खेलो इंडिया के प्रावधानों के तहत आवश्यक स्वीकृति और सहयोग की मांग की गई है। साथ ही, अंचल पदाधिकारी चौसा से भूमि की मापी कराकर संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। मुख्य पार्षद किरण देवी ने इस निर्णय को क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि चौसा जैसे क्षेत्र में यदि एक आधुनिक स्टेडियम का निर्माण होता है तो इससे स्थानीय युवाओं को न केवल अभ्यास के लिए उपयुक्त स्थान मिलेगा, बल्कि यहां विभिन्न स्तर की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा सकेंगी। उन्होंने कहा कि स्टेडियम निर्माण से खेल के प्रति युवाओं में रुझान बढ़ेगा और प्रतिभाओं को निखरने का सुनहरा अवसर मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह स्टेडियम खेलो इंडिया योजना के तहत स्वीकृत हो जाता है, तो चौसा पूरे जिले में एक उदाहरण बनेगा। इससे क्षेत्र की छवि में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा और भविष्य में यह स्थान विभिन्न सरकारी व गैर-सरकारी खेल आयोजनों का केंद्र बन सकता है। नगर पंचायत द्वारा खेल संरचना को लेकर उठाया गया यह कदम विकास की दृष्टि से एक नई शुरुआत माना जा रहा है। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि कब निर्माण कार्य आरंभ होगा और यह सपना हकीकत में बदलेगा।

छात्रों के विवाद में बीच-बचाव करने गए शिक्षक को पीटा

निज संवाददाता। बक्सर

- पीड़ित टीचर ने पुलिस पर एफ आई आर दर्ज नहीं करने का लगाया आरोप, प्रिंसिपल बोले- असुरक्षा के कारण पढ़ाई बंद

बक्सर के चौसा आदर्श उच्च विद्यालय में एक छात्रों के बीच हो रहे झगड़े को सुलझाने गए शिक्षक पर 15-20 लोगों ने हमला कर दिया। घटना में विशिष्ट शिक्षक विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घटना सुबह नौ बजे की है।

पुलिस FIR दर्ज नहीं करने का लगाया आरोपः घायल शिक्षक ने बताया कि मध्याह्न अवकाश के दौरान कुछ छात्र आपस में झगड़ने लगे। तभी मैं उन्हें समझाने गया। इस दौरान विद्यालय के परिचारी कमलदेव राय से उनका विवाद हो गया। विजय कुमार ने गलतफहमी के लिए माफी भी मांगी। फिर भी कमलदेव राय ने गांव से लोगों को बुला लिया। इन लोगों ने विद्यालय में घुसकर मेरे उपर पर हमला कर दिया। घटना के बाद घायल शिक्षक मुफस्सिल थाने पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने थानाध्यक्ष की अनुपस्थिति का हवाला देकर शिकायत दर्ज नहीं की। इसके बाद विजय कुमार जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय गए। उन्होंने दोषियों पर कार्रवाई और शिक्षकों की सुरक्षा की मांग की।

घटना के बाद शिक्षकों में डर का माहौलः विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया कि घटना के बाद सभी शिक्षक भयभीत हैं। असुरक्षा के कारण स्कूल में पढ़ाई बंद है। घायल शिक्षक विजय कुमार पटना के रहने वाले हैं। आरोपी परिचारी कमलदेव राय कम्हरिया गांव का निवासी है। विद्यालय प्रबंधन ने चौसा मुफस्सिल थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने का आवेदन दिया है।

जांच में जुटी पुलिसः थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

भोजपुर के लहरपा गोलीकांड में आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

निज संवाददाता। आरा

- पुरानी रंजिश में दिया था वारदात अंजाम, 3 युवकों की हुई थी मौत

भोजपुर के लहरपा ट्रिपल मर्डर केस में कोर्ट ने 4 आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। थानाध्यक्ष सह आईओ रणवीर कुमार ने कोर्ट में अर्जी दी थी। जिसके बाद पूर्व मुखिया पुत्र बबलू सिंह, पवन सिंह, अरविंद सिंह, जितेन्द्र सिंह के खिलाफ वारंट जारी हुआ है। पुरानी रंजिश में वारदात को अंजाम दिया था। एसपी राज ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। इस मामले में अब तक पूर्व मुखिया प्रेमा देवी के पति रमेश सिंह, पुत्र धनेश सिंह के अलावा विजय बहादुर सिंह उर्फ बीबी सिंह, नवनीत सिंह की गिरफ्तारी हो चुकी है।

शादी में अंधाधुंध फायरिंगः गड़हनी थाना क्षेत्र के लहरपा गांव में रविवार को देर रात शादी समारोह के दौरान अंधाधुंध फायरिंग हुई थी। घटनास्थल पर ही 2 युवकों की मौत हो गई। जबकि 2 बच्चे समेत 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। इसमें इलाज के दौरान अस्पताल में एक और युवक की मौत हो गई थी। बारात के दौरान थार गाड़ी को साइड देने पर विवाद शुरू हुआ था। इस विवाद को लोग सुलझा ही रहे थे कि 2 लोगों ने थार सवार युवकों को टारगेट कर गोलियां बरसाईं। राइफल से 7 से 8 राउंड फायरिंग की गई। जिसमें गाड़ी पर बैठे दोनों युवकों की मौत हो गई। जबकि वहां मौजूद 5 लोगों को भी बुलेट और छर्रा लगा था।

वीर कुंवर सिंह की जयंती पर विजय दिवस मना

निज संवाददाता। आरा

तपेश्वर सिंह शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, कायमनगर में बुधवार को वीर कुंवर सिंह का विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के सचिव डॉ. अजय कुमार सिंह और सांस्कृतिक पब्लिक स्कूल, कायमनगर के सचिव डॉ. आलोक कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलन कर की। इसके बाद दोनों सचिवों ने वीर कुंवर सिंह के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने उनके साहस, पराक्रम और बलिदान को नमन किया। सचिव डॉ. अजय कुमार सिंह ने प्रशिक्षुओं को विजय दिवस का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि 1857 के पहले स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर कुंवर सिंह आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। उनका बलिदान और राष्ट्र प्रेम हर भारतीय के मन में आत्मगौरव और स्वाभिमान की भावना भरता है। उन्होंने 23 अप्रैल 1858 को जगदीशपुर के पास अंतिम लड़ाई लड़ी थी। मौके पर डॉ. सत्यदेव सिंह, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. एस. के. पांडेय, सुमन कुमारी, आयुषी कुमारी, दीपक तिवारी, जाकिया प्रवीण, रोशन कुमार, अभिजीत तिवारी, अभिषेक रंजन, पार्वती कुमारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षुओं में संजू कुमारी, अंजली कुमारी, प्रिया सिंह, निकहत प्रवीण, नाजहत जहां, चंचल कुमारी, स्वाति, सिमरन कुमारी, शिवाली प्रिया, मोहम्मद एजाज अंसारी, अभिषेक, रवि रंजन, मनीष कुमार, प्रिया, खुशी, गुड़िया, पूजा, नफीसा प्रवीण सहित कई छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

मकान मालिक की 8 साल की बेटी से रेप

निज संवाददाता। आरा

- मां से बोली एलकेजी की छात्रा- अंकल ने गंदा काम किया, बचा हुआ सामान लेने आया था आरोपी

आरा में LKG की बच्ची के साथ रेप की घटना सामने आई है। घर में घुसकर 8 साल की बच्ची के साथ आरोपी ने गलत काम किया। बच्ची की हालत गंभीर है। मेडिकल जांच के लिए पीड़िता को सदर अस्पताल भेजा गया है। घटना टाउन थाना इलाके की है। पीड़िता की मां सरकारी टीचर हैं। उन्होंने बताया कि, 'बेटी LKG में पढ़ती है। रिजवान पहले उसी के घर में दो बेटों और पत्नी के साथ रहता था। 6 महीने पहले उसने कमरा छोड़ दिया था। इस दौरान वो कभी नहीं आया। एक फोल्डिंग और टूटी हुई फ्रिज छोड़कर गया था। जिसे गुरुवार को लेने आया था। उस समय मैं बाथरूम गई थी। बेटी कमरे में अकेले थी। बहला-फुसलाकर दूसरे कमरे में ले गया और दरवाजा बंद करके घटना को अंजाम दिया। पकड़े जाने के बाद आरोपी ने कहा कि सामान लाने के लिए उस घर में गया था। बच्ची वहीं खेल रही है। दौड़ते समय प्लास्टिक के टब में फंसकर बच्ची जमीन पर गई है। इस वजह से उसे चोट लगी और खून निकलने लगा।

आरोपी ने झूठी कहानी बताईः FSL की टीम जब मौके पर पहुंची तो कमरे में ताला लगा हुआ था। मकान मालिक के सामने कमरे को खुलवाया गया। कमरे के अंदर एक फोल्डिंग और फ्रिज पड़ा था। दोनों पर काफी धूल जमी हुई थी। खून फोल्डिंग के किनारे और जमीन पर गिरा था। न वहां प्लास्टिक के टब थे और न ही कमरे से बाहर कोई खून के धब्बे। पूरे मकान में 40 से 45 लोग रहते हैं। बच्ची के फ्लैट के अगल-बगल भी कमरे हैं। किसी ने चीखने की आवाज नहीं सुनी। पड़ोसी ने बताया कि 'गर्मी होने के कारण सभी घर के अंदर थे। जब बच्ची की मां चीखने लगी तभी हमलोगों को पता चला।' इसी जगह पर आरोपी ने घटना को अंजाम दिया ।

आतंकवाद के लिए केंद्र और राज्य सरकार जिम्मेदार- सुधाकर सिंह

निज संवाददाता। बक्सर

- सांसद ने कहा- केंद्र 11 साल से संविधान को तोड़ने में लगी

बक्सर में राजद की एक दिवसीय महाधरना आयोजित हुई। इसमें सांसद सुधाकर सिंह ने केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार और देश जिस संक्रमण काल में पहुंचा है, उसके लिए दोनों सरकारें जिम्मेदार हैं। सिंह ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि नोटबंदी, धारा 370 और सर्जिकल स्ट्राइक जैसी घोषणाओं के बावजूद न नक्सलवाद खत्म हुआ, न ही आतंकवाद। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की घटना पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार बताए कि घटना वाले दिन सेना की ड्यूटी किसने और क्यों हटाई। उन्होंने कहा कि आज विश्व स्तर पर भारत और भारतीय शर्मिंदगी महसूस कर रहे हैं।

नीतीश कुमार की सरकार से कोई उम्मीद नहींः बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा के पास आयोजित धरने में सांसद ने नीतीश सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार से कोई उम्मीद नहीं है और सरकार बदलना ही एकमात्र उपाय है। केंद्र पर हमला करते हुए कहा कि सरकार सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के बजाय संविधान को तोड़ने-मरोड़ने में लगी है। कार्यक्रम की शुरुआत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए लोगों के लिए दो मिनट के मौन से हुई। धरने में कई मांगें रखी गईं। भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल आवासीय भूमि, माई-बहन मान योजना के तहत 2500 रुपए प्रतिमाह, दिव्यांग और विधवा पेंशन 1500 रुपए प्रतिमाह करने, वृद्धजन पेंशन 1500 रुपए करने और गरीब परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग शामिल है। सांसद ने कहा कि 2025 में सरकार बनने पर इन मांगों को तुरंत लागू किया जाएगा।

लभुआनी में 28 अप्रैल से श्रीराम कथा और महोत्सव

निज संवाददाता। आरा

मां सिद्धेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा लभुआनी के मां सिद्धेश्वरी शक्तिपीठ में राष्ट्र स्तरीय धार्मिक महोत्सव का आयोजन होगा। यह आयोजन 28 अप्रैल से 3 मई तक चलेगा। महोत्सव में श्रीराम कथा का संगीतमय वाचन अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका पूजा पंडिता गौरांगी गौरी करेंगी। इसकी जानकारी गुरुवार को आरा के एक निजी होटल में प्रेस वार्ता में दी गई। ट्रस्ट के संयोजक सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि आयोजन की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ट्रस्ट के कार्यकर्ता आयोजन के दौरान सक्रिय रहेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल आरिफ मो खां होंगे। उन्होंने कहा कि आयोजन को भव्य बनाने के लिए भोजपुरी फिल्म जगत के पावर स्टार पवन सिंह भी शामिल होंगे। इनके साथ अनुपमा यादव, हेमा पांडेय, आलोक कुमार, गोलू राजा, राकेश मिश्रा, अक्षरा सिंह, अलका सिंह पहाड़िया, मनोहर सिंह और कल्पना पटवारी भी मौजूद रहेंगे। ये सभी कलाकार हर रात आठ बजे देवी जागरण करेंगे।।आयोजन के पहले दिन 28 अप्रैल को सुबह 5 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। 29 अप्रैल से श्रीराम कथा और प्रवचन की शुरुआत होगी। 3 मई को हवन, विशाल भंडारा और आतिशबाजी होगी।

गरीबों को देने के लिए सरकार के पास नहीं है पैसा

निज संवाददाता। बक्सर

स्थानीय सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि भूमिहीन को 5 डिसमिल जमीन देने, प्रत्येक घर को 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने, दिव्यांग, बृद्धा, विधवा पेंशन को 400 से बढ़ा कर 1500 रुपये प्रति माह देने और मां-बहन को प्रत्येक माह 2500 रुपये दिलाने की मांग को लेकर धरना दिया जा रहा है ये सभी गरीबों की मांग है। जब तक यह मांग पूरी नहीं कीजाती है तब तक लड़ाई जारी रहेगा। यह मांग गरीबों नवजवानों, बेरोजगारों बिहार के आइकॉन भविष्य के बिहार के मुख्यमंत्री बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद का हैं। यदि यह मांग बिहार सरकार पुरी नही करती है तो हमारी बिहार मे सरकार बनते सभी मांगो को पूरा कर दिया जाएगा। सांसद सुधाकर सिंह बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित धरना में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के पास अनाप-सनाप जगह पर खर्चा करने के लिए पैसा है, लेकिन दिव्यांगों, वृद्धा, विधवाओं को देने के लिए पैसा नहीं है। महासचिव निर्मल कुमार कुशवाहा ने कहा कि आज देश मे जिस प्रकार से अराजकता का माहौल है। किसी विभाग मे काम नहीं हो रहा है। इस प्रकार से समझ लेना है की जब तक 2025 में महागठबंधन कि सरकार तेजस्वी यादव के नेतृत्व मे नही बनेगी तब तक इस देश मे कुछ होने वाला नहीं है। धरना झुग्गी झोपड़ी के जिलाध्यक्ष भीम पासवान और प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार भारती के देखरेख में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष भारती किए। धरना को जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह, श्वेता पाठक, गणपति मंडल, बबलू यादव, इफ्तार अहमद, धर्मराज सिंह, उमेश कुमार सिंह, ददन पासवान, पूजा कुमारी, बुचकालो देवी, सियाराम राय, सुधीर गुप्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष भारत सिंह, उमाशंकर सिंह, रामाशंकर कुशवाहा, सुरेश यादव, आफ़ताब आलम, राजू यादव, धर्मराज चौहान, रामेश्वर तुरहा, ओमप्रकाश माली, लालजी राम, सबीर शाह, जवाहर पासवान थे।

आरा में लभुआनी महोत्सव और श्रीराम कथा का आयोजन

निज संवाददाता। आरा

आरा में लभुआनी महोत्सव और श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। मां सिद्धेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 28 अप्रैल से लेकर 3 मई तक आयोजन होगा। इसमें श्रीराम कथा का संगीतमय वाचन परम विदुषी अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचिक पूजा पंडिता गौरांगी गौरी के द्वारा किया जाएगा। जिसकी जानकारी गुरुवार को आरा शहर के एक निजी होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी गई। ट्रस्ट के संयोजक सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि बिहार के राज्यपाल मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। इसके अलावा भोजपुरी फिल्म जगत के पावर स्टार पवन सिंह, अनुपमा यादव, हेमा पांडेय, आलोक कुमार, गोलू राजा, राकेश मिश्रा, अक्षरा सिंह, अलका सिंह पहाड़िया, मनोहर सिंह और कल्पना पटवारी भी शामिल होंगे।

भव्य कार्यक्रम का होगा आयोजनः सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि महोत्सव की तैयारी पूरी हो गई है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की व्यवस्था की गई है। देवी जागरण का आयोजन प्रत्येक दिन रात आठ बजे शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य बनाने की तैयारी है। पुलिस-प्रशासन का पूरा सहयोग मिल रहा है। आयोजन के पहले दिन 28 अप्रैल को भव्य कलश यात्रा सुबह 5 बजे निकलेगा। 29 अप्रैल से संगीतमय रामकथा एवं प्रवचन की शुरुआत होगी। 3 मई को हवन, विशाल भंडारा और मनमोहन आतिशबाजी होने वाला है। जिसे लेकर मां सिद्धेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा तैयारी कर ली गई है।

भोजपुर में आज 3 घंटे तक कटेगी बिजली

आरा। आरा के ए. टू. जेड. (धोबी घटवा) PSS से निर्गत जीरोमाइल फीडर से तीन घंटे बिजली कटी रहेगी। आज यानी 25 अप्रैल की सुबह 8 बजे से सुबह 11 तक बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी । कनीय विद्युत अभियंता द्वारा बताया गया कि रोड कंस्ट्रक्शन विभाग द्वारा धोबीघटवा मोड पर सड़क चौड़ीकरण कार्य मे पोल पर तार लगाने का कार्य किया जाएगा,जिसके कारण इस फीडर से विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। बिजली उपभोक्ता से अपील है कि पहले से अपने अपने घरों के जरूरी काम को निपटा ले एवं पानी की व्यवस्था कर ले। उपभोगताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

आरएम कोर्स में दाखिले के लिए रिजल्ट की जांच शुरू

भागलपुर। भागलपुर टीएमबीयू की तीन सदस्यीय कमेटी ने पीएचडी से जुड़े रिसर्च मेथडोलॉजी कोर्स (आरएम कोर्स) में नामांकन के लिए हुए इंटरव्यू के रिजल्ट की जांच शुरू कर दी है। हालांकि कमेटी ने इसमें देर कर दी है। विश्वविद्यालय ने 20 अप्रैल को कमेटी बनाकर 22 अप्रैल तक रिपोर्ट मांगी थी। जबकि कमेटी ने पहली बैठक ही 23 अप्रैल को की। इस बैठक में लिए गए निर्णय के तहत गुरुवार को सभी पीजी हेड को कमेटी के संयोजक प्रो. बिजेन्द्र कुमार ने पत्र भेजा है। पत्र में संयोजक ने सभी पीजी हेड से कहा है कि वे अपने विभाग में हुए इंटरव्यू में शामिल हुए छात्रों की सूची उपलब्ध कराएं। साथ ही यह सूची भी अलग-अलग कॉलम के अनुसार दें कि छात्रों को कितने एकेडमिक अंक थे और इंटरव्यू में कितने अंक दिए गए। ये सभी डाटा 27 अप्रैल तक देने को कहा गया है। टीएमबीयू के कुलपति प्रो. जवाहर लाल इस जांच के लिए डीएसडब्ल्यू प्रो. बिजेन्द्र कुमार, साइंस के डीन प्रो. जगधर मंडल और सोशल साइंस के डीन प्रो. सीपी सिंह की कमेटी बनाई थी। टीम को आरएम कोर्स में दाखिले के लिए नेट, जेआरएफ और पैट 2023 के आधार पर तैयार मेरिट सूची की जांच करनी है कि यह यूजीसी के पीएचडी रेगुलेशन 2016 के तहत है या नहीं। इसमें मेरिट लिस्ट के साथ आरक्षण रोस्टर के नियमों के पालन की जांच होनी है।

संयोजक का आरोप- कुलपति के आवासीय कार्यालय में फाइलें लंबे समय से हैं अटकी

भागलपुर। पेंशनरों की समस्याओं को लेकर टीएमबीयू पेंशनर संघर्ष मंच ने कुलपति प्रो. जवाहर लाल पर कुलाधिपति, हाईकोर्ट के सीडब्ल्यूजेसी व एमजेसी सहित सुप्रीम कोर्ट तक के आदेश नहीं मानने के का आरोप लगाया है। मंच के सह संयोजक अमरेन्द्र झा ने प्रेस से बात करते हुए कहा कि कुलपति के तीन वर्षों के कार्यकाल के 975 दिन बीत गए लेकिन आज तक वे आधिकारिक तौर पर किसी भी पेंशनर से नहीं मिले हैं। 2025-26 के बजट के अनुसार कुल पेंशनरों की संख्या 2619 है। इन्हें बीते पांच महीनों की पेंशन का भुगतान धरना देने के बाद हुआ। सरकार से पेंशन-ग्रेच्युटी मद में भेजी गई राशि को विवि ने एफडी कर दिया। राज्य सरकार को जानकारी मिली तो विवि को तत्काल एफडी की गई राशि वापस करने का निर्देश दिया। विवि ने आनाकानी की तो सरकार ने पेंशनरों का अनुदान रोक दिया। सूत्र बताते हैं कि विवि ने बाद में एफडी से 212 करोड़ रुपए सरकार को वापस किए और अभी भी पेंशन-ग्रेच्युटी फंड के एफडी में अभी भी 370.85 करोड़ रुपए पड़े हुए हैं। पेंशनरों के एरियर और अन्य भुगतान को लेकर राजभवन के अपर सचिव, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद विवि ने कोई कार्रवाई नहीं की। संयोजक पवन कुमार सिंह ने कहा एफडी में जमा राशि पेंशनरों की है। इसलिए कुलपति बकाया भुगतान करें। आरोप लगाया कि कुलपति के आवासीय कार्यालय में पेंशनरों की फाइलें लंबे समय से अटकी हुई हैं।

किसानों की बनेगी फार्मर आईडी

भागलपुर। किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित एवं अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने में आसानी हो, इसके लिए फार्मर आईडी तैयार की जा रही है। मुख्यालय से मिले समय के अनुसार सभी किसानों का फार्मर आइडी बने, इसके लिए जिला कृषि पदाधिकारी प्रेम शंकर प्रसाद ने गुरुवार को विभाग के कर्मियों के साथ ऑनलाइन माध्यम से समीक्षा बैठक की। इसमें प्रखंडवार फार्मर आईडी कार्य की समीक्षा की गई। डीएओ ने बताया कि किसानों की फार्मर आईडी बनने के बाद योजना का लाभ लेने में काफी आसानी होगी। विभाग के सभी कर्मियों को समय पर आईडी बनाने का काम पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

टीएमबीयू में राज्यपाल पर उड़ाए पेपर कटिंग, व्यवस्था पर सवाल, 48वें दीक्षांत समारोह के दौरान अफरा-तफरी

निज संवाददाता। भागलपुर

तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) का 48वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को भव्यता के साथ आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता बिहार के राज्यपाल और कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने की। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे से बीएन कॉलेज परिसर में पीएचडी उपाधियों के वितरण के साथ हुई, जहां अब तक 248 शोधार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। दीक्षांत समारोह में कुल 5117 छात्र-छात्राओं को डिग्री और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसमें पीजी, स्नातक, वोकेशनल और प्रोफेशनल कोर्स के विद्यार्थी शामिल थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जवाहर लाल ने बताया कि टीएमबीयू के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा दीक्षांत समारोह रहा। समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक देखने को मिली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान जैसे ही मंच पर पहुंचे, तभी एक छात्र आलोक ने अचानक विरोध स्वरूप नारेबाजी शुरू कर दी और मंच की ओर अखबार की कटिंग फेंकी। यह घटना मंच के पास घटी, जिससे समारोह में कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने मुस्तैदी दिखाते हुए युवक को पकड़ लिया और मंच से दूर किया। उसे हिरासत में लेकर थाने भेज दिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि उसने ऐसा कदम क्यों उठाया। इस घटना ने विश्वविद्यालय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर तब जब समारोह में राज्यपाल समेत कई विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।

चार सत्रों के 430 छात्रों को विशेष सम्मानः समारोह में चार अलग-अलग शैक्षणिक सत्रों के 430 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल, स्मृति पदक, बेस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी की उपाधि दी गई। इनमें पीजी सामान्य कोर्स के 116 विद्यार्थियों के अलावा एमबीए, एमसीए, बायोटेक और एमलिब जैसे प्रोफेशनल कोर्स के विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। डिग्री वितरण की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तीन प्रमुख कॉलेजों को केंद्र बनाया। बीएन कॉलेज में पीजी डिग्री और सर्टिफिकेट का वितरण हुआ, जबकि टीएनबी कॉलेज और मारवाड़ी कॉलेज में स्नातक डिग्रियों का वितरण किया गया। इसके अलावा, टीएनबी कॉलेज में वोकेशनल और प्रोफेशनल कोर्स की डिग्रियां दी गईं।

248 शोधार्थियों को मिली डिग्री

दीक्षांत समारोह के बावजूद उठे सुरक्षा पर सवालः जहां एक ओर यह समारोह विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि रहा, वहीं सुरक्षा में हुई चूक ने आयोजन की भव्यता पर सवालिया निशान भी लगा दिया। हालांकि, कार्यक्रम को तय समय पर संपन्न कराया गया और सभी विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक उपाधियां प्रदान की गईं।

राज्यपाल के मंच पर जेडीयू विधायक को नहीं मिली जगह

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में तिलकामांझी यूनिवर्सिटी (TMBU) के 48वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के मंच पर जेडीयू विधायक गोपाल मंडल को जगह नहीं मिली। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। कुर्सी के लिए मुख्य मंच पर करीब 10 मिनट तक खड़े रहे। इसके बाद भी उन्हें कुर्सी नहीं मिली। समारोह के दौरान गोपालपुर विधायक मंच पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के पास जा रहे थे। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोक दिया।

बताया जा रहा है कि सुरक्षा कारणों से उन्हें राज्यपाल के पास जाने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद कुलपति प्रो. जवाहरलाल ने खुद आगे बढ़कर विधायक का अभिवादन किया। उन्हें मंच के दूसरे छोर पर बैठने का अनुरोध किया। इसके बाद गोपाल मंडल अपने एक समर्थक के साथ मंच के उस छोर पर पहुंचे और वहां कुर्सी पर बैठ गए।

विधायक ने इस मामले पर कुछ नहीं कहाः मंच पर हुए इस घटनाक्रम को देखकर लोग हैरान रह गए। वहीं समर्थकों में इस बात को लेकर हलचल देखी गई कि एक जनप्रतिनिधि को सार्वजनिक कार्यक्रम में ऐसा व्यवहार क्यों झेलना पड़ा। हालांकि विधायक गोपाल मंडल ने इस पूरे घटनाक्रम पर कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी और शांत भाव से समारोह में शामिल रहे।

जेआरएस कॉलेज में आज से सेमिनार का होगा आयोजन

मुंगेर। मुंगेर विवि पीजी अंग्रेजी विभाग की ओर से गुरुवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत होगी। सेमिनार का विषय है- ट्रांसेंडिंग बाउंड्रीजः कंटेम्परी ट्रेंड्स इन इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर स्टडीज। इसमें 200 से अधिक छात्र-छात्राएं और शोधार्थी भाग लेंगे। कार्यक्रम का आयोजन जेआरएस कॉलेज में होगा। पहले दिन 25 अप्रैल को अतिथियों का मंच पर स्वागत के बाद दीप प्रज्वलन और कुलगीत होगा। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. बीसी पांडेय स्वागत भाषण देंगे। 12 बजे सेमिनार स्मारिका का विमोचन होगा। उसके बाद कुलपति प्रो. संजय कुमार उद्घाटन भाषण देंगे। प्रो. नीलाद्रि आर. चटर्जी, प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ कल्याणी, मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे। पूर्णिया विवि के प्रो. शंभु लाल वर्मा प्लेनरी स्पीच देंगे। विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रिय रंजन तिवारी धन्यवाद ज्ञापन देंगे। 3:05 से 5 बजे तक ऑनलाइन और ऑफलाइन समानांतर सत्र होंगे। दूसरे दिन 26 अप्रैल को सुबह 11:30 बजे ऑनलाइन मीट द ऑथर सत्र में उपन्यासकार और कवि प्रो. विकास शर्मा से संवाद होगा। 11:45 बजे डॉ. राजकुमार शर्मा, रांची विश्वविद्यालय, प्लेनरी स्पीच देंगे। अध्यक्षता डॉ. अतुल चंद्र घोष करेंगे। संचालन अतनु कुमार पॉल करेंगे। 4 बजे सेवानिवृत्त प्रोफेसर, टीएमबीयू प्रो. यूके मिश्रा समापन भाषण देंगे। 4:20 बजे कुलसचिव कर्नल (सेवानिवृत्त) विजय कुमार ठाकुर संबोधित करेंगे। 4:45 बजे प्रायोजकों और शुभचिंतकों का सम्मान होगा।

गर्मी बढ़ते ही बिजली भी हो रही गुल, उपभोक्ता परेशान

भागलपुर। तापमान में बढ़ोतरी होने के साथ ही शहर में बिजली की मांग बढ़ गई है। इससे फॉल्ट में भी इजाफा हुआ है। ग्रामीण सहित शहरी क्षेत्रों में आपूर्ति बाधित होने से लोग बेहाल रहे। कहीं केबल वायर लगाने को लेकर तो कहीं ट्रांसफार्मर खराब होने, तो कहीं फेज उड़ने या तार गिरने से बिजली गुल रही है। हुसैनाबाद के मुगलपुरा में गुरुवार की शाम लगभग 7.30 बजे जो बिजली गुल हुई वह रात के नौ बजे तक नहीं आयी। इससे लोग गर्मी से बेहाल रहे। वहीं अलीगंज कटघर के खराब ट्रांसफार्मर लगभग 24 घंटे के बाद बुधवार की देर रात ठीक हुआ। केबल लगाने को लेकर इन दिनों देखा जा रहा है कि बराबर किसी न किसी इलाके में लगभग पांच से छह घंटे बिजली कटौती हो रही है। जबकि ठंड में भी केबल वायर लगाने को लेकर बिजली कटौती की गई थी। बिजली कंपनी के प्रोजेक्ट सहायक अभियंता प्रशांत भारती ने बताया कि शहर में 800 एलटी केबल वायर लगाना है जिसमें अब 100 किलोमीटर तक ही काम होना बचा है। उन्होंने बताया कि 11 हजार वोल्ट के केबल वायर भी लगाने का काम शुरू है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग,
कार्य प्रमण्डल औरंगाबाद
बिहार सरकार

प्रेस–विज्ञप्ति

शीर्ष जिला खनिज फाउन्डेशन योजनान्तर्गत अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या (RWD/ Aurangabad/DMFT/ET-2/2024-25) का प्रकाशन समाचार पत्रो में किया गया जिसका PR-021814(RWD) 2024-25 है, जो अपरिहार्य कारण वश रदद् किया जाता है।

Sl. No.	Name of Work	Estimated Cost (Rs. In Lakh)	EMD (Rs in Lakh)	Cost Of BOQ	Time of Complition (In Months)	Reservation Quota	Amount Payable to
1	2	3	4	5	6	7	8
1	प्रखण्ड बारूण के धनगाई पंचायत के ग्राम–रामपुर में सुरेश प्रजापति क घर से पुल तक सड़क निर्माण कार्य लम्बाई लगभग 600 फीट	32.71100	0.66	5000	09 Month	Unemployed Engineer	E.E.R.W.D. Works, Division, Aurangabad
कुल योग्य		32.71100					

उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

PR- 001908 (RWD) 2025-26

कार्यपालक अभियंता
ग्रा0 का0 वि0, कार्य प्र0, औरंगाबाद

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj.
e-Procurement Notice
e-Tender Ref No.-1/RCD/Daltonganj/2025-26/ 401
Dated:-24.04.2025

1.	Name of Work	Construction of Bridge/High Level Bridge at Ch 16.00 Km of Patan -Daltonganj (Bairiya Chowk to Saguna More) Road for the year 2025-26.
2.	Estimated Cost	Rs. 10,20,46,031.00 (Rupees Ten Crore Twenty Lacs Forty Six Thousand Thirty One) Only.
3.	Bid Security (Amount)	Rs. 10,20,500.00 (Rupees Ten Lacs Twenty Thousand Five Hundred) Only.
4.	Time of Completion	18 Months
5.	Date of Publication of Tender on Website	08.05.2025, 10:30 AM
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	29.05.2025, 12:00 Noon
7.	Date and Time of Bid opening	30.05.2025, 12.30 PM
8.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	Cost of bidding document (for a non refundable fee) & Bid security as indicated shall be payable online through http://jharkhandtenders.gov.in
9.	Name & address of officer Inviting tender	Executive Engineer, R.C.D., Road Division, Daltonganj. 06562–225019
10.	E-mail Id	eercdmedini-jhr@nic.in
11.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2401010

Note : Estimated amount may vary.
For further details can be seen on website http://jharkhand tenders.gov.in

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj.

PR 351028 Road(25-26)D

देवघर एवं गोड्डा तथा देवघर एवं भागलपुर के बीच एमईएमयू स्पेशल ट्रेनों की यात्रा जारी रहेगी

यात्रियों की सुविधा के लिए, 03146/03145 देवघर–गोड्डा–देवघर एमईएमयू स्पेशल एवं 03147/03148 देवघर–भागलपुर–देवघर एमईएमयू स्पेशल ट्रेनें दिनांक 02.05.2025 तक अपने वर्तमान मार्ग, समयसूची एवं ठहराव के अनुसार प्रतिदिन जारी रहेंगी। अन्य सभी निर्देश अपरिवर्तित रहेंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, कार्यालय भवन, डाकघर-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पबं) (नीलामी संचालन अधिकारी) ने मालदा मंडल के तहत भागलपुर एवं साहिबगंज स्टेशनों में पे एंड यूज शौचालय लॉट के संचालन के लिए www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी सूचीपत्र प्रकाशित किया है। नीलामी सूचीपत्र सं.: पे-यू-05-2025, क्रमांक, लॉट सं., स्टेशन निम्नानुसार हैं: (1) पीएनयू-एमएलडीटी-बीजीपी-टीओआई-38-24-1; भागलपुर। (2) पीएनयू-एमएलडीटी-एसबीजी-टीओआई-6-24-1; साहिबगंज। नीलामी शुरू: 13.05.2025 को पूर्वाह्न 11.45 बजे। आगे के विवरण के लिए प्रत्याशित बोलीदाताओं से आईआरईपीएस ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। (MLD-24/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, कार्यालय भवन, डाकघर झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102, पश्चिम बंगाल (नीलामी संचालनकारी अधिकारी) ने मालदा मंडल के तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों में ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) संविदा की सुपुर्दगी के लिए www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी सूचीपत्र प्रकाशित किया है। नीलामी सूचीपत्र सं.: एटीएम-2025-05। नीलामी शुरू होने की तारीख: 12.05.2025 को पूर्वाह्न 11.45 बजे। सिक्वेंस सं.; लॉट सं./श्रेणी; स्टेशन क्रमशः निम्नलिखित हैः एए/1; एटीएम-एमएलडीटी-बीयूपी-जीईएन-35-25-2; बरियारपुर। एए/2; एटीएम-एमएलडीटी-एसबीओ-जीईएन-40-25-2; सबौर। एए/3; एटीएम-एमएलडीटी-आरजेएल-जीईएन-31-25-2; राजमहल। एए/4; एटीएम-एमएलडीटी-एमजेडसी-जीईएन-39-25-2; मिर्जाचौकी। एए/5; एटीएम-एमएलडीटी-जीजीए-जीईएन-28-25-2; घोंघा। एए/6; एटीएम-एमएलडीटी-एसबीजी-जीईएन-44-25-4; साहिबगंज। एए/7; एटीएम-एमएलडीटी-एएचए-जीईएन-33-25-2; अभयपुर। एए/8; एटीएम-एमएलडीटी-टीपीएच-जीईएन-42-25-2; तीनपहाड़। एए/9; एटीएम-एमएलडीटी-जेआरएलई-जीईएन-38-25-2; जंगीपुर रोड। एए/10; एटीएम-एमएलडीटी-पीपीटी-जीईएन-43-25-2; पिरपैंती। एए/11; एटीएम-एमएलडीटी-बीएकेए-जीईएन-25-25-2; बांका। एए/12; एटीएम-एमएलडीटी-एमजीआर-जीईएन-29-25-2; मुंगेर। एए/13; एटीएम-एमएलडीटी-जीओडीए-जीईएन-36-25-2; गोड्डा। एए/14; एटीएम-एमएलडीटी-एमएलडीटी-जीईएन-30-25-2; मालदा टाउन। एए/15; एटीएम-एमएलडीटी-डीजीएलई-जीईएन-27-25-2; धुलियानगंगा। प्रत्याशित बोलीदाताओं से आगे के विवरण के लिए आईआरईपीएस ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। (MLD-26/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.:	ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/664, दिनांक 23.04.2025;
मंडल रेल प्रबंधक,	पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित विद्युतीय कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3412; कार्य का नाम: (1) हावड़ा-बर्द्धमान मेन लाइन के लिलुआ स्टेशन में पुरानी आरआरआई का ईआई में प्रतिस्थापन के लिए विद्युतीय साधारण कार्य। (2) सेवाड़ाफुली स्टेशन में पुराने एवं अत्यंत पुराने पैनल इंटरलॉकिंग केंद्र के प्रतिस्थापन के लिए विद्युतीय साधारण कार्य। निविदा मूल्य: रु. 82,48,636; बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा): रु. 1,65,000; समापन अवधि: 180 दिन। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 16.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देता है। हालांकि, निविदा के बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत किसी भी सुविधाजनक दिवस को ऑनलाइन निविदाएं खोली जाएंगी। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। (HWH-45/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, मालदा, पो.ऑ.-झलझलिया, जिला: मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभव एवं आर्थिक क्षमता रखने वाले सम्माननीय फर्मों/एजेंसियों/ठेकेदारों से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: निविदा संख्या: ईएल-एमएलडीटी-ई-टेंडर-350, दिनांक: 21.04.2025। कार्य का नाम: एसएसई/ई/जी/मालदा के अधिकार क्षेत्र के अधीन विद्युतीय सब-स्टेशन, विद्युतीय परिसम्पत्तियों की वृद्धि सहित अन्य आनुषंगिक कार्य। निविदा मूल्य: ₹ 62,22,039.49। बयाना राशि: ₹ 1,24,500। निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य। ई-निविदा जमा करने की तारीख एवं समय: 29.04.2025 से 13.05.2025 को अपराह्न 3.30 बजे तक। वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट्ट: वेबसाइट: www.ireps.gov.in एवं वरिष्ठ डीईई (जी), पूर्व रेलवे, मालदा का कार्यालय। निविदादाता से अनुरोध है कि वे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर विस्तृत निविदा सूचना एवं दस्तावेज को अच्छी तरह से पढ़ लें। किसी भी परिस्थिति में मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे। (MLD-27/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, मालदा, पो.ऑ.-झलझलिया, जिला: मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभव एवं आर्थिक क्षमता रखने वाले सम्माननीय फर्मों/एजेंसियों/ठेकेदारों से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: निविदा संख्या: ईएल-एमएलडीटी-ई-टेंडर-352, दिनांक: 24.04.2025। कार्य का नाम: तीन वर्षों की अवधि के लिए मालदा मंडल में मालदा, साहिबगंज, भागलपुर एवं जमालपुर के रनिंग रूम के पैकेज टाइप, वीआरएफ टाइप एसी मशीनों का व्यापक वार्षिक रखरखाव ठेका। निविदा मूल्य: ₹ 63,24,370.50। बयाना राशि: ₹ 1,26,500। निविदा दस्तावेज की कीमत: शून्य। ई-निविदा जमा करने की तारीख एवं समय: 02.05.2025 से 16.05.2025 को अपराह्न 3.30 बजे तक। वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट्ट: वेबसाइट: www.ireps.gov.in एवं वरिष्ठ डीईई (जी), पूर्व रेलवे, मालदा का कार्यालय। निविदादाता से अनुरोध है कि वे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर विस्तृत निविदा सूचना एवं दस्तावेज को अच्छी तरह से पढ़ लें। किसी भी परिस्थिति में मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे। (MLD-29/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सी डैक CDAC

ADMISSION NOTIFICATION
C-DAC ADVANCED LEVEL DIPLOMA COURSE ON
HIGH PERFORMANCE COMPUTING AND ITS APPLICATION

For candidates belonging to SC/ST (Any Gender), Women (Any Category), EWS, General Category

HIGHLIGHTS
- Duration: 6 Months
- Mode: Offline (Physical)
- No Registration Fee
- Course Fee: ~~Rs.1,75,000~~ FREE

BENEFITS
- Industry expert guidance
- Mentoring by C-DAC experts
- A monthly stipend of 10,000/- will be provided to SC/ST/EWS/Women only
- Hands-on training session on latest technology

Last date to Apply
May 15, 2025

c-huk@cdac.in

https://c-huk.cdacb.in

cbc06140/12/0002/2526

पहलगाम हमले पर सर्वदलीय बैठक में क्यों नहीं गई नीतीश की पार्टी, जेडीयू ने दी सफाई

पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दिल्ली में गुरुवार शाम को आयोजित सर्वदलीय बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने हिस्सा नहीं लिया। कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाया। वहीं, जेडीयू की ओर से सफाई देते हुए कहा गया कि मधुबनी में पीएम नरेंद्र मोदी की सभा के चलते पार्टी के वरिष्ठ नेता बिहार में थे। इस कारण जेडीयू सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हो पाई।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पहलगाम हमले को लेकर हुई सर्वदलीय बैठक में जेडीयू की गैरमौजूदगी पर सवाल उठाया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, प्रधानमंत्री की प्राथमिकता चुनाव है। जेडीयू की प्राथमिकता प्रधानमंत्री है। आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक का इंतजार किया जा सकता है। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन सिंह ने गुरुवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा कि दिल्ली में आयोजित सर्वदलीय बैठक में उनकी पार्टी के नेता शामिल नहीं हो पाएंगे। जेडीयू के सभी वरिष्ठ नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मधुबनी में कार्यक्रम की व्यस्तता की वजह से दिल्ली में उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो बर्बर हमला हुआ, उसके विरोध में आयोजित सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार जो भी राष्ट्र हित में फैसला लेगी, जेडीयू उनके साथ है।

बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने मधुबनी जिले के झंझारपुर में गुरुवार को पंचायती राज दिवस के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित किया। इसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर बोलते हुए आतंकियों को कड़ी चेतावनी दी। पीएम ने कहा कि आतंकियों और साजिश रचने वालों को ऐसी सजा दी जाएगी, जिनकी उन्होंने कल्पना नहीं की होगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह समेत जेडीयू और एनडीए के कई नेता मौजूद रहे।

पटना के बाद बिहार के कई जिलों में स्कूल का समय बदला, भीषण गर्मी के चलते फैसला

पटना, एजेंसी। बिहार में भीषण गर्मी के बीच स्कूली बच्चों को राहत मिली है। पटना के बाद 4 और जिलों में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। भागलपुर, गया, बांका और औरंगाबाद जिले में भी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के समय में बदलाव का आदेश गुरुवार को जारी कर दिया गया। भागलपुर में सुबह 11 बजे के बाद कक्षाओं के संचालन पर रोक लगा दी गई है। इसी तरह, गया और बांका जिले में भी स्कूलों का समय सुबह 11.30 बजे तक कर दिया गया है। औरंगाबाद में पौने 12 बजे स्कूल की छुट्टी कर दी जाएगी। भागलपुर के डीएम नवल किशोर चौधरी ने गुरुवार को अपने आदेश में कहा कि जिले में चलने वाली लू और दोपहर में भीषण गर्मी के चलते बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इसे देखते हुए जिले के सभी स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और प्री-स्कूलों के सुबह 11 बजे के बाद संचालन पर रोक लगाई गई है। यह आदेश 25 से 27 अप्रैल तक लागू रहेगा। इसी तरह, गया जिले में भी भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों में 10वीं तक की कक्षाओं के सुबह 11.30 बजे के बाद संचालन पर रोक रहेगी। गया गुरुवार को बिहार का सबसे गर्म जिला रहा। यहां तापमान 42 डिग्री के ऊपर दर्ज किया गया। बांका जिले में भी सभी निजी और सरकारी स्कूलों की छुट्टी सुबह 11.30 बजे कर दी जाएगी। डीएम अंशुल कुमार ने 27 अप्रैल तक के लिए यह आदेश गुरुवार को जारी किया। औरंगाबाद जिले में सभी निजी और सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों पर सुबह 11.45 बजे के बाद रोक लगाई गई है।

मिड डे मील की सब्जी में निकला सांप, खाने से 200 बच्चे बीमार, एक की हालत गंभीर

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जिले में मिडे डे मील खाने के बाद 200 से अधिक स्कूली बच्चे बीमार हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना मोकामा प्रखंड के मेकरा स्थित मध्य विद्यालय की है। बताया जा रहा है कि मध्याह्न भोजन यानी मिड डे मील की सब्जी में सांप गिर गया था। उसे खाने से ही बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इस घटना के विरोध में गुरुवार शाम को स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर हंगामा भी किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी रवि कुमार ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम खत्म करवाया।

बीडीओ ने बताया कि से मामले की जांच की जा रही है। इस बीच करीब एक घंटे तक सड़क जाम रही और आवागमन पूरी तरह ठप रहा। स्कूल के दर्जनों बच्चों ने आरोप लगाया कि गुरुवार को स्कूल के मिड डे मील में चावल और आलू-कद्दू की सब्जी बनी थी। बच्चों को इस दौरान सब्जी में एक मरा हुआ सांप मिला, जिसे विद्यालय के रसोइया ने शौचालय में फेंक दिया। फिर वही सब्जी बच्चों को खिला दी।

छात्र-छात्राओं ने बताया कि गुरुवार को करीब 500 बच्चों ने मध्याह्न भोजन खाया था। भोजन करने के बाद कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी तो सभी शिक्षक समय से पहले ही छुट्टी देकर स्कूल से निकल गए। बच्चे घर पहुंचे और धीरे-धीरे एक-एक कर करीब 200 बच्चों की तबीयत खराब हो गई।

ग्रामीण धीरे-धीरे एकजुट होने लगे, घटना की सूचना पर पहुंची मोकामा थाना की पुलिस ने 50 से अधिक बच्चों को ले जाकर मोकामा रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया। इसके बाद एक-एक कर करीब 150 और बच्चों को लेकर उनके अभिभावक मोकामा रेफरल अस्पताल के ट्रामा सेंटर पहुंच गए। देर रात तक चिकित्सक बच्चों की जांच करते रहे। मौके पर मौजूद चिकित्सक डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि एक बच्चे की तबीयत थोड़ी खराब थी, लेकिन अब वे भी खतरे से बाहर है। बाकी बच्चे भी ठीक हैं, सभी की जांच की जा रही है। देर रात तक अस्पताल में गहमागहमी का माहौल रहा। सैंकड़ों ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता मौके पर मौजूद रहे और बच्चों की देखभाल करते रहे।

मोतिहारी में 50 करोड़ की लागत से बन रहा आरओबी

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के भितहा में रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण तेजी से चल रहा है। केंद्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए 50 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। बनकट भितहा रेलवे गुमटी संख्या 158 पर बन रहे इस आरओबी से कई प्रखंडों को फायदा मिलेगा। इस आरओबी से कोटवा, कल्याणपुर, केसरिया, तुरकौलिया और हरसिद्धि समेत 6 से ज्यादा प्रखंडों का सीधा जुड़ाव जिला मुख्यालय मोतिहारी से हो जाएगा। इससे लोगों की आवाजाही आसान होगी। पहले इस रेलवे गुमटी पर रोज घंटों जाम लगता था। इससे आम लोगों के साथ एंबुलेंस और स्कूल वाहन भी प्रभावित होते थे।

समस्तीपुर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक में मारी टक्कर

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के वारिसनगर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्री समेत 4 लोग घायल हो गए। 3 की हालत गंभीर बनी हुई है। एक ही बाइक से सभी भोज खाने जा रहे थे। घटना सुखपुर गांव की है। घायलों की पहचान नथुनी महतो, पुत्री सुहानी कुमारी, दिव्या कुमारी और भाई धीरज कुमार के तौर पर हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद पिता और 2 बेटियों को डॉक्टरों ने पी.एम.सी.एच. रेफर कर दिया है।

स्टेट लेवल तक खेलेंगे सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स, ट्रेनिंग-स्कॉलरशिप मिलेगी

37,588 स्कूलों के 58 लाख छात्र-छात्राओं के लिए खेल प्रतियोगिता शुरू, हर एक को मिलेंगे टी-शर्ट और मेडल

पटना, एजेंसी। बिहार के सरकारी स्कूलों में खेल प्रतिभा को पहचान दिलाने के लिए आज से स्कूलों में खेल प्रतियोगिता की शुरुआत हो रही है। मशाल-2024 कार्यक्रम के तहत बिहार के 37,588 स्कूलों में 25 से 27 अप्रैल तक खेल प्रतियोगिता होगी। इसमें 58 लाख स्टूडेंट्स हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता, स्कूलों में खिलाड़ियों की तलाश के लिए किया जा रहा है। स्कूलों में होने वाली प्रतियोगिता में चयनित छात्रों को संकुल, प्रखंड और जिला स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा।

बालक वर्ग में 14, बालिका वर्ग में 16 साल के खिलाड़ी ले सकते हैं भाग : यह प्रतियोगिता दो श्रेणियां में आयोजित की जाएगी। बालक वर्ग में 14 वर्ष और बालिका वर्ग में 16 साल उम्र निर्धारित की गई है। विजेता को प्रखंड स्तर पर नगर राशि भी प्रदान की जाएगी। इसमें छात्रों को 1000 रुपए, सेकेंड आने पर 600 और थर्ड आने पर 400 रुपए दिए जाएंगे। साथ ही सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट एवं मेडल दिया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यालय स्तर से खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है।

स्टेट लेवल पर खेलने का मिलेगा मौका : प्रखंड के बाद जिला स्तर पर चयनित टीम को स्टेट लेवल पर खेलने के मौका दिया जाएगा। इस दौरान एथलेटिक्स में क्रिकेट, बॉल थ्रो, लंबी कूद, दौड़, साइकलिंग, फुटबॉल, बॉलीवॉल प्रतियोगिताएं होंगी। जिला स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को 2500 रुपए, सेकेंड आने वाले को 1500 और थर्ड आने पर 1000 रुपए मिलेंगे। इस दौरान जो स्टूडेंट्स स्टेट लेवल पर प्रथम श्रेणी में आता है, उसे 5000 रुपए, सेकेंड आने पर 3000 रुपए और थर्ड आने पर 2000 रुपए दिए जाएंगे। राज्य स्तर पर चयनित छात्रों को खिलाड़ी के रूप में ट्रेनिंग के साथ ही स्कॉलरशिप भी दी जाएगी।

मोतिहारी में बाइक सवार की चाकू से गोदकर हत्या

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के नगर थाना क्षेत्र के अगरवा मुहल्ले में अज्ञात बदमाशों ने एक 17 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक गोलू कुमार बेलौसराय का रहने वाला था। घटना गुरुवार शाम की बताई जा रही है। मृतक के ममेरे भाई संजू ने बताया कि गोलू का कुछ दिन पहले अगरवा मुहल्ले के विशाल नाम के युवक से विवाद हुआ था। जिसमें बुधवार रात को दोनों के बीच मारपीट भी हुई थी। विशाल ने गोलू को धमकी दी थी कि अगरवा में दिखने पर उसकी हत्या कर दी जाएगी। गुरुवार शाम जब गोलू अगरवा की ओर गया, तब बाइक सवार चार युवकों ने उसका पीछा किया। आरोपियों ने गोलू पर चाकू से कई वॉर किए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद एक स्थानीय लड़की की नजर घायल गोलू पर पड़ी।

उसे तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। सदर एएसपी शिवम धाकर मौके पर कैंप कर रहे हैं। वे परिजनों को शांत कराने का प्रयास कर रहे हैं।

जांच के लिए एसआईटी गठित : एएसपी ने बताया कि यह घटना पुरानी रंजिश का नतीजा है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी का गठन किया गया है।

इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पटना में मौजूद 27 पाकिस्तानियों को लौटना होगा, शादी और बीमारी बताकर बढ़ाया था वीजा

पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानियों का वीजा रद्द करने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। पटना जिले में 27 पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द किया गया है। सभी को जिले की विदेश शाखा से पाकिस्तान लौटने को कहा गया है। इस आदेश की कोई अवहेलना करता है तो तत्काल उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कोर्ट के आदेश के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को डी-बोर्ड भी किया जा सकता है। अधिकतर पाक नागरिकों ने शादी और बीमारी का हवाला देकर वीजा की अवधि बढ़ाई थी और यहीं रह रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, इस समय पटना जिले में कुल 27 पाकिस्तानी नागरिक एक्सटेंशन वीजा पर रह रहे हैं। सबसे अधिक पाकिस्तानी नागरिक सब्जीबाग, समनपुरा और फुलवारीशरीफ मोहल्ले में ठहरे हुए हैं। ये सभी अपने रिश्तेदारों के यहां आए थे। सूत्र बताते हैं कि पाकिस्तानी नागरिक पटना में 3 से 7 दिनों के वीजा पर पटना आए थे। बाद में सभी ने अपने वीजा का एक्सटेंशन करवा लिया। किसी ने रिश्तेदार की शादी, तो किसी ने तबीयत बिगड़ने की बात कहकर वीजा का समय बढ़वाया था। दूसरी ओर ये लोग किन-किन जगहों पर गए और वे किनके साथ रह रहे थे, किन जगहों की तस्वीर खींची है, इसकी पूरी जानकारी स्पेशल ब्रांच की टीम ले रही है।

स्थानीय थाने के जरिए कार्रवाई

पटना में ठहरे पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से वापस जाने के लिए स्थानीय थाने के जरिए नोटिस दिया गया है। वे कैसे लौटेंगे, इसकी भी जानकारी मांगी गई है। अगर फ्लाइट से पाक लौटना है तो टिकट और बोर्डिंग पास की फोटो कॉपी स्थानीय थाने को उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा दो लोगों की गवाही भी जरूरी है। ट्रेन के रास्ते पाकिस्तान जाने वाले लोगों को भी टिकट की फोटो कॉपी देनी होगी।

बिहार विधानसभा चुनाव महागठबंधन ने चार समितियां बनाई, 4 मई को बड़ी बैठक

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर पटना में गुरुवार को हुई महागठबंधन की दूसरी बैठक में कई निर्णय लिए गए। बैठक के बाद राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने बताया कि महागठबंधन ने आगामी चुनाव को लेकर घटक दलों की 4 नई साझा समितियां बनाई हैं। इनका नाम अभियान, चुनाव घोषणा पत्र, मीडिया और सोशल मीडिया कमिटी रखा गया है। इनमें आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी, सीपीआई, सीपीएम और सीपीआई माले के नेता शामिल रहेंगे। इसके अलावा 4 मई को महागठबंधन की एक बड़ी बैठक बुलाई गई है। इसमें सभी घटक दलों के जिलाध्यक्ष, सांसद, विधायक, एमएलसी मौजूद रहेंगे। तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि 4 मई को होने वाली बैठक की जगह बाद में तय की जाएगी।

उन्होंने दावा किया कि सभी जिलों में महागठबंधन के घटक दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच पूरी तरह तालमेल रहेगा। गठबंधन के नेता और कार्यकर्ता सरकार की खामियों को मिल कर उजागर करेंगे। बता दें कि महागठबंधन की पहली बैठक 17 अप्रैल को पटना स्थित आरजेडी दफ्तर में हुई थी। उस बैठक में सभी घटक दल के नेताओं ने एक कोऑर्डिनेशन कमिटी गठित करने का फैसला लिया था। इस कमिटी का अध्यक्ष तेजस्वी यादव को बनाया गया। आगामी बिहार चुनाव से जुड़े महागठबंधन के सभी तरह के फैसले यही कमिटी लेगी।

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने अमित शाह की तुलना भगवान शिव से की

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदीप मिश्रा के खिलाफ की नारेबाजी

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा के सिंहेश्वर में शिव महापुराण कथा चल रही है। इस दौरान कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तुलना भगवान शिव से की। उन्होंने कहा कि अमित शाह कलयुग में शिव का रूप हैं। उनकी मौनता और शांति के बाद तांडव जरूर देखने को मिलेगा। मुझे विश्वास है कि आतंकियों का अंत होगा। पंडित मिश्रा ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए 24 अप्रैल को अपने फेसबुक पेज पर एक वीडियो पोस्ट किया। जो अब वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही कहा है कि आतंकियों ने जाति नहीं देखी, सिर्फ हिंदू होने के आधार पर लोगों को निशाना बनाया। कथावाचक ने एक नवविवाहित युवक का उदाहरण दिया, जिसकी शादी को सिर्फ 8 दिन हुए थे। वह कश्मीर घूमने गया था, जहां उसकी गोली मार कर हत्या कर दी गई। उसकी पत्नी आज रोती-बिलखती दिख रही है। एनएसयूआई ने कथावाचक का पुतला जलाया है और कहा है कि इन्होंने शिव भक्तों का अपमान किया है।

शास्त्र से जरूरी है शस्त्र : कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने कहा कि अब समय आ गया है कि हर घर के बेटे-बेटियों को शस्त्र चलाना आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं कि घर में शास्त्र है या नहीं, लेकिन बच्चों को शस्त्र चलाना आना चाहिए। उनके इस बयान पर कथा स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियों से समर्थन जताया। हालांकि, सोशल मीडिया पर पंडित मिश्रा का यह बयान विवाद का कारण बन गया है। कई यूजर्स ने एक जीवित राजनेता की तुलना भगवान शिव से करने को अनुचित और महादेव का अपमान बताया। कुछ ने उन्हें भाजपा का प्रचारक कहा है। एक यूजर ने लिखा कि यह कथावाचन नहीं, राजनीतिक प्रचार है। कुछ अन्य यूजर्स ने इसे धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ बताया। बता दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की जान गई है। मृतकों में अधिकांश पर्यटक है। इस घटना ने देश भर में आक्रोश पैदा किया है।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदीप मिश्रा के खिलाफ की नारेबाजी : कॉलेज चौक पर गुरुवार की रात एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सिंहेश्वर स्थान में आयोजित शिव महापुराण कथा के दौरान प्रदीप मिश्रा के दिए गए एक बयान के विरोध में है। जिसमें उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बाबा भोलेनाथ का कलयुगी अवतार बताया था। बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद गहरा गया है। पुतला दहन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदीप मिश्रा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि भगवान शिव की नगरी सिंहेश्वर में अमित शाह की तुलना बाबा भोलेनाथ से करना सरासर अपमानजनक है। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष निशांत यादव ने कहा, प्रदीप मिश्रा कोई कथावाचक नहीं, बल्कि आरएसएस और भाजपा के एजेंट हैं। वे सत्संग के नाम पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। अमित शाह को भगवान शिव का अवतार बताकर उन्होंने शिव भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

निशांत यादव ने आगे कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब प्रदीप मिश्रा ने विवादित बयान दिया हो। उन्होंने दावा किया कि इससे पहले मिश्रा ने राधा-कृष्ण के बारे में अभद्र टिप्पणी की थी, जिसके चलते उन्हें मथुरा में माफी मांगनी पड़ी थी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर प्रदीप मिश्रा जल्द ही सिंहेश्वर स्थान के बाबा भोलेनाथ मंदिर में शिव भक्तों से माफी नहीं मांगते और जिला प्रशासन इस मामले में कार्रवाई नहीं करता, तो एनएसयूआई चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

बिना रजिस्ट्रेशन नहीं बिकेंगी दवाइयां मेडिकल बोर्ड की मंजूरी होगी अनिवार्य

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि राज्य में दवा कंपनियों और मेडिकल स्टोर्स का कोई भी फर्जीवाड़ा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दवा एक अति आवश्यक और संवेदनशील सामग्री है। इसके गलत या नकली प्रयोग से मरीज की जान जोखिम में पड़ सकती है, तथा उपचार में भी लाभ नहीं मिल पाता।

अतः दवाओं की खरीद-बिक्री पर स्वास्थ्य विभाग की पूरी नजर है। स्वास्थ्य गुरुवार को लोक स्वास्थ्य संस्थान (आईपीएच) सभागार में आयोजित राज्य औषधि नियंत्रण निदेशालय की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य की जनता को पारदर्शी और सुलभ तरीके से सही एवं गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। कहा कि इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आदेश दिया गया है। बैठक में राज्य औषधि परीक्षण

प्रयोगशाला और मानव संसाधनों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने औषधि निरीक्षकों से उनके द्वारा अब तक की गई कार्रवाइयों, छापेमारी और कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने यह भी बताया कि एक सप्ताह के भीतर फिर से समीक्षा बैठक की जाएगी, जिसमें सभी अधिकारी अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन के साथ उपस्थित होंगे। बैठक में प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक डॉ. चंद्र किशोर शाही, औषधि निदेशक रितु सहाय, संयुक्त निदेशक सुमन तिवारी समेत सभी जिलों के औषधि निरीक्षक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एक क्लिक में मिले दवाओं की जानकारी...: स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि ऐसी प्रणाली विकसित की जाए जिससे सभी मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध दवाओं की जानकारी एक क्लिक में मिल सके। सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को निर्देश दिया गया कि वे नियमित रूप से दवा दुकानों का निरीक्षण करें, दवाओं की गुणवत्ता और स्टॉक की जांच करें। यदि किसी दुकान में अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित दुकानदार पर सख्त कार्रवाई की जाए।

राज्य में उपलब्ध दवाओं का मांगा विवरण: स्वास्थ्य मंत्री डॉ. अंसारी ने औषधि निदेशक रितु सहाय से यह जानकारी भी ली कि राज्य में किन-किन दवाओं की उपलब्धता है और उन पर सरकार का क्या नियंत्रण है। साथ ही, उन्होंने दवाओं की गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

बिना पर्ची के कफ सिरप देना कानूनन अपराध: मंत्री ने स्पष्ट किया कि बिना डॉक्टर की लिखित पर्ची के प्रतिबंधित दवाएं या कफ सिरप देना कानूनन अपराध है, और इसे सख्ती से लागू किया जाए। उन्होंने सभी मेडिकल स्टोर्स से इसका पालन करने को कहा।

नकली दवाओं के सिंडिकेट पर करें कार्रवाई: डॉ. अंसारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नकली दवाओं के सिंडिकेट की पहचान कर उन पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त समाचार

पहलगाम आतंकी हमले पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कांग्रेस को घेरा, कहा- उनकी उल्टी सोच

लोहरदगा, एजेंसी। पहलगाम की घटना को लेकर कांग्रेस के मंत्री और नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने करारा जवाब दिया है. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन गुरुवार को लोहरदगा पहुंचे. लोहरदगा के जिला परिसदन में उन्होंने मीडिया से बातचीत की. लोहरदगा में भाजपा के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने पहलगाम की घटना को लेकर दुख जताया. इसके साथ ही कांग्रेस नेताओं की ओर से आ रहे बयानों को लेकर तीखी आलोचना की है.

लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने कहा था कि वीजा-पासपोर्ट रद्द करने की बात तो ठीक है, लेकिन एक ठोस और सैन्य कार्रवाई होनी चाहिए. वहीं, रांची में कांग्रेस के प्रेस कांफ्रेंस में 23 अप्रैल को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि यह घटना क्यों घटी है, 56 इंच का सीना क्या कर रहे थे. कांग्रेस नेताओं के इस बयान पर चंपाई सोरेन ने कहा है कि उन लोगों की सोच ही उल्टी है. सरकार कदम उठा रही है. आवश्यक कार्रवाई कर रही है. सर्वदलीय बैठक में भी फैसला लिया जाएगा.

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन लोगों (कांग्रेस) को इंतजार करना चाहिए. इस तरह का बयान ठीक नहीं है. उन्होंने कहा कि पहलगाम में घूमने गए हुए लोगों के साथ जिस प्रकार की बर्बरता हुई है. उसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है. इस प्रकार की घटना बेहद शर्मनाक घटना है. इस घटना से पूरा देश दुखी है. भाजपा नेता ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में कड़ी कार्रवाई करेंगे. सभी को केंद्र सरकार पर भरोसा रखना चाहिए. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन लोहरदगा में बीजेपी के कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करने पहुंचे थे. नगर भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे.

बोकारो रेलवे स्टेशन के पास लगी भीषण आग, 17 दुकानें जलकर राख

बोकारो, एजेंसी। रेलवे स्टेशन के समीप झोपड़ीनुमा दुकानों में गुरुवार की देर रात करीब 1ः00 बजे भीषण आग लग गई, जिसमें 17 दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गई। घटना में हालांकि किसी प्रकार की जानमाल की क्षति नहीं हुई, लेकिन दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने की शुरुआत एक गुमटी से हुई, जिसमें संभवतः शॉर्ट सर्किट कारण बताया जा रहा है। देखते ही देखते आग ने आसपास की सभी दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।

सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को कॉल किया, लेकिन लगभग एक घंटे के विलंब से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। तब तक दुकानों को बचाना संभव नहीं हो सका। जली हुई दुकानों में अमित होटल, मनोज जनरल स्टोर, राशन दुकानें व अन्य दैनिक जरूरत की दुकानें शामिल थीं।

अमित होटल के मालिक अमित कुमार ने बताया कि रोज की तरह उन्होंने रात 11ः30 बजे दुकान बंद की थी और कर्मचारी दुकान पर ही सो रहे थे। अचानक आग लगने की खबर मिली और बुझाने का प्रयास किया गया, पर आग की लपटें तेज थीं। मनोज कुमार, जिनकी राशन दुकान जल गई, ने बताया कि यह उनकी आजीविका का एकमात्र साधन था। वहीं दुकानदार भीम प्रसाद का कहना है कि उनके पूरे परिवार की जीविका इसी दुकान पर निर्भर थी, अब सब कुछ खाक हो गया है। स्थानीय मंटू दीक्षित ने बताया कि लगभग दो बजे अपने बेटी को लेने के लिए स्टेशन आए थे तो देखा की आग लगी हुई।

सिरमटोली रैंप निर्माण को लेकर आमने-सामने स्थानीय और प्रशासन, महिला इंस्पेक्टर से धक्कामुक्की

रांची, एजेंसी। सिरमटोली फ्लाईओवर का विवाद एक बार फिर से चरम पर पहुंच गया है. गुरुवार की देर रात जैसे ही कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा रैंप निर्माण का काम शुरू किया गया, निर्माण का विरोध करने के लिए देर रात दर्जनों लोग सिरम टोली पहुंच गए. इस दौरान पूरे सिरम टोली चौक को पुलिस छावनी में तब्दील करना पड़ा. आधी रात तक रैंप का विरोध कर रहे लोगों के साथ रांची पुलिस जूझती रही. इस दौरान जमकर हंगामा हुआ.

रांची के सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप के निर्माण को लेकर देर रात गुरुवार से जमकर हंगामा हो गया. सिरमटोली फ्लाईओवर का निर्माण कर रही कंपनी ने गुरुवार की देर रात रैंप का निर्माण शुरू किया, जैसे ही इसकी जानकारी आदिवासी संगठन को हुई, वह सिरमटोली पहुंचे और निर्माण कार्य का विरोध करने लगे.

आदिवासी संगठन के विरोध को देखते हुए पूरे सिरमटोली चौक को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया. आननफानन में रांची के सिटी एसपी, डीएसपी सहित कई थानेदार मौके पर पहुंचे. इस दौरान पुलिस और रैंप विरोधी लोगो के बीच जमकर कहासुनी हुई. डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद के साथ विरोध कर रही कई महिलाओं ने धक्कामुक्की की.

गुरुवार की रात 12 बजे तक पुलिस और रैंप विरोधियों के बीच तनातनी रही. निर्माण के लिए लाए गए जेसीबी के सामने बार बार आदिवासी संगठन के लोग सामने आ जा रहे थे. इस दौरान काफी हंगामा हुआ. आदिवासी संगठनों का आरोप है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा आदिवासियों को धोखा दिया जा रहा है. सरना स्थल को लेकर रैंप का विरोध समाज के द्वारा किया जा रहा है. लेकिन सरकार पूरे मामले में चुप्पी सादे हुए अब इस मामले को लेकर सरकार का ही विरोध किया जाएगा.

बोकारो जनरल अस्पताल के स्कूल ऑफ नर्सिंग में प्रथम वर्ष की छात्राओं का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

निज संवाददाता | बोकारो

बोकारो जनरल अस्पताल के स्कूल ऑफ नर्सिंग में जनरल नर्सिंग एवं मिडवाइफरी (GNM) के प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत में स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या नीलिमा कुमारी ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. बी.बी. करुणामय, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रभारी, बोकारो जनरल अस्पताल के द्वारा परम्परागत रूप से दीप प्रज्वालित कर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. बी.बी. करुणामय ने अपने संबोधन में नर्सिंग पेशे को सेवा, संवेदना और समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने छात्राओं को मानव सेवा के प्रति समर्पित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि एक नर्सिंग सिस्टर प्रत्येक मरीज के लिए आशा, सहानुभूति और विश्वास की प्रतिमूर्ति होती है। उन्होंने इसके उपरांत पारंपरिक रूप से नर्सिंग शपथ दिलाई, जिसमें 40 छात्राओं ने निष्ठा और सेवा भाव के साथ नर्सिंग पेशे की शपथ ली। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। आनंद कुमार, डॉ। अनिंद मंडल एवं डॉ। इंद्रनील चौधरी, एडिशनल मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। वर्षा घाणेकर, स्कूल ऑफ नर्सिंग की अध्यक्ष डॉ। सोफिया, वरिष्ठ चिकित्सकगण, छात्राएं एवं स्टाफ नर्सें बड़ी संख्या में उपस्थित थें। कार्यक्रम में प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिनमें उनके उत्साह और रचनात्मकता की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का संचालन तृतीय वर्ष की छात्राएं तनुश्री और अनुष्का ने किया।

बेस्ट एम्प्लोयी ऑफ़ द मंथ अवॉर्ड कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बोकारो (नि.सं.)। बी एस एल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में मार्च 2025 के लिए "बेस्ट एम्प्लोयी ऑफ़ द मंथ अवॉर्ड" का आयोजन किया गया जिसमें आठ (08) कर्मचारियों को उनके कार्य में विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया। इस समारोह में अधिशासी निदेशक (संकार्य) सी आर महापात्रा, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) हरिमोहन झा के साथ संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष सहित अन्य वरीय अधिकारी तथा पुरस्कार प्राप्त करने वाले कार्मिक तथा उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे। अधिशासी निदेशक (संकार्य) ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस सफलता में कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवार का भी काफी योगदान है तथा उन्हें प्रोत्साहन के क्रम में बधाई देते हुए कहा कि कर्मचारियों को अपने रोज के कार्यों के अलावा नित नई चुनौतियों को स्वीकार कर उनका समाधान निकालना चाहिए तथा विकास की गति को बनाये रखना चाहिए।

नक्सलियों का खतरनाक प्लान आया सामने, 35 पेन ड्राइव और मेमोरी कार्ड से खुला राज

बोकारो, एजेंसी। बीते सोमवार को लुगू पहाड़ पर हुए मुठभेड़ में मारे एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग व उसके सहयोगियों के पास से पुलिस ने 35 पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड बरामद किया है। यहां से दो सैमसंग कंपनी का टैब भी मिला है। बरामद पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड व टैब को पुलिस ने खंगालना शुरू कर दिया है।

मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड से लेकर टैब में लाल आतंक को सींचने के लिए मिलने वाले लेवी का ब्यौरा उपलब्ध है। संगठन के निचले स्तर से लेकर थिंक टैंक का नाम पता समेत अन्य जानकारियां भी इसमें मौजूद हैं।

प्रशिक्षण देने के तरीके भी इसमें बताए गए हैं। संगठन के प्रचार-प्रसार का मैटेरियल भी इसमें

है। बताया जा रहा है कि भविष्य की नक्सली संगठन की योजनाएं भी इसमें दर्ज हैं। पुलिस को इससे मिली जानकारियों के आधार पर नक्सल संगठन के जड़ से उखाड़ने में काफी मदद मिलेगी। लाल आतंक को लेवी देकर आर्थिक मजबूती देने वालों की भी सूची भी इसमें है। इनकी भी नकेल अब पुलिस कस पाएगी।

बताया जा रहा है कि चार घंटे तक नक्सलियों व पुलिस के बीच चली मुठभेड़ में हुई थी। इधर इस बार की भुठभेड़ में एक भी एक-47 राइफल नहीं बरामद हुई। वजह बताई जा रही है कि बीते जनवरी माह में पुलिस की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई थी। उस समय दो एके-47 राइफल को पुलिस ने बरामद किया था।

एक एके-47 राइफल बिहार के जमुई का रहने वाला नक्सली अरविंद यादव उर्फ अविनाश का था। उस समय के मुठभेड़ में वह अपना यह हथियार छोड़कर भाग निकला था। पुलिस जनवरी में इसके हथियार को बरामद की थी। तबसे स यह एसएलआर राइफल लेकर ही चल रहा था। एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग के पास भी एके-47 राइफल नहीं थी। सुरक्षा बलों से पुलिस के एक-47 राइफलों समेत अन्य उन्नत हथियारों का मुकाबला नक्सली नहीं कर पाए और इन्हें मार गिराया गया। मुठभेड़ के बाद नक्सलियों का 35 पेन ड्राइव व मेमोरी कार्ड पुलिस के हाथ लगा है। इसमें नक्सली संगठन के बारे में कई जानकारियां हैं। प्रशिक्षण, लेवी, प्रचार-प्रसार समेत मनोरंजन से संबंधित मैटेरियल इसमें हैं।

2029 तक 10 लाख लीटर प्रतिदिन दूध उत्पादन का लक्ष्य: शिल्पी नेहा तिर्की

रांची, एजेंसी। रीजनल मिल्क यूनियन के गठन को लेकर रांची के होटवार में जागरूकता सह क्षमता उन्नयन कार्यशाला का आयोजन किया गया. झारखंड मिल्क फेडरेशन की ओर से आयोजित किए गए कार्यशाला में राज्य की कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल हुईं. इस कार्यक्रम में राज्य की कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने कहा कि दूध उत्पादन के क्षेत्र में राज्य लंबी छलांग लगाए, इसके लिए झारखंड मिल्क फेडरेशन को अभी से जुट जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 तक के लिए उन्होंने राज्य में दूध उत्पादन का नया लक्ष्य 10 लाख लीटर प्रति दिन तय किया है।

रांची के होटवार स्थित मेधा डेयरी के परिसर में आयोजित कार्यशाला में कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने श्वेत क्रांति की ओर इशारा करते हुए कहा कि आज वर्गीज कुरियन के प्रयास और सफलता से हम सभी को सीख लेने की जरूरत है. अपना राज्य झारखंड भी उसी श्वेत क्रांति की राह पर आगे बढ़ रहा है. एक समय में दूध उत्पादन 40 हजार लीटर प्रति दिन था, जो आज बढ़कर 02 लाख लीटर प्रतिदिन से ज्यादा हो गया है. अब 2029 तक 10 लाख लीटर प्रति दिन दूध उत्पादन का लक्ष्य है।

उन्होंने यह भी कहा कि अगले चार साल के बाद जेएमएफ को किसानों के माध्यम से ही संचालित किया जाएगा, क्योंकि नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग का सफर 2029 में खत्म होने जा रहा है. ऐसे में राज्य के किसानों और पशुपालकों के कंधों पर बड़ी जिम्मेवारी आने वाली है और इसके लिए उन्हें तैयार रहना होगा. कृषि मंत्री ने कहा कि आज झारखंड मिल्क फेडरेशन का टर्न ओवर 430 करोड़ तक पहुंच गया है, लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि कई दूसरे राज्यों में ये आंकड़ा हमसे अधिक का है . कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड के किसानों से मुझे काफी अपेक्षाएं है. अब तक ग्रामीण स्तर पर 170 सोसाइटी का गठन हो चुका है. अब बारी रीजनल स्तर पर सोसाइटी गठन की है. ये एक सेतु के रूप में काम करेगा।

उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य राज्य में सिर्फ दूध उत्पादन को बढ़ाना ही नहीं है, बल्कि किसानों-पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त करना भी है. किसान कैसे सशक्त होंगे, इस पर काम करने की जरूरत है. झारखंड देश का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां गो पालक किसानों को 5 रुपए प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जा रही है. राज्य के किसानों के लिए गठबंधन वाली सरकार का दिल और दरवाजा हमेशा खुला है. सहकारिता एक कानून है जिसके साथ जुड़ना आपका मौलिक अधिकार है।

पांचों प्रमंडल में यूनियन का हो गठन: कांके विधायक

इस कार्यक्रम में शामिल कांके से कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि राज्य की कृषि मंत्री कृषि, दुग्ध उत्पादन, बाजार -हाट के सौंदर्यीकरण को लेकर बेहद गंभीर हैं. राज्य में मांग के अनुरूप दूध का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है. राज्य के सभी 5 प्रमंडल में यूनियन का गठन कर इसे और बेहतर बनाया जा सकता है. कांग्रेस विधायक ने कहा कि जहां एक ओर केंद्र की भाजपा सरकार किसान विरोधी है, वहीं उनके नेता राहुल गांधी और राज्य में चल रही इंडिया गठबंधन की सरकार, किसानों के हितों की रक्षा करने वाली है। राज्य के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता सचिव अबू बकर सिद्दिकी ने कहा कि आज राज्य के सभी 24 जिलों में झारखंड मिल्क फेडरेशन काम कर रहा है. जेएमएफ में किसानों की सहभागिता बढ़ाने और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है. एनडीडीबी से अलग होने तक जेएमएफ को अपने बूते आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह से कमर कस लेना होगा. इस मौके पर मेधा डेयरी के डायरेक्टर ने तुलनात्मक रूप से पिछले कुछ वर्षों की तुलना में बेहतर काम करने की रिपोर्ट कार्यशाला में पेश की. मंच से बेहतर काम करने वाले तीन समितियों को पुरस्कृत भी किया गया.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

भेदभाव के खिलाफ

संघ प्रमुख मोहन भागवत का 'एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान' की अपील करना बताता है कि हिंदू समाज में जाति का दंश अब भी कितना गहरा है। जातीय पहचान को सम्मान से जोड़कर देखा जाता है और इसकी वजह से बदलाव बहुत धीमा है। ऐसे में भागवत का बयान स्वागतयोग्य है। सामाजिक रूढ़ियों के अलावा राजनीतिक वजहों ने भी देश में जाति को कभी मरने नहीं दिया। यही वजह है कि आज भी दलित दूल्हे का घोड़ी चढ़कर जाना कई लोगों को रास नहीं आता। आगरा की एक घटना सामने है, जहां आरोप है कि दलित दूल्हे को पीटा गया। पिछले साल एमपी के दमोह में बग्घी पर बैठने पर दलित दूल्हे के साथ मारपीट की गई थी। यहां तक कि मंदिर भी भेदभाव से अछूते नहीं। पिछले ही महीने पश्चिम बंगाल के गिधाग्राम स्थित एक शिव मंदिर में दलित समुदाय को सदियों बाद प्रवेश मिला, तो तमाम लोग नाराज हो गए। सबसे बड़ी समस्या है कि देश में जाति से जुड़े भेदभावों को एक बड़ा तबका अब भी गलत नहीं मानता। उसकी नजर में यह स्वाभाविक व्यवहार है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने पिछले साल अक्टूबर में एक आरटीआई के तहत पूछे गए सवाल के जवाब में बताया था कि चार साल के भीतर उसके पास 47 हजार से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें दलितों के खिलाफ अत्याचार, भूमि विवाद और सरकारी नौकरियों से संबंधित मुद्दे प्रमुख रहे। इस तरह की घटनाएं जाहिर करती हैं कि समरसता का सपना अभी दूर है। इन हालात में अगर संघ, समाज में गहरे पैठ बना चुके विभाजन को खत्म करने की अपील और सामूहिक पहचान पर जोर देता है तो इसे सकारात्मक रूप में लेना चाहिए। संघ प्रमुख ने त्योहारों को साथ मिलकर मनाने और सभी को अपने घरों पर आमंत्रित करने के लिए कहा है। पर्व-त्योहार वैसे भी लोगों को करीब लाते हैं। इन मौकों का इस्तेमाल भेदभाव के खिलाफ किया जाए, तो परिवर्तन आ सकता है। भागवत ने कहा है कि शांति और समृद्धि के मामले में दुनिया भारत की तरफ देख रही है। स्वयंसेवकों को हर घर में एकता और भाईचारे की भावना जगाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। समाज खुद नहीं बदल सकता।

नौकरी की चिंता

पश्चिम बंगाल में करीब पच्चीस हजार शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक नियुक्तियों पर सर्वोच्च न्यायालय ने जैसी संवेदना के साथ विचार किया है, उसकी सराहना होनी चाहिए। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने इन नियुक्तियों को निरस्त कर दिया था। अब अगर नियुक्तियों को अगले आदेश तक के लिए फिर बहाल कर दिया गया है, तो इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि अदालत को बच्चों की पढ़ाई की चिंता है। खास तौर पर नौवीं-दसवीं और ग्यारहवीं-बारहवीं के छात्रों को पढ़ाने वाले शिक्षकों का बहुत टोटा हो जाता, क्योंकि निरस्त नियुक्तियों वाले शिक्षकों में इन कक्षाओं में पढ़ाने वाले ज्यादा हैं। अत- ताजा फैसला बिल्कुल सही है। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले बेदाग सहायक शिक्षक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। ध्यान रहे, अदालत को नियुक्तियों में हुए घोटाले को लेकर तनिक भी शक नहीं है, घोटाला तो हुआ है और नई नियुक्तियां भी जरूर होंगी। अभी अदालत ने यही कहा है कि यह फैसला छात्रों के हित में लिया गया है। बेशक, अगर छात्रों के हित का ध्यान नहीं रखा जाता, तो पश्चिम बंगाल में लाखों छात्र-छात्राओं को पढ़ाई का नुकसान होता। यह फैसला छात्रों को भी सुकून पहुंचाएगा और योग्य शिक्षक भी कुछ समय तक अपनी नौकरी को लेकर आश्वस्त रहेंगे। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना व न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने मानवीयता के आधार पर छात्रों और शिक्षकों की प्रार्थना को स्वीकार किया है। अदालत के आदेश पर पश्चिम बंगाल सरकार को 31 मई तक नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करनी है और 31 दिसंबर तक प्रक्रिया को पूरा कर लेना है। वाकई, जो योग्य शिक्षक हैं, जो विगत आठ वर्ष से पढ़ा रहे हैं, उन्हें नौकरी से निकालना अमानवीय ही कहा जाएगा, लेकिन यह पश्चिम बंगाल सरकार की विफलता है कि वह योग्य और अयोग्य शिक्षकों के बीच अंतर करने में नाकाम रही। जो अयोग्य शिक्षक थे, उनके चलते योग्य शिक्षकों की भी नौकरी खतरे में है। अक्सर ऐसा होता है कि चंद अयोग्य लोग पूरी व्यवस्था पर दाग लगा देते हैं। अभी इस भर्ती घोटाले की जांच सीबीआई कर रही है और जैसी सूचनाएं सामने आ रही हैं, उनसे कतई आश्चर्य नहीं होता। भर्ती में लगभग हर स्तर पर ईमानदारी का मखौल उड़ाया गया है।

कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका- इस टकराव का अंजाम क्या होगा?

(अजय बोकिल)

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल में विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयको को सम्बन्धित राज्यपालों द्वारा अनंत काल तक रोक कर 'पॉकेट वीटो' करने की प्रवृत्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने जो निर्णय दिया है, उससे विधायिका में भारी कसमसाहट है। सत्तापक्ष का मानना है कि यह कार्यपालिका के क्षेत्र में न्यायपालिका का अनावश्यक हस्तक्षेप है। अदालतें कार्यपालिक प्रमुखों जैसे राष्ट्रपति और राज्यपालों को निर्देशित कैसे कर सकती हैं। दूसरी तरफ न्यायपालिका का मानना है कि यदि कार्यपालिक प्रमुख अपने संवैधानिक दायित्वों की व्याख्या मनमाने और सियासी गुणा भाग के हिसाब से करेंगे तो न्यायपालिका को न्यायदंड अपने हाथ में लेना ही पड़ेगा। तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के इस मामले में सरकार तो सीधे तौर पर कुछ नहीं कह रही है, लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने तो सीधा सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट सुपर संसद की तरह काम न करे। हालांकि, उपराष्ट्रपति के इस तेवर पर भी विधि विशेषज्ञ दो खेमों में बंट गए हैं, एक इस पर आपत्ति जता रहा है तो दूसरा इसे 'साहसिक' बता रहा है। तो क्या अब संविधान के दो मूलभूत अंग न्यायपालिका और कार्यपालिका ही एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए हैं? क्या यह स्थिति हमारे लोकतंत्र के लिए सुखकर है? क्या इस सैद्धांतिक द्वंद्व का कोई सकारात्मक नतीजा निकलेगा या फिर एक दूसरे की मुश्कें कसने की पूर्वपीठिका तैयार की जा रही है? अगर ऐसा है तो यह लोकतंत्र के लिए घातक है। क्योंकि वैचारिक द्वंद्व होना अलग बात है और अधिकारों का अतिक्रमण और मर्यादा का सीमांकन की जिद होना दूसरी बात। इस द्वंद्व कार्यपालिका, विधायिका से समर्थन चाहेगी, जो हो भी रहा है। क्योंकि स्वतंत्र और प्रभावी न्यायपालिका (जो आज खुद सवालों के घेरे में है) अक्सर कार्यपालिका के कान उमेठती रहती है और कभी कभार विधायिका को भी निर्देशित करती है। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल रवि के मामले में स्पष्ट फैसला देते हुए राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी की समय सीमा 3 माह तय कर दी। कोर्ट ने कहा कि यदि इस समयावधि में राज्यपाल विधेयक पर कोई फैसला नहीं लेते हैं तो उन्हें स्वत- कानून माना जाए। लिहाजा तमिलनाडु में ऐसे 10 विधेयक बिना राज्यपाल के हस्ताक्षर के कानून बन चुके हैं। यह अभूतपूर्व स्थिति है। यही नहीं न्यायपालिका ने राज्यपालों के साथ साथ राष्ट्रपति द्वारा भी किसी विधेयक पर मंजूरी की समयावधि तीन माह तय कर दी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे.बी.पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ द्वारा दिए गए इन फैसलों को एक वर्ग न्यायपालिका द्वारा अपनी मर्यादा के उल्लंघन के रूप में देख रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग इसे न्यायपालिका की सक्रियता और निर्भीकता का प्रमाण मान रहा है। इस दूसरे वर्ग का मानना है कि अब लोकतंत्र बचने की आस केवल न्यायपालिका से ही है, क्योंकि बाकी दूसरी लोकतांत्रिक संस्थाओं ने सत्तातंत्र की दबंगई के आगे घुटने टेक दिए हैं। जबकि, सत्तातंत्र जिसमें विधायिका के साथ साथ कार्यपालिका भी शामिल है, इसे अपने अस्तित्व और वैधता पर न्यायपालिका का स्पष्ट अतिक्रमण मान रही है, जोकि पूरी तरह अस्वीकार्य है। सर्वोच्च अदालत से इस फैसले से सरकार विचलित है। बताया जाता है कि वह जल्द ही इस फैसले पर सुधार याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करेगी। लेकिन यदि कोर्ट ने अपना फैसला कायम रखा तो क्या सरकार उसे खारिज करने क्या सरकार नया कानून संसद से पास कराएगी? यूं यह कानूनी और संवैधानिक बहस का मुद्दा है कि भारतीय लोकतंत्र के आधारभूत तत्वों की लक्ष्मण रेखाएं कहां तक हैं? कहां उनका अतिक्रमण होता है और कहां वो शीलभंग के दायरे में हैं? अगर ऐसा हो रहा है तो उसे कैसे रोका जाए? खास कर उस दौर में जहां न्यायपालिका भी संदेह के घेरे में हो, विधायिका और कार्यपालिका खुद को सर्वेसर्वा मानने लगे। भारतीय संविधान मूल रूप से तीन पहियों की गाड़ी पर चलता है। ये हैं, विधायिका, जो देश के लिए कानून बनाती है, न्यायपालिका जो कानून की व्याख्या करती है और उसका पालन करवाने की समीक्षा करती है, और कार्यपालिका जिसका काम कानून पर अमल करवाना है। संविधान में ये तीनो अपने आप में स्वतंत्र लेकिन परस्पर जवाबदेह तथा एक दूसरे को संतुलित करने वाली सत्ताएं हैं। न्यायपालिका से अपेक्षा नहीं है कि वह विधायिका की जगह ले ले या फिर कार्यपालिका ही किसी कानून की मनमानी व्याख्या करने लगे। कार्यपालिका, जिसके पास वास्तविक सत्ता और अधिकार होते हैं, वह विधायिका और न्यायपालिका दोनो के प्रति जवाबदेह है। संविधान में राज्यपाल को राज्य का संरक्षक माना गया है। लेकिन हकीकत में ज्यादातर मामलों में राज्यपाल दिल्ली सरकार के एजेंट की तरह ही व्यवहार करते हैं और केन्द्र में सत्तारूढ़ दल के अजेंडे को प्राथमिकता से पूरा करने में पूरी ताकत लगा देते हैं। दिक्कत तब होती है, जब राज्य में विपक्षी पाटी की सरकार होती है। वहां राज्यपालों का व्यवहार राज्य के अभिभावक की तरह कम एक राजनीतिक अभिकर्ता के रूप में ज्यादा दिखाई पड़ता है। विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को रोकना और रोकने का कारण भी न बताना संवैधानिक खामियों और राजनीतिक स्वार्थों की वजह भले गलत न लगे, लेकिन राज्यपाल की नीयत पर सवालिया निशान जरूर लगाता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने 'अति सक्रियता' का परिचय देते हुए राज्य और देश के संवैधानिक प्रमुखों की जवाबदेही और समय सीमा तय कर दी। अर्थात यह काम राज्य प्रमुखों के विवेक पर नहीं छोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि विधानसभा द्वारा पारित बिल के मामले में राज्यपाल अथवा राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो (पॉकेट वीटो) का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला नैतिक रूप से विपक्षी पार्टियों की जीत है, जिसको लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बिफरे हुए हैं। लिहाजा उन्होंने कुछ बुनियादी संवैधानिक सवाल उठाए हैं, जिनके उत्तर अपेक्षित हैं।

उपराष्ट्रपति ने बिलों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय सीमा तय करने के फैसले पर आपत्ति जताते हुए राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के कार्यक्रम में कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24×7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है।

मानव सभ्यता को बचाने के लिये पृथ्वी संरक्षण जरूरी

(ललित गर्ग)

190 से अधिक देशों को पृथ्वी दिवस में शामिल करते हुए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है जो प्लास्टिक प्रदूषण, नवीकरणीय संसाधन, ग्लोबल वार्मिंग और टिकाऊ जीवन जैसी प्रमुख पर्यावरणीय चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता संकट को रोकने के लिए कार्रवाई का एक क्रांतिकारी आह्वान है पृथ्वी दिवस जो पूरे विश्व में 22 अप्रैल को मनाया जाता है। पृथ्वी या सृष्टि के संरक्षण और स्थिरता के लिए जागरूकता पैदा करना इसलिये आवश्यक हो गया कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण प्रकृति एवं पर्यावरण पर गहरे संकट है। वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम है 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह', जो यह स्पष्ट करता है कि जलवायु परिवर्तन और हमारे पर्यावरण के दुरुपयोग से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा की तत्काल आवश्यकता है। हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन् 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। 190 से अधिक देशों को पृथ्वी दिवस में शामिल करते हुए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है जो प्लास्टिक प्रदूषण, नवीकरणीय संसाधन, ग्लोबल वार्मिंग और टिकाऊ जीवन जैसी प्रमुख पर्यावरणीय चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। वृक्षारोपण, सफाई अभियान, शैक्षिक अभियान और वकालत वैश्विक स्तर पर सरकारों, संगठनों, स्कूलों और समुदायों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में से हैं। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक सही निर्णय लेने तथा पृथ्वी के अनुकूल नीतियों के पक्ष में खड़ा करता है और इस बात पर जोर देता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप कहीं भी रहते हों, आप पृथ्वी को अधिक स्वस्थ और टिकाऊ बनाने में योगदान दे सकते हैं और ऐसा करते हुए शांति की स्थापना एवं शांतिपूर्ण जीवन को सुदृढ़ बना सकते हैं। इस दिवस के माध्यम से ऐसे विचारों एवं जीवनशैली को संगठित करना है जिससे पर्यावरण नीति निर्माता सरकारों को प्रेरित करें ताकि पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए कानूनों और प्रथाओं में बदलाव हो सके एवं वैज्ञानिक नवाचारों और हरित प्रौद्योगिकियों के विचार को बल देते हुए पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने और भविष्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा सके। आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रूव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी एवं अनेक नयी-नयी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी। इसीलिये विश्व पृथ्वी दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन को संभव बनाने की दिशा में काम करेगा क्योंकि यह पर्यावरण जागरूकता की संस्कृति को विकसित करता है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को पृथ्वी का सक्रिय संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5712

	4	7			3			5
			6	8	7		4	
			2	4		9		7
		6					1	8
				1				
2	7					5		
8		5		6	1			
	9		8	5	2			
1			9			8	5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5711

1	4	7	9	5	3	8	2	6
9	5	3	8	6	2	4	7	1
6	2	8	1	7	4	9	5	3
3	6	9	7	1	8	5	4	2
4	1	2	3	9	5	6	8	7
7	8	5	4	2	6	1	3	9
2	9	1	5	8	7	3	6	4
5	3	6	2	4	1	7	9	8
8	7	4	6	3	9	2	1	5

आज का राशिफल

मेष

आज लोगों को करियर के मामले में सोचसमझकर काम करने की सलाह है। आर्थिक मामलों में अस्थिरता और रुकावट का संकेत मिल रहा है। कार्यस्थल पर सहयोग की कमी से उत्पादकता पर असर पड़ सकता है। घरेलू ज़रूरतों को पूरा करने के लिए धन खर्च बढ़ेगा, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। शाम के वक्त आपको राहत मिलेगी।

वृष

आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके लिए चंद्रमा लाभ स्थान में गोचर कर रहा है, जिससे भोग-विलास की प्रवृत्तियां बढ़ेंगी और आपको धन लाभ होगा। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में दान-पुण्य की भावना से धन खर्च होगा। व्यापार में नई योजनाओं की शुरुआत हो सकती है, जो भविष्य में लाभकारी सिद्ध होंगी।

मिथुन

आज करियर में लाभ के योग बन रहे हैं और आपको जो आर्थिक मामलों में लाभ होगा। व्यवसाय में आपकी भागीदारी से लाभ होगा। हालांकि शाम से अनपेक्षित खर्चों का सिलसिला शुरू हो सकता है, विशेषकर यात्रा, दवाइयों या बच्चों की जरूरतों से संबंधित खर्चों में वृद्धि होगी।

कर्क

आज ग्रहों की शुभ दशा बेहद शुभ है। निर्णय लेने की आपकी क्षमता से आपको आर्थिक लाभ होगा। व्यापार में रुके हुए पैसे मिलने की संभावना है। यदि कोई सरकारी या कानूनी मामला अटका है तो उसमें भी सफलता के योग बन रहे हैं। दिन के उत्तरार्ध में धार्मिक कार्यों या अनुष्ठान पर खर्च बढ़ सकता है। आपको धन लाभ होगा।

सिंह

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपको अचानक से कुछ चिंताओं का सामना करना पड़ सकता है। मानसिक चिंता हो सकती है, जिससे आर्थिक निर्णयों में असमंजस उत्पन्न हो सकता है। लेकिन पारिवारिक प्रेम व सहयोग से आप समय पर सुधार करेंगे। रात्रि में अतिथियों के आगमन से आकस्मिक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। संभलकर बजट बनाएं।

कन्या

आज भाग्य साथ दे रहा है। दिन आर्थिक रूप से शुभ संकेत दे रहा है। आप किसी दीर्घकालीन निवेश की योजना बना रहे हैं तो आपको अचानक से लाभ हो सकता है। परिवार में बुजुर्गों के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से धन से संबंधित निर्णय लाभकारी सिद्ध होंगे।

तुला

आज लोगों को आर्थिक लाभ होगा। आपकी आर्थिक गतिविधियां सक्रिय रहेंगी। कार्यों के प्रति समर्पण बना रहेगा, जिससे रुके हुए कार्यों में प्रगति होगी। यदि आप नया निवेश करने की सोच रहे हैं, शाम के वक्त आपका वाहन खराब होने से आपके सामने कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। धैर्य और विवेक से लिए गए निर्णय आर्थिक हानि से बचा सकते हैं।

वृश्चिक

आज करियर के मामले में दिन लाभ से भरा होगा। दिन आर्थिक दृष्टि से संतुलित रहेगा। अधिक परिश्रम का फल आपको धन लाभ के रूप में मिल सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो पदोन्नति या वेतन वृद्धि के संकेत हैं। कोई पुराना उधार भी वापस मिल सकता है। परिवार से जुड़ी कोई शुभ सूचना आपको मिलने से आपके लाभ में वृद्धि होगी और आपके रुके कार्य पूर्ण होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

मकर

आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन मिश्रित है। आपका खर्च घर में किसी के बीमार होने से अचानक से बढ़ सकता है। निवेश या उधारी देने से बचें। हालांकि सायंकाल के बाद कुछ सकारात्मक समाचार मिल सकता है जो आपके मनोबल को ऊंचा करेगा। रात्रि को सामाजिक या मांगलिक आयोजन में भाग ले सकते हैं और आपके धन में वृद्धि होने के योग हैं।

कुंभ

आज करियर में बड़ी सफलता के योग बन रहे हैं और आपके द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लिए गए साहसिक निर्णय लाभ देंगे। पुराने रुके हुए धन को प्राप्त करने के लिए रणनीति बना सकते हैं। आय की संभावनाएं बनेंगी लेकिन खर्च पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। स्वास्थ्य को लेकर खर्च संभव है, आपको धन लाभ होगा और आर्थिक मामलों में तरक्की होगी।

धनु

आज का दिन उत्तम रहने की संभावना है, परंतु अष्टम भाव में चंद्रमा का गोचर संकेत देता है कि खर्च सोच-समझकर करें। दिन का पूर्वार्ध कार्यों में व्यस्तता लाएगा, वहीं सायंकाल के बाद विलासिता से जुड़ी वस्तुओं पर खर्च की प्रवृत्ति बढ़ेगी। यदि निवेश करना चाह रहे हैं तो विशेषज्ञ सलाह अवश्य लें। ज्ञान और विवेक से आप लाभ की स्थिति में रहेंगे।

मीन

आज आपको को लाभ होगा और आपकी ग्रहदशा शुभ है। आपको हर मामले में लाभ के संकेत मिल रहे हैं। आपको किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति हो सकती है या पूर्व में किया गया निवेश लाभ दे सकता है। अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए आप धन का उपयोग करेंगे। परोपकार व धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा और आपके अंदर दान की प्रवृत्ति रहेगी।

वर्ग पहेली 5712

1	2	3	4		■	5	6
7				■	8		
	■	9		10	■		■
11	12	■	13		14		15
16				■	■	■	
■		■	17	18		■	■
19		20	■		■	21	22
23					■	24	

संकेत: बाएं से दाएं
1. मध्यप्रदेश की एक औद्योगिक बस्ती जो अपने अखबारी कागज मिल के लिए प्रसिद्ध है (5)
5. कच्चे आम या इमली का बना खट्ठा-मीठा पेय पदार्थ (2)
7. कुलबुलाहट, कुलबुलाने का भाव (4)
8. यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है (3)
9. यह अरब का एक प्रायद्वीप है जिसकी राजधानी दोहा है (3)
11. निग्रह, दो की संख्या (2)
13. वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के सुअवसर पर लिखा जाए (5)
15. वेतन, पगार, निश्चित अवधि में मिलने वाला पारिश्रमिक शुल्क (4)
17. गणित में से संख्याओं का योग (3)
19. हिम्मत, पराक्रम, बहादुरी (3)
21. रजनीमुख, संध्याकाल, सांझ (2)
23. दिल या मन के अंदर ही, चुपचाप (5)
25. ख्याति, शोहरत, प्रसिद्धि (2)

ऊपर से नीचे
1. ईमानदार और सच्चा (5)
2. नाव के मस्तूल से बांधा जाने वाला कपडा (2)
3. लवण, नोन (3)
4. बात या सही अर्थ न समझना (6)
5. शलभ, पतंगा, टिड्डा (4)
6. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
10. प्रवृत्तिशील, ध्यानमग्न (1)
12. मन को रिझाने वाला (5)
14. घी, जौ, तिल आदि को मंत्र पढ़ते हुए अग्नि में डालने का कृत्य (3)
15. यह गौतम बुद्ध की माता का नाम था (2)
18. एशिया महाद्वीप में स्थित देश जिसके निकटतप पडौसी देश, चीन कोरिया तथा रूस है (3)
19. गाए जाने वाले वेदमंत्र (2)
20. हस्ताक्षर, यथार्थ, दस्तखत (2)
21. कंधा, जुलाहे की कूंची (2)
22. मेरा या मेरी (संस्कृत) (2)

वर्ग पहेली 5711 का हल

ने	पा	ल	■	क	ना	डा	■
की	म	त	■	मा	न	क	■
औ	■	खो	ल	ना	■	घ	ना
र	फ्ता	र	■	■	प	र	म
ब	■	■	अ	न	र्थ	■	क
दी	वा	ने	खा	स	■	त	र
■	■	म	त	■	ख	म	ण
बे	रू	त	■	फ	र	सा	■

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

संक्षिप्त समाचार

शॉर्ट सर्किट से डीआरएम ऑफिस में लगी आग, मची अफरातफरी

चंदौली, एजेंसी। चंदौली नगर के यूरोपियन कॉलोनी स्थित डीआरएम ऑफिस बिल्डिंग में शुक्रवार की सुबह आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी आग से सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यालय में रखे फर्नीचर, महत्वपूर्ण फाइल आदि जल गए। सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई।

पं दीनदयाल उपाध्याय रेल मंडल के कार्यालय में लगभग 700 कर्मचारी रहते हैं। चार मंजिला भवन के बीच में खाली जगह है और यहीं पर लिफ्ट लगा है। इसके बगल में सेवानिवृत्त कर्मियों के बैठने के लिए कमरा और कार्यालय बना हुआ है। इसके ऊपर वरीय मंडल सुरक्षा अधिकारी का कार्यालय और एकाउंट विभाग है।

रात में डीआरएम कार्यालय में विभिन्न विभागों के कंट्रोल में ही कर्मचारी रहते हैं। शुक्रवार की भोर में सेवानिवृत्त कर्मियों के कमरे में आग लग गई। जब तक लोगों को पता चलता आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त कार्यालय और एकाउंट कार्यालय तक पहुंच गई।

इस घटना से मौके पर अफरा तफरी मच गई। कर्मियों ने पहले तो अग्निशामक यंत्र से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग नहीं बुझा सके। कर्मचारियों की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यालय के कंप्यूटर, एसी, फर्नीचर, महत्वपूर्ण फाइल आदि जल गए। आग की सूचना पर डीआरएम उदय सिंह मीना, वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त जेथिन बी राज सहित अन्य मंडलीय अधिकारी भी पहुंच गए।

बहराइच में बड़ा हादसा: राइस मिल का ड्रायर फटा, पांच मजदूरों की दम घुटने से मौत

बहराइच , एजेंसी। बहराइच जिले के दरगाह थाना क्षेत्र के मोहल्ला गुलाम अलीपुरा स्थिति रजगढिया राइस मिल में ड्रायर फट गया। इससे काम कर रहे पांच मजूदरों की दम घुटने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान कन्नौज के गडवना सौर्य निवासी गफ्फार अली (40), बबलू (28), राजनेश कुमार (35), श्रावस्ती के सिरसिया निवासी जहूर (50) व बिहार के बिहारीगंज मदेहपुरा निवासी बिट्टू शाह (30) के रूप में हुई है।

वहीं सुखदेव, देवी प्रसाद और सुरेंद्र शुक्ला का इलाज मेडिकल कालेज की इमरजेंसी में जारी है। दर्दनाक हादसे की सूचना पर डीएम मोनिका रानी, एसपी रामनयन सिंह, एएसपी नगर रामानंद कुशवाहा समेत आला अधिकारी इमरजेंसी पहुंचे है।

एंगल की वेल्डिंग के दौरान गिरी चिंगारी, फिर हुआ धमाका: डीएम मोनिका रानी की मौजूदगी में घायल सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि मिल में एक एंगल टूट गया था जिसकी वेल्डिंग हो रही थीं। इस दौरान चिंगारी गिरने से धान में आग लग गई। आग लगने के साथ ही जोरदार धमाका हुआ और सब तरफ धुआं धुआं हो गया।

सीएम योगी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमवंती नंदन बहुगुणा को किया याद, अर्पित की पुष्पांजलि

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा को याद किया और उनकी जयंती के अवसर पर योजना भवन में स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस मौके पर उनके साथ यूपी सरकार की मंत्री रीता बहुगुणा जोशी सहित कैबिनेट के कई अन्य साथी और भाजपा के नेता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके पर प्रदेश के लिए उनके योगदान और आजादी की लड़ाई में निभाई गई उनकी भूमिका के लिए याद किया।

अज्ञात वाहन से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत, शिनाख्त के बाद घरवालों को दी सूचना

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले के चौबेपुर क्षेत्र के चंद्रावती बाजार में बृहस्पतिवार की आधी रात में सड़क हादसा हुआ। गाजीपुर से वाराणसी की तरफ आ रहे बाइक सवार को किसी अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

यूपी में करीब 1800 पाकिस्तानी, फिलहाल खुद कर रहे वापसी; डीजीपी ने दिए आदेश

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में करीब 1800 पाकिस्तानी नागरिक निवास कर रहे हैं, जिन्हें अब वापस जाना होगा। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के फैसले ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लोग फिलहाल खुद ही लौटने लगे हैं। वापस जाने की मियाद खत्म होने के बाद उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार के आदेश के मुताबिक पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो यूपी में करीब 1800 पाकिस्तानी नागरिक रहे हैं, जो पिछले कुछ वर्ष में वीजा लेकर आए लेकिन वापस नहीं गए। उन्होंने सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन भी नहीं किया है। इनमें पाकिस्तान से आए हिंदू शामिल नहीं हैं।

बता दें कि पाकिस्तान से बड़ी संख्या में आए हिंदुओं ने नागरिकता के लिए आवेदन किया है। यहां बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिकों का शार्ट टर्म और लॉन्ग टर्म वीजा पर आना-जाना होता है, जिसका कच्चा चिट्ठा केंद्रीय खुफिया एजेंसियां और गृह विभाग रखता है। नियमों के मुताबिक पाकिस्तान से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को जिले के एसपी के पास अपना रजिस्ट्रेशन कराना होता है। वहीं, आईबी के अधीन आने वाला फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) इसे संकलित करता है। केंद्र सरकार के हालिया फैसले के बाद सभी जिलों में निवास कर रहे पाकिस्तानी नागरिकों का लोकल इंटेलिजेंस यूनिट ब्योरा जुटा रही है। जिससे आगे की कार्यवाही को अमल में अमल में लाया जा सके। उदाहरण के तौर पर बरेली में 35, बुलंदशहर में 18, वाराणसी में 10 और रामपुर में 30 पाकिस्तानी नागरिक हैं।

बड़ी संख्या में लोगों की रिश्तेदारियां

यूपी के हजारों मुस्लिम परिवारों की पाकिस्तानी नागरिकों के साथ रिश्तेदारी है। ऐसे में वीजा अवधि खत्म होने पर छिप जाते हैं, अथवा पहचान बदल लेते है। बीते दिनों बरेली में मां-बेटी को पाकिस्तानी नागरिक होने की वजह से सरकारी शिक्षक की नौकरी से बर्खास्त करने के साथ मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। वीजा अवधि खत्म होने के बावजूद वापस नहीं जाने पर पुलिस कार्रवाई करती है लेकिन लोग कानूनी दांव-पेच की वजह से बचते रहते हैं।

नेपाल के रास्ते करते हैं घुसपैठ

बिना वीजा के भारत में प्रवेश करने के लिए अधिकांश पाकिस्तानी नेपाल रूट का इस्तेमाल करते हैं। बीते दिनों नेपाल के रास्ते नोएडा आई सीमा हैदर भी इनमें शामिल है। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि बांग्लादेशी नागरिकों के मुकाबले इनकी संख्या अधिक नहीं है। तमाम घुसपैठियों द्वारा भारतीय नागरिकता के दस्तावेज बनवा लेने से उनकी पहचान कर पाना आसान नहीं होता है। इनमें से कुछ जासूसी करने के मंसूबे के साथ आते हैं।

सीतापुर के बच्चों ने लहराया परचम, 10वीं के सात... 12वीं के दो बच्चे प्रदेश के टॉप-10 में

सीतापुर, एजेंसी। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश ने करीब 54 लाख छात्रों की मेहनत का परिणाम जारी कर दिया है। यूपी बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों का इंतजार समाप्त हो चुका है। बोर्ड ने दोपहर 12:30 बजे 10वीं-12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। यूपी बोर्ड परीक्षा में हाई स्कूल में 90.11 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। वहीं इंटरमीडिएट में 81.15 फीसदी छात्र उत्तीर्ण हुए।

सीतापुर जिले के बच्चों ने प्रदेश में अपना परचम लगाराय। हाईस्कूल में सात बच्चों ने प्रदेश के टॉप-10 में जगह बनाई। वहीं, इंटरमीडिएट में दो मेधावियों ने टॉप-10 में जगह बनाई।

प्रदेश के टॉप-10 में इन बच्चों ने बनाई जगह: हाईस्कूल में बाबूराम सावित्री देवी इंटर कालेज के अर्पित वर्मा को तीसरी रैंक, सरदार सिंह कान्वेंट की आंचल वर्मा को चौथी रैंक, सीता बाल विद्या मंदिर की आयुषी यादव को छठी रैंक, सीता बाल विद्या मंदिर की गुंजन सिंह को सातवीं रैंक, सेठ रामगुलाम स्कूल की श्रुति मिश्रा को सातवीं रैंक, सरदार सिंह कांवेंट की सिद्धि सिंह को सातवीं रैंक और बाबू राम सावित्री देवी के शिवम यादव को सातवीं रैंक हासिल हुई है।

डिश और इंटरनेट केबल से शुरू हो गई बिजली चोरी, मॉर्निंग रेड में चोरी के नए तरीकों सनसनीखेज खुलासा

लखनऊ , एजेंसी। बिजली विभाग डाल डाल तो बिजली चोर पात पात... यह कहावत लखनऊ के पुराने इलाके में चरितार्थ साबित हो रही है। विभाग बिजली चोरी को रोकने के लिए नए तरीके अपना रहा है। वहीं, बिजली चोर भी ऐसे तरीकों को अंजाम देकर बिजली चोरी में जुट गया जिनको पकड़ना आसान नहीं।

लखनऊ में पहली बार शुक्रवार को मॉर्निंग रेट के दौरान इस सनसनीखेज बिजली चोरी का खुलासा हुआ। लखनऊ सेंट्रल जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया शुक्रवार सुबह 5:00 बजे नूरबड़ी के उपखंड अधिकारी अखिलेश यादव ,जूनियर इंजीनियर राजेश कुमार सिंह के संयुक्त नेतृत्व में सहादतगंज के वजीरबाग क्षेत्र में जांच शुरू हुई। इसमें सुहेल और शोएब दो भाइयों के घर तीन डिश केबल के जरिए बिजली चोरी करते दबोचा गया। इनके खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई चल रही है। जूनियर इंजीनियर राजेश कुमार सिंह ने 15 दिन पहले इसी तरह का एक और केस पकड़ा था, जिस पर पूरी तरह वह बिजली चोरी किए जाने के लिए संतुष्ट नहीं थे। जूनियर इंजीनियर ने इस पर होमवर्क किया। इस रणनीति के तहत शुक्रवार को छापामारी करके इस नए खेल का खुलासा किया। चेकिंग दस्ते का मानना है कि बिजली चोरों के सिंडिकेट ने पूरे प्रदेश में पावर कारपोरेशन को चूना लगाने के लिए यह नया तरीका इजाद किया है।

जूनियर इंजीनियर के पास में जादुई टेस्टर

जूनियर इंजीनियर राजेश कुमार सिंह ने बताया कि डिश और इंटरनेट केबल से हो रही बिजली चोरी को पकड़ने के लिए एक टेस्टर का इंतजाम किया। यह टेस्टर उस तरह काम करता है जैसे जमीन के अंदर केबल फॉल्ट होने के दौरान पता चल जाता। जूनियर इंजीनियर ने बताया जिस डिश और इंटरनेट केबल से बिजली चोरी किए जाने की आशंका होती तो उसके ऊपर से टेस्टर से चेकिंग करते तो बहुत आराम से खुलासा हो जाता है।

पोल पर लग रही आग, जल रहा एबीसी

अधीक्षण अभियंता मुकेश कुमार त्यागी ने बताया कि बिजली पोल पर इंटरनेट और डिश केबल के कटे पिटे तारों से हो रही बिजली चोरी के कारण ही आए दिन आग लगने की दुर्घटनाएं हो रही है। इस संबंध में जिला अधिकारी को पत्र लिखकर पोल पर से तारों को हटाने का अनुरोध किया जाएगा।

अंसल मामले में पांच हजार आवंटियों को बड़ी राहत, अपीलीय कोर्ट ने दिवालिया आदेश पर लगाई रोक

लखनऊ , एजेंसी। अंसल के मामले में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आए आदेश से सुशांत गोल्फ सिटी हाईटेक टाउनशिप के करीब पांच हजार आवंटियों को बड़ी राहत मिली है। एनसीएलएटी ने जहां राष्ट्रीय कंपनी अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के फरवरी में अंसल को दिवालिया घोषित करने के आदेश पर रोक लगाई है वहीं टाउनशिप के किसी तीसरे पक्ष के टेकओवर करने की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई 20 मई को होगी। एनसीएलएटी के आदेश को लेकर भाजपा विधायक डा. राजेश्वर सिंह ने भी सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की है। आवंटी और निवेशक गगन टंडन ने बताया कि एनसीएलएटी ने एनसीएलटी के फरवरी में जारी आदेश पर रोक लगाने के साथ ही एलडीए व अन्य पक्षों को यह छूट दी है कि वह अंसल को दिवालिया घोषित किए जाने के आदेश पर को लेकर एनसीएलटी में अपना पक्ष रख सकते हैं। इसका फायदा यह होगा कि अब एलडीए एनसीएलटी में अपनी बात रखेगा और बताएगा कि एक फाइनेंस कंपनी के बकाया 83 करोड़ रुपये न चुकाने पर अंसल को दिवालिया करने की कार्रवाई बिना एलडीए का पक्ष जाने करना उचित नहीं है क्योंकि एलडीए का तो अंसल पर करीब चार हजार करोड़ रुपये बकाया है। ऐसे में तो सबसे पहले दावा एलडीए का ही बनता है।

अंसल को हाईटेक टाउनशिप का लाईसेंस शासन ने दिया और एलडीए नोडल एजेंसी है और उसने उसका मानचित्र पास किया है। टाउनशिप की शर्तों के तहत अंसल ने एलडीए के पास अपनी जो जमीन बंधक रखी थी। जिसमें यह प्राविधान था कि यदि अंसल किसी कारण कालोनी का विकास नहीं कर पाता है तो एलडीए बंधक जमीन बेचकर विकास कराएगा मगर अंसल ने वह जमीन भी बेच डाली है। ऐसे में कालोनी को टेकओवर करने का पहला अधिकार एलडीए का ही है। वह टेकओवर करेगा तो आवंटियों का पैसा नहीं डूबेगा और उनको मकान व प्लाट मिलेंगे।

गर्मी से चिड़चिड़ेपन का शिकार हो रहे युवा, एसएन मेडिकल में रोजाना आ रहे 100 से 150 मरीज

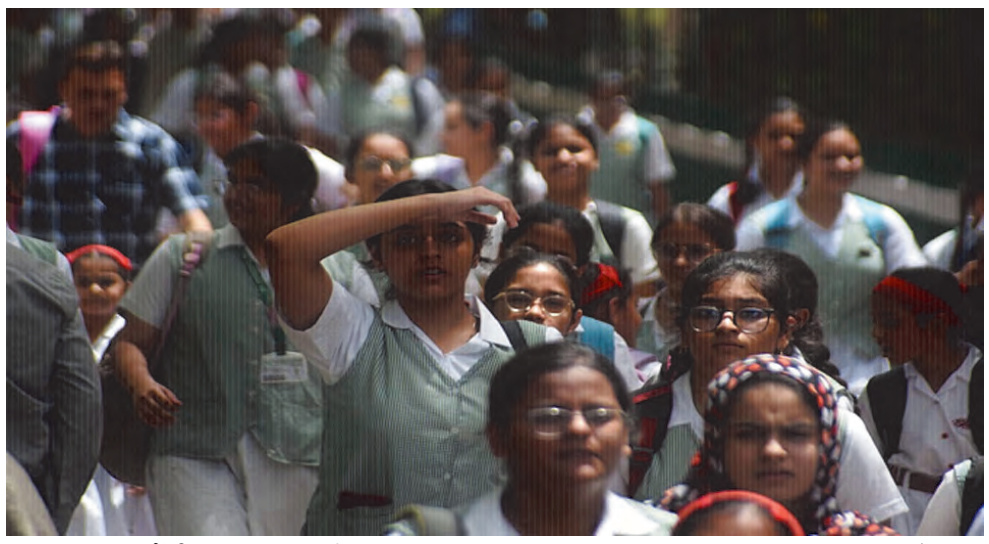

आगरा, एजेंसी। गर्मी बढ़ने के साथ एसएन मेडिकल कॉलेज में दिमागी बीमारी से पीड़ित मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। गर्मी लोगों के मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचा रही है। लोग चिड़चिड़े हो रहे हैं। सिर दर्द और अवसाद के शिकार हो रहे हैं। इसमें अधिकतर पीड़ित 20 से 40 की उम्र के युवा हैं।

एसएन मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि गर्मी की वजह से बायोपुलर मूड डिसऑर्डर के मरीज बढ़ रहे हैं। इस बीमारी में लोगों को अवसाद या सिर दर्द की समस्या हो रही है। ऐसे मरीज ज्यादा बोलने लगते हैं, अचानक गुस्सा हो जाते हैं या फिर अचानक से चुप हो जाते हैं। ऐसा गर्मी में ज्यादा समय तक रहने के कारण होता है। मनोरोग की ओपीडी में रोजाना 100 से 150 से मरीज आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो मरीज दिमागी बीमारी की दवा ले रहे हैं वह पर्याप्त पानी पीते रहें। उल्टी होने पर तत्काल ओआरएस घोल का सेवन करें। धूप से बचने के लिए कपड़े या चश्मे का प्रयोग करें। दिक्कत ज्यादा होने पर चिकित्सक से मिलें।

लेडी लॉयल में रोजाना सैकड़ों गर्भवती महिलाएं उपचार के लिए आती हैं। गर्भवती महिलाओं को सीढ़ियों से ही पहले व दूसरे तल पर जाना पड़ रहा है। 100 सैया अस्पताल की इमारत में दोनों ओर लिफ्ट लगी हैं, लेकिन एक लिफ्ट बंद हैं। गर्भवती महिलाएं जान जोखिम में डालकर सीढ़ियों पर चढ़ने को मजबूर हैं। अस्पताल प्रशासन का इससे कोई सरोकार नहीं है।

कबाड़ हो रहा वाटर कूलर: लेडी लॉयल में सैकड़ों महिलाओं के बीच दो ही वाटर कूलर लगे हैं। जहां हमेशा भीड़ लगी रहती है। वहीं दूसरा बड़ा वॉटर कूलर लिनेक ब्लॉक के पास लगा है। जिसके ऊपर बंदर धमा चौकड़ी कर रहे हैं। जबकि यह वाटर कूलर बिल्कुल सही है। अगर इसे सौ सैया अस्पताल की इमारत में लगा दिया जाए तो मरीजों को पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

शिफ्ट करवा रहे हैं आरओ: जिला महिला अस्पताल की अधीक्षक रचना गुप्ता ने बताया कि इमारत में दो लिफ्ट लगी हुई हैं। मरीज ज्यादा होने की वजह से कर्मचारी एक लिफ्ट को चालू नहीं कर पाए होंगे। मरीजों और तीमारदारों के लिए अस्पताल में दो आरओ लगे हैं। ठेकेदार को बोलकर पुरानी इमारत के पास लगे आरओ को शिफ्ट करवाया जा रहा है।

तुम सब्जी बेचते हो, मैं कट्टे का व्यापारी हूं...मंडी के भीतर ही मरवा देंगे, दबंगों ने दंपती को दी धमकी

कानपुर , एजेंसी। तुम जागेश्वर सब्जी मंडी में सब्जी बेचते हो, मैं कट्टे का व्यापार करता हूं। मंडी के भीतर ही गोली मरवा दूंगा। दबंगों ने यह धमकी पत्नी से अश्लीलता का विरोध करने वाले पति को दी। धमकी से डरे दंपती ने नवाबगंज थाने में दबंगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। नवाबगंज थानाक्षेत्र की रहने वाली पीड़िता ने बताया कि इलाके का रहने वाला मनीष जायसवाल अपने साथी मोहित के साथ मिलकर आए दिन उन्हें कॉल कर परेशान करता है। विरोध पर गंदी गंदी बातें करता है। इससे तंग आकर जब उसने अपना सिमकार्ड बंद कर दिया।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस : आरोप है कि इसके बाद आरोपी उनके घर के बाहर आए दिन अश्लील लेटर फेंककर जाने लगे, जिसकी तस्वीर घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पति ने जब इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें कॉल कर गाली गलौज और धमकी दी। थानाप्रभारी दीनानाथ मिश्रा ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सरकार की सख्ती... रामपुर से वापस पाकिस्तान भेजा दंपती, 35 पर रखी जा रही नजर

रामपुर , एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार द्वारा भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने के आदेश के बाद रामपुर से एक दंपती सलीम बेगम और उनके पति इंशा उल्ला खां को बृहस्पतिवार को पाकिस्तान भेज दिया गया।

वह शॉर्ट टर्म वीजा पर रामपुर आए थे। इसके साथ ही रामपुर में लॉन्ग टर्म वीजा पर रह रहे 35 पाकिस्तानी नागरिकों पर खुफिया तंत्र व पुलिस की निगरानी तेज हो गई है। पहलगाम आतंकी हमले की घटना के बाद केंद्र सरकार ने बुधवार को कई अहम फैसले लिए थे।

इसके बाद भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को अगले 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने के आदेश दिए गए थे। इस आदेश के बाद रामपुर पुलिस भी सक्रिय हो गई। पुलिस और खुफिया तंत्र की टीम ने सक्रिय होकर यहां पाकिस्तानी नागरिकों की निगरानी तेज कर दी है।

बृहस्पतिवार को रामपुर के कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हल्के वाली ज्यारत में रिश्तेदारी में आए सलीम बेगम और उनके पति इंशा उल्ला खां को वापस पाकिस्तान रवाना कर दिया गया। बताया जाता है कि यह दंपती 10 अप्रैल को ही रामपुर में अपनी भतीजी के घर आए थे।

इनको 45 दिन का शॉर्ट टर्म वीजा दिया गया था। रामपुर में वह करीब 14 दिन तक रुके। इसके बाद बृहस्पतिवार को रवाना कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर खुफिया तंत्र की टीम ने यहां लॉन्ग टर्म वीजा पर रह रहे 35 पाकिस्तानी नागरिकों पर नजर रख रखी है। उनकी हर गतिविधि देखी जा रही है। एसपी विद्या सागर मिश्र ने बताया कि एक दंपती को बृहस्पतिवार को वापस पाकिस्तान रवाना कर दिया गया है।

आतंकी हमले के बाद 25 लोगों ने रद्द की कश्मीर यात्रा: पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद स्थानीय लोग भी दहशत में हैं। दो माह पहले बुक 140 टिकट बुक कराए गए थे, लेकिन हमले के दूसरे दिन शाम तक 25 से अधिक लोग टिकट रद्द करा चुके हैं। रामपुर से जम्मू जाने के लिए लोग काफी उत्साहित थे और रिजर्वेशन कराया था। दो माह पहले सियालदाह एक्सप्रेस और मंगलवार को चलने वाली गरीबरथ एक्सप्रेस में 143 टिकट बुक हुए थे। लेकिन पहलगाम में हुई आतंकी घटना से हर कोई स्तब्ध है। घटना के बाद से अब लोग दहशत में हैं।

ग्वालियर हाईवे पर जलभराव देख भड़के कांग्रेस जिलाध्यक्ष, कीचड़ में खुद कूद पड़े

आगरा , एजेंसी। आगरा के मलपुरा क्षेत्र के गांव नगला मांकरोल पर जलभराव के विरोध में कांग्रेस के जिलाध्यक्ष और 2024 लोकसभा चुनाव में गठबंधन प्रत्याशी रहे रामनाथ सिकरवार का अनोखा प्रदर्शन किया। रामनाथ सिकरवार ने विरोध दर्ज कराते हुए हाईवे पर भर पानी में कूद कर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन कई सालों से हो रहे जल भराव की ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। हाईवे पर पानी भरा रहता है, जिसकी वजह से कई बार बड़े हादसे भी हुए हैं और लोगों की जान भी गई है। रामनाथ सिकरवार के साथ दर्जनों कांग्रेस के कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों की भीड़ भी एकत्रित हो गई। इस दौरान उन्होंने पानी में बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि जब तक सड़क नहीं बनेगी तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा में रह रहे घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगी सरकार: मंत्री

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में लंबे समय से रह रहे घुसपैठियों के खिलाफ सरकार जल्द ही कार्रवाई शुरू करेगी। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में हरिचंदन ने संवाददाताओं से कहा, '' घुसपैठियों की मौजूदगी के संबंध में मुख्यमंत्री के साथ चर्चा हो चुकी है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।'' पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए हरिचंदन ने कहा,'' उन्होंने (पाकिस्तानी आतंकवादियों ने) अपने ताबूत में आखिरी कील ठोक दी है। इसके परिणाम बहुत कठोर होंगे। यह पहली बार है कि आतंकवादियों ने घाटी में निहत्थे और निर्दोष पर्यटकों पर गोलियां बरसाई हैं। केंद्र सरकार और सभी राज्य पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं।'' ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पिछले महीने राज्य विधानसभा में कहा था कि राज्य भर में 3,738 घुसपैठियों की पहचान की गई है जिनमें से ज्यादातर बांग्लादेश से हैं।

उत्तर प्रदेश में सामूहिक विवाह योजना के तहत कन्या को मिलेंगे 60 हजार रुपये: आदित्यनाथ

लखनउ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार ने नए वित्तीय वर्ष से सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र नवविवाहित जोड़ों को 51 हजार रुपये के स्थान पर एक लाख रुपये करने का निर्णय लिया है। एक बयान के मुताबिक कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि सामूहिक विवाह योजना का लाभ पाने के लिए निर्धारित दो लाख रुपये वार्षिक आय की सीमा को बढ़ाकर तीन लाख रुपये करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सामूहिक विवाह योजना वंचित वर्ग के लिए बड़ा संबल बनी है और अधिकाधिक लोग इससे लाभान्वित हो सकें, इसके लिए यह आवश्यक है कि पात्रता के लिए निर्धारित अधिकतम वार्षिक आय सीमा को बढ़ाया जाए। बृहस्पतिवार को को समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने नए वित्तीय वर्ष से सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र नवविवाहित जोड़ों को 51 हजार रुपये के स्थान पर एक लाख रुपये देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि एक लाख रुपये की इस राशि में से 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में जमा किये जाएं, नवविवाहित जोड़े को 25 हजार रुपये के तौर पर दिए जाएं जबकि शेष 15 हजार रुपये वैवाहिक समारोह में खर्च किये जायें। मुख्यमंत्री ने इस व्यवस्था को तत्काल लागू करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, वृद्धावस्था पेंशन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पात्र वृद्धजन, पेंशन से वंचित न रहें। उन्होंने कहा कि योजना के और बेहतर क्रियान्वयन के लिए इसे परिवार आईडी से जोड़ा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि फैमिली आईडी (परिवार पहचान पत्र) से जुड़ने के बाद पात्रता की श्रेणी का कोई भी निराश्रित वृद्धजन जैसे ही 60 वर्ष का होगा, उसे तत्काल पेंशन की राशि मिलने लग जायेगी।

सिंधु जल संधि स्थगित करने से साफ हो गया है कि अब खून और पानी साथ नहीं बह सकते: धामी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि स्थगित करके यह साफ कर दिया है कि अब खून और पानी साथ नहीं बह सकते। मुख्यमंत्री ने यहां जारी एक बयान में कहा कि इसके अलावा पाकिस्तान के संबंध में भारत द्वारा लिए गए ऐतिहासिक और कठोर निर्णयों से भी पड़ोसी देश को एक कड़ा संदेश गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में पहलगाम आतंकी हमले के तार सीमा पार पाकिस्तान से जुड़े होने के मद्देनजर कई कड़े फैसले लिए गए। धामी ने कहा कि भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा, ''सिंधु जल संधि को स्थगित करके केंद्र सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। यह निर्णायक फैसला आतंकवाद को पनाह देने और बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान के मंसूबों को चकनाचूर कर देगा। इसी तरह अटारी सीमा चौकी को बंद करने समेत अन्य फैसलों से भी पाकिस्तान को कड़ा संदेश गया है।''

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ हिमाचल में उबाल

शिमला-चंबा के बाजार रहे बंद

शिमला, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में हिमाचल प्रदेश में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। हमले में निर्दोष सैलानियों को निशाना बनाए जाने से क्षुब्ध लोगों ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन किए और बाजार बंद रखे गए। राजधानी शिमला में बुधवार को विभिन्न हिन्दू संगठनों ने उपायुक्त कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया रहा। वहीं गुरुवार को शिमला सहित कई शहरों में व्यापारियों ने आधे दिन का बाजार बंद कर आतंकवाद के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया।

शिमला शहर के माल रोड,लोअर बाजार,लक्कड़ बाजार,राम बाजार से लेकर उपनगरों कसुम्पटी, संजौली,बालूगंज, टूटू, पंथाघाटी व ढली तक दुकानों के शटर सुबह से ही गिरे रहे। केवल आवश्यक सेवाओं से जुड़ी दवा दुकानें ही खुली रहीं। शिमला व्यापार मंडल द्वारा इस बंद का आह्वान किया गया था। शिमला व्यापार मंडल अध्यक्ष संजीव ठाकुर ने कहा कि यह हमला कश्मीर में शांति स्थापित करने के प्रयासों को कमजोर करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग इस नृशंस हमले से अत्यंत दुखी है और उन्होंने दोपहर 1 बजे तक बाजार बंद रखकर विरोध दर्ज कराया। शिमला व्यापार मंडल ने आमजन से अपील की कि वे आवश्यक खरीदारी दोपहर बाद करें ताकि किसी को असुविधा न हो। बंद को लेकर व्यापारियों में व्यापक समर्थन दिखाई दिया और अधिकतर दुकानों ने स्वेच्छा से शटर बंद रखे। मालरोड बिजनेसमैन एसोसिएशन ने भी हमले की निंदा करते हुए कहा कि भारत की जनता और

व्यापारी वर्ग आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं।शिमला जिले के रामपुर में भी हिन्दू संगठनों ने प्रदर्शन कर आतंकियों के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान इस्लामी जिहाद का पुतला फूंका गया और रैली निकाल कर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई की मांग उठाई गई। विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उधर चम्बा में भी विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में विभिन्न हिन्दू संगठनों ने पाकिस्तान और इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। सुबह से ही चम्बा के बाजार बंद रहे और दोपहर 12 बजे तक सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखे गए। प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान और जेहादियों के पुतले फूंके गए और भारत सरकार से आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की गई।

निर्दोषों की हत्या पर अब चुप नहीं बैठेंगे:केशव वर्मा विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. केशव वर्मा ने कहा कि यह हमला बेहद दर्दनाक और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब सरकार को आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए ताकि देश में शांति व्यवस्था बनी रहे।

साथ रहने की जिद पर अड़े सास-दामाद को गांव में नहीं मिली एंट्री, यूपी छोड़ नया जीवन शुरू

अलीगढ़, एजेंसी।
यूपी के अलीगढ़ में मडराक क्षेत्र से फरार होने के बाद चर्चित हुई सास-दामाद की जोड़ी यू-ट्यूब पर भी छा गई है। यहां 20 से अधिक अलग-अलग राजस्थानी गायकों ने इस प्रकरण पर गाने लॉन्च किए हैं। सभी ट्रेंडिंग पर हैं, जिन्हें लोग खूब शेयर कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ सास-दामाद ने गुजरात में नया जीवन शुरू कर लिया है। दोनों की लोकेशन गुजरात में बताई जा रही है। मडराक क्षेत्र के गांव मनोहरपुर कायस्थ की रहने वाली सपना अपने होने वाले दामाद राहुल के साथ फरार होने के बाद 10 दिन बाद लौटी थी। दोनों को गांव में घुसने नहीं दिया गया। इसके बाद से दोनों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि वे कहां गए।

लेकिन, चर्चा थी कि दोनों यूपी से चले गए। दोनों ने भले ही गोपनीय रूप से नया जीवन शुरू कर दिया हो, मगर इनकी चर्चाएं अभी खत्म नहीं हुई। यू-ट्यूब पर राजस्थान के जयपुर के एक सिंगर ने इन पर गाना बनाया। बाकायदा उन्होंने लिरिक्स लिखे और गीत गाकर उसे लॉन्च किया। इसे देखकर अन्य कई लोगों ने गाने बना दिए, जो वायरल हो रहे हैं। एक सिंगर ने बातचीत में कहा है

कि दूसरों को देखकर गाना बनाया था, जो कई लोगों ने शेयर किया है। 93 हजार से अधिक लोग गाने को सुन चुके हैं।

दामाद बेदखल: दादों क्षेत्र के गांव नगला मछरिया में बहिष्कार के बाद चर्चित सास-दामाद की जोड़ी ने अपना गांव छोड़ दिया। युवक को उसके पिता ने संपत्ति से बेदखल कर दिया है। सास ने दामाद के साथ रहने का फैसला किया। राहुल के पिता होरीलाल ने कहा कि ये रिश्ता उनको स्वीकार नहीं है। मेरे लिए बेटा मर गया है। उस दिन सास-दामाद ने पड़ोस के गांव में रात काटी। चर्चा है कि दोनों दो दिन तक आसपास के गांवों में ही रहे। फिर यूपी से चले गए और नया जीवन शुरू कर लिया है। हालांकि इस संबंध में न तो पुलिस को कोई खबर है और न ही युवक के पिता को कोई जानकारी है। पिता के अनुसार उन्होंने बेटे को अपनी संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उससे अब मेरे परिवार का कोई संबंध नहीं है।

4 एक्सप्रेसवे, 3 एनएच और स्टेट हाईवे से जुड़ेगा ग्रेटर नोएडा फेज-2, मास्टर प्लान में क्या-क्या प्रावधान

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा फेज-2 को चार एक्सप्रेसवे, तीन राष्ट्रीय राजमार्ग और राज्य राजमार्ग से जोड़ा जाएगा। यहां फ्लाईओवर, अंडरपास और इंटरचेंज का निर्माण जाएगा। यहां ट्रेन, नमो भारत और मेट्रो समेत परिवहन की आधुनिक सुविधाएं होंगी। मास्टर प्लान-2041 में इसका प्रावधान किया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा के विस्तार के तहत नया शहर फेज-2 बसाया जाएगा। इसमें गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, हापुड़ और गाजियाबाद के कुल 144 गांव शामिल हैं। यह 33,715.22 हेक्टेयर जमीन पर विकसित होगी। योजना के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा फेज-2 को यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग-91, राष्ट्रीय राजमार्ग-34 और राष्ट्रीय राजमार्ग-24 से जोड़ा जाएगा। इसे प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेसवे, उत्तर दक्षिण और पूर्व

पश्चिम कॉरिडोर से भी जोड़ा जाएगा। इससे शहर में आसानी से पहुंचा जा सकेगा। गंगा एक्सप्रेसवे (मेरठ से प्रयागराज) पूर्वी सीमा से सटा हुआ है। इससे प्रदेश के पूर्वी हिस्सों के साथ ग्रेटर नोएडा की क्षेत्रीय परिवहन व्यवस्था में सुधार होगा।

नए शहर को जेवर के पास निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मेट्रो, बोड़ाकी में प्रस्तावित ग्रेटर नोएडा टर्मिनल, मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक हब से जोड़ने का काम किया जाएगा। नोएडा एयरपोर्ट तक लोग बिना किसी रुकावट के पहुंच सकें, इसके लिए 130 मीटर चौड़ी सड़क का यीडा सिटी तक विस्तार करने की तैयारी चल रही है। यह सड़क अभी ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव के गोलचक्कर तक बनी है। राज्य राजमार्ग हापुड़-बुलंदशहर ग्रेटर नोएडा फेज-2 क्षेत्र की पूर्वी सीमा के साथ गुजरता है। प्रस्तावित ऊपरी गंगा नहर एक्सप्रेसवे सनौता पुल बुलंदशहर से शुरू होकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सीमा से पहले पुरकाजी मुजफ्फरनगर तक प्रस्तावित है। इससे भी ग्रेटर नोएडा फेज-2 में आवागमन सुगम होगा।

फरीदाबाद में एयरपोर्ट जैसी फील, मेट्रो और रेलवे स्टेशन के बीच लगेगा ट्रेवलेटर; 38 करोड़ होंगे खर्च

फरीदाबाद एजेंसी। एयरपोर्ट की तर्ज पर फरीदाबाद रेलवे स्टेशन और ओल्ड फरीदाबाद स्टेशन के बीच ट्रेवलेटर (स्वचालित पैदल पथ) बनाया जाएगा। यह ट्रेवलेटर लगभग 500 मीटर लंबा होगा, जिससे यात्रियों को स्टेशन के बीच एयरपोर्ट जैसी फीलिंग आएगी। इसे लेकर एफएमडीए ने 38 करोड़ रुपये का बजट तैयार किया है।

फरीदाबाद रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्टेशन के दोनों तरफ पांच-पांच मंजिला पार्किंग तैयार की जा रही है। इसमें एयरपोर्ट की तर्ज पर आगमन और प्रस्थान अलग-अलग होगा। स्टेशन के दोनों तरफ मल्टी लेवल कार पार्किंग भी होगी। वहीं रेलवे स्टेशन से लेकर मेट्रो स्टेशन के बीच आवाजाही के लिए अभी कोई सीधा फुटओवर ब्रिज नहीं है।

ऐसे में कई बार लोग हाईवे पार कर जान जोखिम में डालकर मेट्रो स्टेशन पहुंचते हैं। दूसरी तरफ दोनों स्टेशन के बीच की दूरी को कम करने के लिए पांच वर्ष पहले स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत स्काई वॉक और मल्टी मॉडल हब बनाने की योजना तैयारी की गई थी, जो सिरे नहीं चढ़ी। इसके बाद फुट ओवर ब्रिज का प्रस्ताव तैयार किया गया, लेकिन अब यात्रियों की सुविधा और आधुनिकता को ध्यान में रखते हुए इसे ट्रेवलेटर में बदल दिया गया है। यह वही तकनीक है जो अक्सर एयरपोर्ट्स पर देखने को मिलती है, लेकिन पहली बार शहर में एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक की दूरी को कवर करने के लिए इसका उपयोग किया जा रहा है।

योजना के तहत, यात्री सीढ़ियों पर खड़े होकर बिना कोई अतिरिक्त मेहनत किए मेट्रो से रेलवे स्टेशन या रेलवे से मेट्रो स्टेशन तक जा सकेंगे। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि बुजुर्गों, दिव्यांगों और बच्चों के लिए यात्रा और अधिक सरल हो जाएगी। स्मार्ट सिटी के लिए यह योजना मील का पत्थर साबित हो सकती है। हालांकि बल्लभगढ़ में पहले से ही एक फुट ओवर ब्रिज मौजूद है जो मेट्रो और रेलवे स्टेशन को जोड़ता है, और उसकी सफलता को देखते हुए अब फरीदाबाद में ट्रेवलेटर बनाने की योजना तैयार की गई है।

कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा के लिए देहरादून में पीएसी तैनात

पहलगाम आतंकी हमले के बाद उत्तराखंड में हिन्दू संगठन की धमकी

देहरादून, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उत्तराखंड में भी उबाल देखने को मिल रहा है। हिंदू संगठन की ओर धमकी देने के बाद कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा के लिए देहरादून में पीएसी तैनात की गई है। पुलिस की ओर से संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त फोर्स को तैनात किया गया है। देहरादून में कश्मीरी छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के लिए पीएसी तैनात कर दी गई है। देहरादून एसएसपी अजय सिंह ने इन छात्रों के शिक्षण संस्थानों और पीजी संचालकों को सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा में कोई व्यवधान होने पर पुलिस को तत्काल सूचना दी जाए। दरअसल, कुछ संगठनों ने सोशल मीडिया पर कश्मीरी छात्रों को देहरादून छोड़कर वापस लौटने को कहा था, जिसे जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट एसोसिएशन ने डीजीपी के सामने उठाया।

इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस ने शिक्षण संस्थानों संग बैठक की। एसएसपी ने बताया कि पुलिस की सूची के अनुसार, देहरादून के विभिन्न

संस्थानों में 1201 कश्मीरी छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। पुलिस ने इनका विवरण लेकर सत्यापन करा लिया है।

एसएसपी के अनुसार, जिन संस्थानों में कश्मीरी छात्र-छात्राएं पढ़ रहे हैं, वहां सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बिधौली क्षेत्र में पीएसी को तैनात किया गया है, जो नियमित निगरानी करेगी। साथ ही, सोशल मीडिया पर कश्मीरी नागरिकों या छात्रों के खिलाफ पोस्ट करने वालों पर भी नजर रखी जा रही है। पुलिस अब तक ऐसी 25 पोस्ट को सोशल मीडिया से हटवा चुकी है।

हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष ललित शर्मा ने बिधौली क्षेत्र में कश्मीरी छात्रों के विरोध में प्रदर्शन की धमकी दी थी। इस मामले को लेकर पुलिस अलर्ट थी। लिहाजा, गुरुवार की सुबह पुलिस ललित शर्मा के देहराखास स्थित घर पर पहुंच गई। वहां ललित शर्मा को घर से बाहर नहीं निकलने दिया गया। देहरादून पुलिस ने बिधौली क्षेत्र में विवाद की स्थिति पैदा करने पर शर्मा को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर सेवादल और धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं ने सहारनपुर चौक पर मशाल लेकर प्रदर्शन किया। पृथ्वीनाथ महादेव मंदिर में शाम को आरती से पहले दिवंगत पर्यटकों की आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई और 11 बार सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र का जाप किया गया।

इसके बाद वहां से जलती मशाल लेकर पंक्तिबद्ध होकर नारे लगाते हुए सभी लोग सहारनपुर चौक पर पहुंचे। वहां पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की गई। वक्ताओं ने कहा कि यह आक्रोश तभी शांत होगा, जब दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

गौरव सेनानी संगठन उत्तराखंड के आह्वान पर गुरुवार को देहरादून में विभिन्न स्थानों पर पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और दोषियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। नयागांव में गौरव सेनानी पूर्व सैनिकों के साथ नयागांव व्यापार मंडल, राष्ट्रीय योगी सेना और महिला मंगल दल ने प्रदर्शन किया। संतोरगढ़, प्रेमनगर, सीमाद्वार, धर्मपुर, विलासपुर कांडली, रायपुर में भी लोग एकजुट हुए और मृतकों को श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने 28 पर्यटकों को मार दिया। यह राष्ट्रीय त्रासदी है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से उत्तराखंड पुलिस सतर्क है। इस क्रम में अब देहरादून में सेना या अर्द्ध सैन्यबलों की वर्दी पहचान पत्र के बिना नहीं बेची जा सकेगी। दुकान संचालक को वर्दी या इसका कपड़ा बेचने से पहले खरीदार के पहचान पत्र को जांचना होगा। पुलिस भी समय-समय पर इनका सत्यापन करेगी। कहीं कोई खामी पाए जाने पर दुकान संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पहलगाम में बीते दिनों आतंकी हमले में कुछ आतंकवादी सेना की वर्दी में आए थे। लिहाजा, बुधवार को एसएसपी अजय सिंह ने दून में सैन्य और अर्द्ध सैन्यबलों की वर्दी बेचने वाले दुकान संचालकों का सत्यापन कराया। जिलेभर में पुलिस ने ऐसी वर्दी बेचने वालों की दुकानों का सत्यापन किया। थानावार इनकी सूची तैयार की गई। दुकान संचालकों को निर्देश दिए गए कि वर्दी या वर्दी से जुड़ा सामान बेचने से पहले खरीदार की सर्विस का पहचान पत्र जांचा जाएगा।

पाकिस्तान मुर्दाबाद मत कहो, मुझे दर्द होता है; चंडीगढ़ में युवक के नारे से बवाल

चंडीगढ़ , एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में आतं?की हमले में 28 पर्यटकों की हत्या के बाद से देशभर में गुस्सा है। जगह-जगह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के ?खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। लोग पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इसी बीच चंडीगढ़ में हुए एक प्रदर्शन के दौरान एक युवक के पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने से बवाल हो गया।

चंडीगढ़ के मशहूर सेक्टर-17 में पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में हिंदू संगठन प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान एक युवक पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने लगा। उसने कहा कि लोग पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे न लगाएं, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे से उसके दिल में दर्द होता है। प्रदर्शन में आए लोगों ने उसे दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी। सेक्टर-17 थाना प्रभारी रोहित कुमार और सेक्टर-17 नीलम चौकी प्रभारी सतीश कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे और युवक को हिरासत में ले लिया। युवक ने पगड़ी पहनी थी और वह मोहाली के खरड़ का रहने वाला है।

जोर-जोर से लगाने लगा पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे

सेक्टर-17 प्लाजा में हिंदू संगठनों और प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स एसोसिएशन की तरफ से पहलगाम आतंकी हमले के विरोध

में प्रदर्शन किया जा रहा था। इस दौरान एक युवक आया और कहा कि वह पाकिस्तान का नाम न लें। जो लोग पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे, उन्हें ऐसा करने से मना किया। युवक ने यह भी कहा कि पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे से उसके दिल में दर्द होता है। जब लोगों ने विरोध किया तो वह जोर-जोर से पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने लगा।

एसोसिएशन के सदस्यों ने पुलिस को जानकारी दे दी। पुलिस उसे सेक्टर-17 चौकी ले गई। भड़के लोग चौकी में पहुंच गए और आरोपी को बाहर निकालने की बात कहने लगे। उसे चौकी से बाहर खींचने की भी कोशिश हुई लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। पुलिस ने बताया कि शुरूआती पूछताछ में पता चला है कि आरोपी युवक चार-पांच दोस्तों के साथ सेक्टर-17 आया था। उसने पगड़ी पहनी हुई थी। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है कि उसकी मंशा क्या थी। मामले में पूर्व पार्षद सतिंदर सिंह ने सेक्टर-17 थाना पुलिस को लिखित में शिकायत दी है।

मामले में पूर्व पार्षद और वकील सतिंदर सिंह ने सेक्टर-17 थाना पुलिस को लिखित में शिकायत दी है। सेक्टर-17 प्लाजा में हिंदू संगठनों और प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स एसोसिएशन की तरफ से पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा था। इस दौरान अचानक एक युवक आया और पहले प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स एसोसिएशन की तरफ से किए जा रहे प्रदर्शन में पहुंचा। वहां उसने कहा कि वह पाकिस्तान का नाम न लें। जो लोग पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे, उन्हें ऐसा करने से मना किया। युवक ने यह भी कहा कि पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे से उसके दिल में दर्द होता है।

मुंबई की लड़की से गाजियाबाद के होटल में दुष्कर्म, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए आई थी दिल्ली

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद नगर कोतवाली क्षेत्र में नौकरी के बहाने होटल में ले जाने के बाद नशीला पदार्थ पिलाकर युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग ले रही पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर लिया है। मुंबई के ठाणे की रहने वाली 26 वर्षीय पीड़ित युवती का कहना है कि वर्तमान में वह दिल्ली के सीमापुरी में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है। वह कोचिंग के साथ नौकरी की तलाश भी कर रही है। युवती का कहना है कि एक दिन मेट्रो में सफर के दौरान उसे एक बुजुर्ग मिले। बातचीत में पीड़ता ने बुजुर्ग को कोचिंग करने के साथ नौकरी की तलाश करने के बारे में बता दिया। पीड़िता का कहना है कि इस पर बुजुर्ग ने कहा कि उसके आरपी शुक्ला नाम के एक जानकार हैं। उनकी अधिकारियों और कई विभागों में पहचान है। आरपी शुक्ला पीड़िता की नौकरी लगवा देंगे। बुजुर्ग ने लड़की को आरपी शुक्ला का मोबाइल नंबर दे दिया। युवती का कहना है कि उसने कुछ दिन बाद आरपी शुक्ला से नौकरी के संबंध में फोन पर बात की।

नीरज चोपड़ा जापानी जेनकी डीन और श्रीलंकाई पथिरेज भी होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी पथिरेज ने 2024 में कोरिया के मोकपो में एशियाई थ्रोइंग चैंपियनशिप में 85.45 मीटर के प्रयास के साथ 85 मीटर क्लब में प्रवेश किया जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के जेनकी डीन और उभरते श्रीलंकाई रुमेश पथिरेज 24 मई को बेंगलुरु में नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के पहले चरण में हिस्सा लेने वाले विदेशी सितारों में शामिल होंगे। 33 वर्षीय डीन ने नीरज और किशोर जेना से पीछे रहते हुए 2023 हांग्झोउ एशियाई खेलों में 82.68 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता था। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.28 मीटर है जो उन्होंने 2012 में हासिल किया था। टूर्नामेंट के आयोजक जेएसडब्ल्यू ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''डीन एशियाई सर्किट के मजबूत खिलाड़ी हैं जो शीर्ष-10 विश्व रैंकिंग पर हैं और उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.28 मीटर का है। श्रीलंका के नंबर एक भाला फेंक खिलाड़ी पथिरेज ने 2024 में कोरिया के मोकपो में एशियाई थ्रोइंग चैंपियनशिप में 85.45 मीटर के प्रयास के साथ 85 मीटर क्लब में प्रवेश किया जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 22 वर्षीय ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में पर्थ ट्रैक क्लासिक में 85.41 मीटर थ्रो के साथ फिर से 85 मीटर का थ्रो पार किया। सोमवार को नीरज ने कहा था कि पेरिस ओलंपिक फाइनल में भाग लेने वाला एक ब्राजीलियाई भी एनसी क्लासिक में भाग लेगा। आयोजकों ने गुरुवार को ब्राजील के लुइस मौरिसियो दा सिल्वा का नाम शामिल किया।

पांच और भारतीय एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

लड़के और दो लड़कियां शामिल हैं, पांचवें दिन प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ एशियाई अंडर-15 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुषों की अंडर-15 चैंपियनशिप में, नेल्सन ख्वाइराकपम (55 किग्रा) ने पहले दौर में चीनी ताइपे के वांग शेंग-यांग पर आरएससी जीत हासिल की, जबकि अभिजीत (61 किग्रा) और लक्ष्य फोगाट (64 किग्रा) ने क्रमशः किर्गिस्तान और जॉर्डन के विरोधियों के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की।

लड़कियों में, प्रिंसी (52 किग्रा) ने यूक्रेन की येवा कुबानोवा पर 5-0 से हरा दिया। समृद्धि सतीश शिंदे (55 किग्रा) ने यूक्रेन की केसिया सविना के खिलाफ तीसरे दौर में आरएससी के साथ अपना मुकाबला समाप्त किया। इससे पहले, रुद्राक्ष सिंह खेदेम (46 किग्रा) ने चौथे दिन भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया और किर्गिस्तान के ऐदर मुसाएव पर 3-0 से जीत हासिल की। सभी छह भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे, जिससे अम्मान में टीम का दबदबा कायम रहा। पुरुषों की अंडर-15 श्रेणी में, हर्षिल (37 किग्रा) और संचित जयानी (49 किग्रा) ने 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि संस्कार विनोद अत्रम (35 किग्रा) ने 4-1 से जीत दर्ज की। प्रीक्षित बलहरा (40 किग्रा) ने मंगोलिया की अखमीतखान नूरसलीम पर कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज की। महिलाओं की अंडर-15 श्रेणी में, मिल्की मीनम (43 किग्रा) ने कजाकिस्तान की येलदाना अब्दिगानी को 5-0 से हराया।

बीसीसीआई ने आईसीसी को लिखा पत्र

आईसीसी टूर्नामेंट में भी पाकिस्तान के साथ नहीं खेलेगा भारत?

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान के साथ अब कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगी. दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या एसीसी टूर्नामेंट में आमने सामने होती है, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद बीसीसीआई ने एक और बड़ा फैसला किया और इस बाबत आईसीसी को पत्र भी लिखा है.

मंगलवार, 22 अप्रैल 2025 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई. क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने एक बड़ा कदम उठाते हुए आईसीसी को पत्र लिखा है और मांग की है कि भारत और पाकिस्तान को किसी भी टूर्नामेंट में एक ग्रुप में ना रखा जाए. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब नहीं चाहता कि भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी टूर्नामेंट में मुकाबला हो, कम से कम ग्रुप स्टेज में तो नहीं. अगर दोनों टीमें सेमीफाइनल या फाइनल में पहुंचे तो अलग बात होगी लेकिन ग्रुप स्टेज में तो कम से दोनों टीमों को एक साथ ना रखा जाए. अगला बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट सितम्बर में है, जिसमें भारत महिला वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा.

पाकिस्तान महिला टीम ने इसके लिए क्वालीफाई किया है.

एशिया कप में क्या होगा?

पुरुष क्रिकेट में अगला आईसीसी टूर्नामेंट 2026 में फरवरी और मार्च के बीच खेला जाएगा, भारत और श्रीलंका टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा. हालांकि इससे पहले बीसीसीआई के लिए चिंता एशिया कप को लेकर होगी. इस साल पुरुष क्रिकेट एशिया कप का आयोजन भी होना है, जिसमें भारत बनाम पाकिस्तान 2 मैचों की संभावना है. भारत और पाकिस्तान अभी ग्रुप- में शामिल हैं, जिसमें उनके साथ यूएई और हांगकांग हैं. ग्रुप क्र में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और ओमान हैं. एशिया कप का मेजबान भारत है, लेकिन क्रिकबज की एक रिपोर्ट में पहले बताया गया था कि पूरा टूर्नामेंट न्यूट्रल वेन्यू पर होने की संभावना है. अब देखना होगा कि क्या भारत और पाकिस्तान एशिया कप में एक ही ग्रुप में बने रहते हैं या इस पर भी कोई फैसला हो सकता है क्योंकि अभी तक टूर्नामेंट का शेड्यूल नहीं आया है. शेड्यूल मई तक आने की संभावना है लेकिन ये इस बात पर निर्भर करेगा कि बीसीसीआई और पीसीबी के बीच कैसा तालमेल रहता है. दरअसल पाकिस्तान अपने मैच भारत में नहीं खेलेगा, ऐसी में न्यूट्रल वेन्यू पर चर्चा हो सकती है. एक रिपोर्ट में तो ये भी कहा गया है कि अगर दोनों के बीच तनाव रहता है तो टूर्नामेंट रद्द भी हो सकता है.

हम अहम मौकों पर लड़खड़ा रहे हैं, संदीप शर्मा ने बताई आरआर की एक और नजदीकी हार की वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में एक बार फिर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) रन चेज करते समय लड़खड़ा गई। इस बार भी टीम अहम समय पर पिछड़ गई। अनुभवी तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने माना कि टीम दबाव वाले मौकों पर बार-बार गलती कर रही है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरआर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 206 रन के लक्ष्य का पीछा शानदार तरीके से शुरू किया। यशस्वी जायसवाल ने 49 रन बनाए, लेकिन अंत में टीम फिर लड़खड़ा गई और 11 रन से मैच हार गई। इस हार के बाद अब प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें भी बहुत कम रह गई हैं। संदीप शर्मा ने मैच के बाद कहा, ÷हम मैच के निर्णायक पलों को अपने पक्ष में नहीं कर पा रहे, चाहे हम लक्ष्य का पीछा कर रहे हों या स्कोर बचा रहे हों। टी20 में हर टीम को कुछ खास मौके मिलते हैं, जिन्हें पकड़ना जरूरी होता है। इस साल हम जरूरी कैच छोड़ रहे हैं, और जब तेजी से रन बनाने होते हैं, तभी विकेट गिर रहे हैं। ऐसे मौकों पर हम लड़खड़ा रहे हैं, यही हमारी सबसे बड़ी चिंता है। संदीप ने यह भी कहा कि टीम को कप्तान संजू सैमसन की बहुत कमी खल रही है। वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे और सुपर ओवर में टीम वह मैच भी हार गई थी। इससे पहले भी सैमसन उंगली की चोट के कारण पहले तीन मैचों में नहीं खेले थे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल

में ऑस्ट्रेलिया को बोलैंड की जगह इस अनुभवी को चुनना चाहिए: रवि शास्त्री

दुबई, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री ने कहा कि जून में लॉर्ड्स मैदान पर खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को स्कॉट बोलैंड की जगह अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को चुनना चाहिए क्योंकि दिग्गज ग्लेन मैकग्रा की तरह गेंदबाजी करने वाला यह लंबे कद का खिलाड़ी इंग्लैंड की परिस्थितियों का बेहतर तरीके से उपयोग कर पाएगा। टीम में तेज गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की जगह लगभग पक्की है।

ये दोनों अगर फिट रहे तो तीसरे तेज गेंदबाज के नाम के लिए चर्चा हो सकती है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के सामने 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के तीन तेज गेंदबाजों और नाथन लियोन के रूप में एक स्पिनर के साथ उतरने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया के पास हरफनमौला बीयू वेबस्टर को एकादश में शामिल करने का विकल्प भी है, तीसरे तेज गेंदबाज के लिए हेजलवुड और बोलैंड के बीच चयन होने की संभावना है।

शास्त्री ने 'आईसीसी रिव्यू पर कहा, 'यह बहुत कठिन विकल्प होगा, अगर हेजलवुड फिट होते हैं, तो उन्हें बोलैंड के मुकाबले तरजीह मिलनी चाहिए। हेजलवुड अपने करियर में कई बार चोटिल होने के कारण टीम से बाहर रहे है। वह चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेली गयी बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के पांच मैचों में से तीन में नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला को 3-1 से जीता था। वह इसके बाद श्रीलंका दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम का हिस्सा नहीं थे। इस 34 साल के खिलाड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की और शानदार लय में है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चार विकेट झटक कर टीम को यादगार जीत दिलाई। शास्त्री ने कहा, 'हेजलवुड अगर पूरी तरह से फिट है तो दो वजहों से उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिए।

पहला इंग्लैंड की परिस्थितियां उन्हें रास आएंगी और दूसरा उनके पास मैकग्रा की तरह गेंदबाजी (एक ही लाइन लेंथ की गेंद से बल्लेबाजों को परेशान करना) करने की क्षमता है। लॉर्ड्स की पिच पर एक तरफ से ढलान है और कमेंट्री बॉक्स वाले छोर से गेंदबाजी करते समय में हमें मैक्ग्रा का रिकॉर्ड देखना चाहिए।

मैक्ग्रा ने लॉर्ड्स में तीन टेस्ट में 26 विकेट लिए है जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1997 में 38 रन देकर 8 विकेट लिए है। शास्त्री ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो वह (मैक्ग्रा) गेंद को दोनों ओर स्विंग करते हुए घातक साबित होते थे और मुझे लगता है कि हेजलवुड अपनी कद के साथ कुछ ऐसा ही कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'यह पिच ऑस्ट्रेलिया की तरह तेज नहीं हैं, इसलिए आपको थोड़ी अतिरिक्त ऊंचाई और उछाल की जरूरत होती है। हेजलवुड के पास स्कॉट बोलैंड के मुकाबले ऐसा करने की अधिक क्षमता है। मैं हालांकि स्कॉट बोलैंड का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं।

42 गेंदों में हुआ दूध का दूध और पानी का पानी

नजर आया विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में बल्लेबाज को आउट करना हो तो उसके लिए एक गेंद काफी होती है. मैच में जीत और हार के बीच भी 1 गेंद बहुत फर्क डाल सकती है. लेकिन, विराट कोहली और बाबर आजम के बीच का फर्क एक नहीं 42 गेंदें ने बताया है. भारत-पाकिस्तान के दो स्टार बल्लेबाजों के बीच दूध का दूध और पानी का पानी करने वाली ये वो 42 गेंदें रहीं, जो एक ही दिन पर, एक ही तरह के फॉर्मेट वाले मैच में, दोनों को डाली गई. उसके बाद जो रिजल्ट नजर आया, उसने बता दिया कि विराट कहां हैं और बाबर कहां?

दिन था 24 अप्रैल का और फॉर्मेट था टी20 का. फर्क बस सिर्फ इतना था कि विराट कोहली इधर भारत में आईपीएल खेल रहे थे और बाबर आजम उधर पाकिस्तान में पीएसएल.मगर एक-दूसरे काफी दूर खेल रहे होने के बावजूद संयोग देखिए की अपने-अपने मैच में दोनों ने एक बराबर गेंदों का ही सामना किया. इधर भारत में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदें खेली और उधर पाकिस्तान में पेशावर जाल्मी और लाहौर कलंदर्स के बीच खेले मैच में बाबर आजम ने भी 42 गेंदों का ही सामना किया.

विराट और बाबर के बीच क्या फर्क नजर आया?

अब 24 अप्रैल को खेले मैच में 42-42 गेंदें खेलने के बाद विराट कोहली और बाबर आजम के बीच जो फर्क नजर आया, वो जानिए. आईपीएल में राजस्थान के खिलाफ खेले मैच में विराट कोहली ने 42 गेंदों पर बनाए 70 रन. वहीं पीएसएल में बाबर आजम ने 42 गेंदों का सामना कर 56 रन ही बनाए. विराट कोहली का स्ट्राइक रेट 166.66 का रहा, जबकि बाबर आजम का 133.33 का. विराट ने 42 गेंदों की अपनी इनिंग में जहां 8 चौके और 2 छक्के लगाए. वहीं बाबर आजम ने 7 चौके और 1 छक्का ही लगाया. साफ है कि विराट रन, स्ट्राइक रेट और बाउंड्रीज की संख्या, हर मामले में बाबर आजम से आगे दिखे हैं. ऐसा तब है जब विराट कोहली टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं और बाबर आजम उस फॉर्मेट को अभी खेल रहे हैं. एक मैच का ये नतीजा उन लोगों के लिए भी जवाब की तरह है, जो बाबर को विराट से बेहतर बताने की कोशिश करते रहते हैं.

पाकिस्तानी क्रिकेटर का बड़ा बयान

पहलगाम में आतंकी हमला मेरे देश ने ही कराया है

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर रह-रहकर डेवलपमेंट हो रहे हैं. बयानों का सिलसिला भी लगातार जारी है. इस बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने एक चौंकाने वाला बयान दिया है. उन्होंने कहा कि ये तो मेरे देश ने खुलेआम मान लिया कि पहलगाम में आतंकी हमला उन्होंने ही कराया है. अब सवाल है कि पाकिस्तान के हिंदू क्रिकेटर दानिश ने ऐसा क्यों कहा? तो उन्होंने ऐसा पाकिस्तान के डिप्टी पीएम के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा है.

पाकिस्तान के डिप्टी पीएम ने पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' कहकर संबोधित किया था. डिप्टी पीएम के उसी बयान पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि जब पाकिस्तान का डिप्टी पीएम ही आतंकियों को 'स्वतंत्रता सेनानी' बता रहा हो तो ये सिर्फ

अपमानजनक नहीं है बल्कि ये मान लेने जैसा भी है कि हमला हमारे देश ने ही कराया है.

पाकिस्तान सरकार पर पहलगाम को लेकर पहले भी साध चुके निशाना

श्रीराम भक्त हिंदू क्रिकेटर दानिश कानेरिया ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अगले दिन भी अपने देश की सरकार और उसके इरादे पर सवाल उठाए थे. तब उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा था कि अगर वाकई पाकिस्तान का पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हाथ नहीं तो फिर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उस पर चिंता जाहिर क्यों नहीं की? क्यों अचानक ही सेना को हाई अलर्ट पर रहने कहा गया? साफ है कि आपको सच पता है. आप आंतकियों को पनाह दे रहे हो और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हो. ऐसा करते हुए शर्म आनी चाहिए. दानिश कानेरिया ने पाकिस्तान के लिए 61 टेस्ट और 18 वनडे खेले हैं, जिसमें 276 विकेट अपने नाम किए हैं.

ऑस्ट्रेलिया दौरा हमारे लिए मैच अनुभव हासिल करने का शानदार अवसर: सलीमा टेटे

पर्थ, एजेंसी। एक महीने लंबे सीनियर नेशनल ट्रेनिंग कैंप के बाद, भारतीय महिला हॉकी टीम 26 अप्रैल से 4 मई तक ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर पांच मुकाबले खेलेगी। दौरे की शुरुआत 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया 'ए' टीम के खिलाफ दो मुकाबलों से होगी। इसके बाद 1, 3 और 4 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में विश्व की पांचवें स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलियाई सीनियर महिला टीम के साथ तीन मैच खेले जाएंगे।

भारतीय टीम ने हाल ही में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) में घरेलू मैदान पर भाग लिया था, जहां उन्होंने दो जीत और एक शूटआउट जीत हासिल की। टूर्नामेंट के अंत में टीम ने विश्व की नंबर एक टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में बोनस अंक हासिल कर शानदार समापन किया।

इस दौरे के लिए हॉकी इंडिया ने 26 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है। सलीमा टेटे टीम की कप्तान होंगी और नवनीत कौर उपकप्तान के रूप में उनका साथ देंगी। युवा ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, जिन्होंने फरवरी में प्रो लीग में तीन गोल किए थे, अपनी अच्छी फॉर्म को बनाए रखने के लिए तैयार हैं। अनुभवी गोलकीपर सविता इस दौरे पर भी टीम के डिफेंस की

अगुवाई करेंगी, जिन्होंने हाल ही में 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे किए हैं। इस टीम में पांच नए चेहरे- ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे शामिल किए गए हैं, जो इस दौरे पर पहली बार सीनियर टीम के लिए खेल सकती हैं।

यह दौरा इन युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने और उच्च स्तर की हॉकी के दबाव को समझने का अच्छा अवसर है। सीरीज से पहले कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, हम पर्थ पहुंचकर बहुत उत्साहित हैं। यह हमारे लिए मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने और मैच का अनुभव हासिल करने का सुनहरा मौका है। इससे हमें अपनी टीम संयोजन और रणनीतियों को समझने में मदद मिलेगी, जो यूरोप में होने वाले प्रो लीग और इस वर्ष के महिला एशिया कप के लिए उपयोगी होगा। सभी खिलाड़ी, विशेषकर नए खिलाड़ी, इस अनुभव से अधिक से अधिक सीखना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया हमेशा से एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक 16 मुकाबले हुए हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 जीते हैं और 3 बराबरी पर रहे हैं। हालांकि, भारत को प्रो लीग 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया पर 1-0 की हालिया जीत से आत्मविश्वास मिला है, जिसे वे इस दौरे में आगे बढ़ाना चाहेंगे।

मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, बेंगलुरु में ट्रेनिंग कैंप के दौरान खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है। यह दौरा हमें यह जानने में मदद करेगा कि हम कहां खड़े हैं। हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना, टीम में गहराई बनाना और नए संयोजन आजमाना है।

ऑस्ट्रेलिया की घरेलू परिस्थितियों में ऑस्ट्रेलिया 'ए' और सीनियर टीम के खिलाफ खेलना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सीख होगी और आगामी बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी में मदद करेगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

ग्रामीणों के सहयोग से हुआ अनाथ लड़की का विवाह

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। हसपुरा प्रखंड के डुमरा गांव सूर्य मंदिर पर ग्रामीणों के सहयोग से एक अनाथ लड़की गुड़िया कुमारी की आदर्श विवाह पुरे हिन्दु रीति रिवाज से कराई गई। ज्ञातव्य हो कि गुड़िया कुमारी के माता स्व.मीना देवी एवं पिता स्व. राम दयाल साव दोनों का गंभीर बीमारी के कारण मृत्यु हो गया था। घर में सहारा के नाम पर मात्र एक बूढ़ी दादी मां किसी तरह मेहनत मजदूरी कर भोजन जुटा पाती थी। डुमरा ग्राम कचहरी के सरपंच श्याम किशोर यादव, अशोक साव एवं बालचन्द साव के प्रयास से प्रखण्ड के अमझर शरीफ पंचायत के बाला बिगहा गांव निवासी भोला साव के पुत्र पंकज कुमार के साथ शादी रचाने में मुख्य भूमिका निभाई। किसी ने बाप, किसी ने भाई किसी ने भैसुर की भूमिका निभाई । वार्ड सदस्य कुलदीप यादव ने लावा छिटाई, कौशल किशोर ने अग्नि के फेरा एवं बरनेत पूर्व उप प्रमुख अनिल आर्य ने चढ़ाया। गांव की महिला एवं पुरुषों ने इस शादी में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। शादी समारोह को देखने एवं सहयोग करने के लिए सुर्य मंदिर प्रांगण ग्रामीणों से खचा खच भरा हुआ था। पंडित राकेश मिश्रा ने मंत्र उच्चारण के साथ हिंदू रीति रिवाज से सम्पन्न कराया। संजीव कुमार, लखन देव साव, चंदेश्वर सिंह, राजेंद्र पासवान सहित अन्य लोग उपस्थित रहें और हर तरह से सहयोग दिया।

भूमि सर्वे : मौखिक सहमति के आधार पर पहले से किए गए जमीन के बदलैन को भी मान्यता

पटना (नि. सं.)।) बिहार सरकार ने भूमि सर्वेक्षण कार्य को और सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने के लिए मौखिक सहमति के आधार पर पहले से जमीन के किए गए बदलैन (अदला-बदली) को भी मान्यता दे दी। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) डॉ. एस. सिद्धार्थ ने शुक्रवार संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में यहां मंत्रिपरिषद की हुई बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को लागू करने के लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बन्दोबस्त (संशोधन) नियमावली, 2025 की स्वीकृति दे दी।

अधेड़ व्यक्ति की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गुरुवार देर रात मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पवई टोला मेघराज बिगहा गांव में चचेरे भाई से कहासुनी के बाद 50 वर्षीय मिश्री चौधरी की सामुदायिक भवन में लाठी-डंडे से बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, देर रात अशोक चौधरी अपने मोबाइल पर तेज आवाज में बात कर रहा था, तो पास में बैठे मिश्री चौधरी ने उसे धीमे बोलने की विनती की। इस सुझाव पर अशोक भड़क गया और कहा, "किसकी औकात है मेरी आवाज बंद कराने की।" वहीं से दोनों के बीच बहस हुई, जो हाथापाई तक पहुंच गई। आसपास के ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया, लेकिन उस झगड़े का खामियाजा मिश्री चौधरी को भुगतना पड़ा।

रात करीब बारह बजे अशोक चौधरी, उसका पुत्र राकेश चौधरी और अन्य साथी लाठी-डंडे लेकर सामुदायिक भवन पहुंचे और मिश्री चौधरी पर हमला शुरू कर दिया। घायल अवस्था में शोर करने पर भीरित लोगों ने उनका मुंह बंद कर दिया और लाठी-डंडे चलाते रहे। जब परिजन और ग्रामीण भागकर पहुंचे, तब तक मिश्री चौधरी की मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना पाकर मुफस्सिल थाना और नगर थाना की पुलिस तुरंत पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और देर रात ही शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर भेजकर तकनीकी साक्ष्य जुटाए। परिजनों की शिकायत में अशोक चौधरी, उसका भाई बसंत चौधरी, पुत्र राकेश चौधरी, विवेक चौधरी, भतीजा विकास चौधरी (विश्वास), विष्णु दयाल चौधरी, धीरज चौधरी, संतोष चौधरी सहित कुल नौ लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया गया है। मृतक परिवार ने आरोप लगाया कि अशोक और उसका पुत्र राकेश पहले भी शराब तस्करी के मामले में जेल जा चुके हैं तथा उनकी आपराधिक प्रवृत्ति जानी-मानी है। बताया गया है कि मुख्य आरोपी अशोक चौधरी की बेटी का तिलक समारोह आज ही था और 30 अप्रैल को बारात आने वाली थी, जबकि बेटे का तिलक भी उसी दिन तय था। यह दुखद संयोग परिवार पर और गहरा सदमा लेकर आया है। अभी तक अशोक चौधरी समेत सभी मुख्य आरोपित फरार हैं। संतोष चौधरी को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस धारा 144 लगा कर गांव में सुरक्षा बढ़ा चुकी है और लगातार छापेमारी कर रही है। थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि सभी नामजद आरोपियों की शीघ्र गिरफ़्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

आपदा में सेवा : एनटीपीसी बना ग्रामीणों का संकटमोचन

विद्युत उत्पादन से लेकर सामाजिक सेवा तक एनटीपीसी निभा रहा जिम्मेदारी का परिचय

- सभी जवानों को आग बुझाने के साथ पानी बचाव, प्राथमिक चिकित्सा और राहत कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि हर स्थिति से निपटना संभव हो।

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

जिले के नबीनगर प्रखंड से सामने आई है जहां एनटीपीसी (नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन) नबीनगर सिर्फ विद्युत उत्पादन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आपदा के समय ग्रामीणों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर सामने आ रहा है। हाल ही में गर्मी और सूखे की वजह से गांवों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें फसल और संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में एनटीपीसी नबीनगर ने तत्परता से सहायता पहुंचाकर मानवता का बड़ा उदाहरण पेश किया है।

एनटीपीसी नबीनगर परिसर में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की फायर विंग टीम को ग्रामीण क्षेत्रों में आग लगने की जानकारी मिलते ही बिना देर किए घटनास्थल पर भेजा जा रहा है। इन जवानों की तेजी और तैयारी की वजह से कई बार बड़ी दुर्घटनाओं को समय रहते टाला गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब आग लगती है, तो सरकारी संसाधनों के पहुँचने में देर होती है, लेकिन एनटीपीसी की टीम तुरंत पहुंचकर राहत देती है।

यह फायर विंग टीम न केवल परियोजना परिसर की सुरक्षा में तैनात है, बल्कि आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवश्यकता पड़ने पर फौरन सहायता के लिए निकल पड़ती है। इस टीम के पास अत्याधुनिक अग्निशमन उपकरण हैं और सभी जवानों को आपदा प्रबंधन की विशेष ट्रेनिंग भी दी गई है। इसी वजह से टीम हर स्थिति से निपटने के लिए हर समय तैयार रहती है।

ग्रामीणों का कहना है कि एनटीपीसी नबीनगर की यह पहल उन्हें सुरक्षा का अहसास कराती है। जहां पहले गांवों में आग लगने के बाद लोग लाचार हो जाते थे, अब वहीं एनटीपीसी की मदद से समय पर राहत मिल रही है। इस पहल को लेकर स्थानीय लोगों में संस्था के प्रति विश्वास और सम्मान काफी बढ़ा है।

यह साफ हो चुका है कि एनटीपीसी नबीनगर सिर्फ बिजली उत्पादन में ही नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। संकट की घड़ी में ग्रामीणों की मदद कर यह संस्था यह संदेश दे रही है कि वह केवल औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि समाज का अभिन्न हिस्सा है।

मारपीट का बीच बचाव करने आई महिला को लगी गोली, घायल

रफीगंज(औरंगाबाद)(नि.सं.)। रफीगंज के सिमवां गांव में गुरूवार की रात गोली लगने से एक महिला जख्मी हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही रफीगंज थाना अध्यक्ष शंभू कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर रामजी प्रसाद पुलिस बल के साथ पहुंचे। और घायल को इलाज के लिए रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया। जख्मी महिला की पहचान गया जिला के इमामगंज थाना क्षेत्र के बांके बाजार निवासी पवन पासवान के पत्नी रिंकी देवी के रूप में की गई है। रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घायल रिंकी देवी ने बताई की 6 अप्रैल को मैं अपने मैके सिमवां गांव अपने भाई रामू पासवान के शादी समारोह में आये थे। वृहस्पतिवार की रात में मेरे भाई रामू पासवान की गांव के ही विनय महतो के पुत्र सोनू महतो के साथ किसी बात को लेकर बहस चल रहा था। सोनू महतो ने फोन कर मेरे भाई को घर से बाहर निकालने के लिए बोला जब मेरा भाई घर से बाहर निकाला तो सोनू महतो करीब 10 की संख्या में पहुंचे और मेरे भाई के साथ मारपीट करने लगा।

मशाल खेल कूद प्रतियोगिता का पीएम श्री अनुग्रह स्कूल में हुआ शुभारंभ

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में कार्यकारी निदेशक बिहार राज्य खेल प्राधिकार एवं डीईओ सुरेंद्र कुमार के आदेशानुसार मशाल खेल कूद प्रतियोगिता का प्रधानाध्यापक उदय कुमार सिंह ने किया शुभारंभ। बिहार में खेल के प्रति बच्चों में अनुराग पैदा करने के लिए राज्य सरकार विद्यालय, संकुल, प्रखंड एवं जिला स्तर पर मशाल 2025 का आयोजन करा रही है। हेडमास्टर ने कहा कि इस आयोजन को विद्यालय स्तर पर 25 से 27 अप्रैल के बीच करना है जिसमें पोर्टल पर 77 बच्चों का विभिन्न खेलों में पंजीकरण कराया गया है। बच्चों ने एथलेटिक क्रिकेट बॉल थ्रोइंग, फुटबॉल एवं वॉलीबॉल के लिए पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया गया एवं उमंग के साथ प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया। प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने एथलेटिक की विभिन्न कॉम्पिटिशन को हरी झंडी दिखाकर शुरुआत किया। मशाल खेल कूद इवेंट्स में सफल बच्चे क्रमशः संकुल, प्रखंड एवं जिला स्तर पर भाग लेंगे।खेलने की भावना अंततः पढ़ाई में अच्छा परिणाम देती है। स्टूडेंट्स का समग्र विकास होता है।इस अवसर पर विद्यालय में खेल के नोडल शिक्षक योगेंद्र पाल, सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं डीईओ कार्यालय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आपराधिक साजिश नाकाम

कट्टा और कारतूस के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

निज संवाददाता | देव (औरंगाबाद)

औरंगाबाद के देव थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने से पहले ही सतर्कता दिखाते हुए एक अपराधी को हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई 24 अप्रैल 2025 को देव थानाध्यक्ष को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देव थाना क्षेत्र के केसौर मोड़ स्थित सामुदायिक भवन के पास एक संदिग्ध व्यक्ति देशी कट्टा और कारतूस के साथ किसी आपराधिक घटना की फिराक में था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर उक्त व्यक्ति भागने लगा, लेकिन तत्परता से की गई घेराबंदी के चलते उसे धर दबोचा गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान दीपक कुमार (उम्र 24 वर्ष), पिता कारू मिस्त्री, निवासी अमारूत, थाना डोभी, जिला गया के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक आधार कार्ड बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध की योजना को स्वीकार किया। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस संबंध में देव थाना में कांड संख्या 106/25, दिनांक 24.04.2025 के तहत भारतीय शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25 (1-बी)/ए/26 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

दुष्कर्म आरोपी किशोर को तीन साल की सजा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शुक्रवार को किशोर न्याय बोर्ड, औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी सह एसीजेएम, सुशील प्रसाद सिंह ने रफीगंज थाना कांड संख्या - 242/22 के मामले में सुनवाई करते हुए एक मात्र आरोपी किशोर को तीन साल की सजा सुनाई। यह मामला एक किशोर द्वारा किए गए दुष्कर्म के संबंध में था। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि इस आरोपी किशोर को 08 जुलाई 2022 से पर्यवेक्षण गृह गया में रखा गया था। बोर्ड द्वारा पर्यवेक्षण गृह गया के अधीक्षक को एक पत्र निर्गत किया गया है, जिसमें कहा गया है कि किशोर को अपनी सजा पूरी करने के लिए विशेष गृह पटना में स्थानांतरित किया जाए। इस किशोर पर भादंवि धारा 376, 06 पोक्सो एक्ट, और एससी/एसटी एक्ट के तहत जघन्य अपराध के आरोप थे। बोर्ड ने यह भी निर्देश दिया कि विधिक सेवा प्राधिकरण, औरंगाबाद के माध्यम से पीड़िता को चार लाख रुपये का प्रतिकर दिलवाया जाए। यह मामला समाज में सुरक्षा और न्याय की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विश्वास का प्रतीक 55 वर्षों से आपकी सेवा में
SANGITA
OLD G.T. ROAD, NEAR DHARMSHALA MORE, AURANGABAD (BIHAR)
A HOUSE OF ELECTRONIC & ELECTRICALS HOME APPLIANCES
0% INTEREST BAJAJ FINSERV Finance Available

OUR 2ND BRANCH : JIO DIGITAL , M.G. ROAD, NEAR BATA, AURANGABAD
Mob: 9934061053, 9934941400, 9939018555

संत परमानन्द रामानुज वैष्णोदास महाराज के निधन पर गहरा शोक

एसवीवी संवाददात | औरंगाबाद

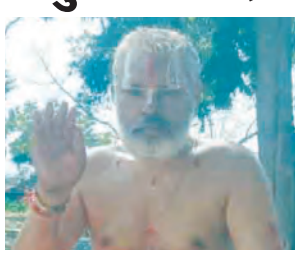

सदर प्रखंड के परसडीह पंचायत के ग्राम सिमरी (दोसमा) निवासी परम पूज्य संत श्री परमानन्द रामानुज वैष्णोदास महाराज जी के निधन पर भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह, मुखिया प्रतिनिधि अमरीश सिंह एवं पंचायत वासियों ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने कहा कि उनका निधन हम सभी के लिए अत्यधिक दुःखद है। पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह और मुखिया प्रतिनिधि अमरीश सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा कि हमलोगों ने एक ऐसे महान संत को खो दिया, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन सनातन धर्म के प्रचार और समाज के कल्याण में समर्पित किया। महाराज जी का जन्म सिमरी गाँव में हुआ था, और उन्होंने अपना जीवन धर्म के प्रचार और महायज्ञों के आयोजन में बिताया। वे देश के विभिन्न राज्यों में महायज्ञों और मंदिरों के प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होते थे और सनातन धर्म के प्रचार के लिए निरंतर प्रयासरत रहते थे। संत रामानुज जी का अधिकांश समय दिल्ली स्थित अपने मठ और आश्रम में बीता, जहां वे अन्य स्थानों पर जाकर सनातन धर्म का प्रचार करते थे।

उनका निधन दिल्ली के एक निजी अस्पताल में हुआ, और उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गाँव सिमरी में किया गया। अंतिम संस्कार में उनके कई शिष्य भी उपस्थित थे। इस महान संत के निधन पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णवल्लभ कुमार सिंह उर्फ बबुआ जी, परसडीह पंचायत की मुखिया उषा देवी, प्रखण्ड बीस सूत्री सदस्य भरत सिंह, जिला मीडिया प्रभारी मितेन्द्र कुमार सिंह, समाजसेवी पंकज सिंह, पैक्स प्रबंधक अनिल सिंह, निरंजन सिंह, विशाल कुमार उर्फ दुदुन सिंह, शिक्षक माखन सिंह, बिनोद सिंह, बिजेन्द्र सिंह, मंटू सिंह, उप मुखिया राजेश शर्मा, विजय सिंह एवं पंचायत वासियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

इस महान संत के योगदान और शिक्षाओं को हमेशा याद किया जाएगा

पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में निकला गया कैंडल मार्च

निज सं. | हसपुरा (औरंगाबाद)

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले के विरोध में हसपुरा क्षेत्र के ग्रामीणों ने देर शाम कैंडल मार्च निकाला। पूर्व उप प्रमुख अनिल आर्य, पूर्व मुखिया विजय कुमार अकेला, मुखिया संतोष शौंडिक, वीरेंद्र विधायक, सुनील शर्मा, मनोज शर्मा, राजू भारती, सुरेश आर्य, राजा चौधरी, अभिषेक शौंडिक, प्रिंस, रंजन, सुमित, मोहित, आदित्य, साहिल सहित सैकड़ो ग्रामीण हाथों में मोमबत्ती और बैनर लेकर हसपुरा रेफरल अस्पताल के प्रांगण से मार्च शुरू कर काजी विगहा होते हुए मुख्य बाजार तक पहुँचे। रात के अँधेरे में मोमबत्तियों की रौशनी के बीच मार्च का शांतिपूर्ण शिष्टाचार अब तक लगभग दो किलोमीटर का मार्ग तय कर मुख्य बाजार के दुर्गा मंदिर पर समाप्त हुआ, जहाँ शोक सभा आयोजित की गई। सभा में सबसे पहले मारे गए पर्यटकों को याद करते हुए दो मिनट का मौन धारण किया गया और श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौन यज्ञ के बाद लोगों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम, पाकिस्तान मुर्दाबाद और आतंकवादियों का खात्मा जैसे तेज उद्घोष किए, जिनसे वातावरण गूंज उठा।

ग्रामीणों ने अंबेडकर रथ को किया भव्य स्वागत

रफीगंज (औरंगाबाद)(नि.सं.)। जनता दल यूनाइटेड के अनुसूचित जाति–जनजाति प्रकोष्ठ बिहार प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राजेश त्यागी के नेतृत्व में पटना से निकले अंबेडकर रथ का रफीज प्रखंड के बराही बाजार में पार्टी के कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह का आयोजन कानाखाप में किया गया, जहाँ उपस्थित लोगों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महादलित परिवारों के लिए चलाई गई योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष एवं बीस सूत्री सदस्य संजय अंबेडकर ने की, जबकि संचालन प्रखंड अध्यक्ष एवं बीस सूत्री सदस्य सुनील कुमार वर्मा ने किया। प्रदेश अध्यक्ष राजेश त्यागी ने संबोधित करते हुए बताया कि यह रथ मुख्यमंत्री द्वारा महादलितों तक विकास की किरण पहुँचाने, उनके अधिकार सुरक्षित करने और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के सपनों को साकार करने के प्रयासों की जानकारी आम लोगों तक पहुँचाने का एक जरिया है।